THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 207 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.3 2082 शुक्रवार, 24 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीजेआई पर हमले के आरोपी वकील के खिलाफ अवमानना याचिका पर शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश के आरोपी वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 27 अक्तूबर को सुनावाई करेगा। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने दायर की है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ सुनवाई करेगी। यह घटना 6 अक्तूबर को हुई थी, जब वकील राकेश किशोर (71) ने सीजेआई की अदालत में जूता फेंक दिया था। इस अप्रत्याशित घटना के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने किशोर का वकालत लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था।

आसियान सम्मेलन में वर्चुअली शामिल होंगे पीएम

> मलयेशियाई प्रधानमंत्री ने की पुष्टि

(फाइल फोटो)

कुआलालंपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बुधवार को पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के लिए कुआलालंपुर नहीं जाएंगे, बल्कि वर्चुअली इसमें शामिल होंगे। मलयेशियाई प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी के एक करीबी सहयोगी से फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा, 'हमने इस महीने के अंत में कुआलालंपुर में होने वाले 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के आयोजन पर चर्चा की। उन्होंने मुझे बताया कि इस समय भारत में चल रहे दीपावली समारोह के कारण प्रधानमंत्री वर्चुअली इसमें शामिल होंगे।' मलयेशियाई पीएम ने कहा, 'मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूं और उन्हें और भारत के सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देता हूं।'

क्या बोले मलयेशियाई पीएम

अनवर इब्राहिम ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों पर भी बात की। अनवर ने कहा, 'कल रात मुझे भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक सहयोगी का फोन आया, जिसमें मलयेशिया-भारत द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक रणनीतिक और व्यापक स्तर तक मजबूत करने के प्रयासों पर चर्चा की गई। भारत व्यापार और निवेश के क्षेत्र में मलयेशिया का एक महत्वपूर्ण साझेदार है, साथ ही प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्रों में भी करीबी सहयोगी बना हुआ है।'

पीएम मोदी ने भी की पुष्टि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट किया, 'मेरे प्रिय मित्र, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान-भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं।'

ट्रंप ने की मलयेशिया जाने की पुष्टि

गौरतलब है कि 47वें आसियान सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलयेशिया जाएंगे। ट्रंप मलयेशिया के अलावा दक्षिण कोरिया, जापान की भी यात्रा करेंगे। दक्षिण कोरिया में ट्रंप की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात होगी। ट्रंप ने बुधवार को ही मलयेशिया जाने की पुष्टि की और साथ ही बताया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ होने वाली बैठक को फिलहाल रद्द कर दिया है। आसियान-भारत के संबंध 1992 में क्षेत्रीय साझेदारी के साथ शुरू हुए। दिसंबर 1995 में यह पूर्ण संवाद साझेदारी में बदले और 2002 में शिखर सम्मेलन स्तर की साझेदारी में परिवर्तित हो गए। 2012 में इन संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया। आसियान के 10 सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने केआर नारायणन की प्रतिमा का अनावरण किया

तिरुवनंतपुरम, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों केरल के दौरे पर हैं। इस दौरान गुरुवार को उन्होंने केरल राजभवन परिसर में भारत के पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन की प्रतिमा का अनावरण किया।

यह प्रतिमा भारत के पहले दलित राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि स्वरूप स्थापित की गई है। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन मौजूद थे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि केआर नारायणन का जीवन साहस, मेहनत और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक कहानी है। उन्होंने शिक्षा की शक्ति के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचकर यह दिखाया कि अवसर और दृढ़ निश्चय से सब कुछ संभव है।

जस्टिस सूर्यकांत होंगे अगले सीजेआई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है क्योंकि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर को पद से मुक्त हो रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया से वाकिफ सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति गवई को उनके उत्तराधिकारी के नाम का अनुरोध करने वाला पत्र आज शाम या शुक्रवार को भेजा जाएगा। प्रक्रिया ज्ञापन के अनुसार, जो सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति का मार्गदर्शन करने वाले दस्तावेजों का एक सेट है, में कहा गया है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की होनी चाहिए, जिन्हें पद धारण करने के लिए उपयुक्त माना जाए। केंद्रीय कानून मंत्री, उचित समय पर, अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति के लिए भारत के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश से सिफारिश मांगेंगे। परंपरागत रूप से, यह पत्र वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने से एक महीने पहले भेजा जाता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत भारत के मुख्य न्यायाधीश के बाद सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और भारतीय न्यायपालिका के प्रमुख बनने की कतार में अगले स्थान पर हैं। नियुक्ति के बाद, न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को अगले मुख्य न्यायाधीश बनेंगे और 9 फरवरी, 2027 तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर बने रहेंगे।

सीएम सिद्धारमैया के अमावस्या कहने पर भड़के भाजपा सांसद सूर्या

बंगलूरू, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया पर पलटवार किया है। दरअसल सीएम सिद्धारमैया ने हाल ही में अपने एक बयान में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या पर निशाना साधते हुए उन्हें अमावस्या कह दिया था। अब इसे लेकर तेजस्वी ने पलटवार किया है और कहा है कि सीएम शायद उन लोगों को खुश करना चाहते हैं, जो अपनी खुशियों के लिए चांद देखते हैं।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, 'मुख्यमंत्री मुझ पर निजी हमले कर रहे हैं, इससे उनके पद को शोभा नहीं देता। पूर्णिमा हो या अमावस्या, धूप खिली रहती है। शायद यह उन लोगों के को खुश करने की कोशिश है जो अपनी खुशियों के लिए चांद देखते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि 'एक भी सड़क गड्ढों से मुक्त नहीं है। शहर में एक किलोमीटर की भी अच्छी सड़क नहीं है और ये सरकार कचरा मुक्त शहर देने में असमर्थ है। हाल ही में शहर में दुष्कर्म की तीन घटनाएं हुईं। कर्नाटक से 15 अरब डॉलर का निवेश चला गया और राज्य के आईटी मंत्री संघ पर प्रतिबंध लगाने में व्यस्त हैं।' मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र के बयान पर, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, 'मुख्यमंत्री के बेटे ने संकेत दिया है कि उनके पिता का समय समाप्त हो गया है।

सबरीमाला मामला : एसआईटी ने पूर्व प्रशासनिक अधिकारी को किया गिरफ्तार

पठानमथिट्टा, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। सबरीमाला मंदिर से गायब सोने की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंदिर के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी मुरारी बाबू को गिरफ्तार किया है। इससे पहले मंगलवार को सबरीमाला से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल ने मंगलवार को केरल उच्च न्यायालय में एक सीलबंद लिफाफे में अपनी पहली रिपोर्ट दाखिल की थी।

उन्होंने बताया कि सोना गायब होने के विवाद के बाद त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) द्वारा निलंबित किए गए बाबू को बुधवार रात चंगनास्सेरी स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया। इसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए तिरुवनंतपुरम के क्राइम ब्रांच कार्यालय में स्थानांतरित किया गया। मुरारी बाबू के परिवारजन गुरुवार सुबह क्राइम ब्रांच कार्यालय पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे एसआईटी ने बाबू की गिरफ्तारी दर्ज की और उनके रिश्तेदारों को पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया। बाद में उन्हें बाबू से मिलने की अनुमति दी गयी। अधिकारियों ने बताया कि एसआईटी शाम को बाबू को यहां पथनमथिट्टा स्थित प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश करेगी।

'आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार'

नौसेना कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में बोले नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की द्विवार्षिक कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2025 का दूसरा सत्र गुरुवार से शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने नौसेना की आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम और भविष्य की योजना पर जोर दिया।

इस दौरान उन्होंने नौसेना के जवानों की समर्पण भावना, पेशेवर कौशल और देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की भूमिका को राष्ट्र के लिए गर्व का विषय भी बताया। बता दें कि इससे पहले बुधवार को वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी नौसेना कमांडरों को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय नौसेना की हिंद महासागर क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति और विभिन्न चुनौतियों से निपटने में उसकी भूमिका की प्रशंसा की थी। नौसेना प्रमुख ने मौजूदा भू-राजनीतिक हालातों पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नौसेना की तैयारी, अनुकूलनशीलता और क्षेत्रीय सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नौसेना आज एक 'कॉम्बैट-रेडी और विश्वसनीय फोर्स' के रूप में उभर चुकी है। उन्होंने बताया कि नौसेना ने हाल के महीनों में कई सफल ऑपरेशनों और संयुक्त मिशनों को अंजाम दिया है। साथ ही नई तकनीक, जहाजों और हथियार प्रणालियों की खरीद से नौसेना की क्षमता और बढ़ी है। >14

भारत-ओमान के सैन्य रिश्ते और हुए मजबूत

सेना प्रमुखों की तीसरी बैठक नई दिल्ली में संपन्न

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना और ओमान की रॉयल आर्मी के बीच रक्षा सहयोग और मजबूत हुआ है। नई दिल्ली में 22 से 23 अक्तूबर 2025 तक दोनों देशों के बीच तीसरी आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टॉक्स (एएएसटी) आयोजित हुई। भारतीय सेना के जन सूचना निदेशालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'भारतीय सेना ने रॉयल आर्मी ऑफ ओमान के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत किया है। दोनों सेनाओं के बीच तीसरी आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टॉक्स नई दिल्ली.. >14

'पुलिस और आईबी के लोग करते हैं मेरा पीछा'

सुप्रीम कोर्ट में सोनम वांगचुक की पत्नी बोलीं-जेल में मुलाकात के दौरान की जाती है निगरानी

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। लद्दाख के क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक इस वक्त जोधपुर की सेंट्रल जेल में हैं। सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत यहां रखा गया है। अब उनकी पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, सोनम वांगचुक की पत्नी अंगमो ने आरोप लगाया है कि राजस्थान पुलिस और इंटेलिजेंस ब्यूरो उनकी हर गतिविधि पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि जब भी वह अपने पति से मिलने के लिए जोधपुर सेंट्रल जेल जाती हैं, तब से लेकर दिल्ली लौटने तक पुलिस उनके साथ रहती है और उनकी हर गतिविधि की निगरानी करती है।

अंगमो ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया है। अपने हलफनामे में उन्होंने कहा है कि सितंबर के अंत से उन्हें लगातार दिल्ली में निगरानी में रखा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 7 अक्टूबर और 11 अक्टूबर को जब वह जोधपुर सेंट्रल जेल में सोनम वांगचुक से मिलने गईं, तो जोधपुर एयरपोर्ट पर उतरते ही उन्हें पुलिस वाहन में बैठा लिया गया और पूरी यात्रा के दौरान पुलिस उनके साथ रही। सोनम वांगचुक की पत्नी ने कहा कि उन्हें पहले से अपनी यात्रा की जानकारी अधिकारियों को देनी पड़ती है। अंगमो ने कहा कि जेल के अंदर जब वह अपने पति से मिल रही थीं, तब एक डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस मंगलेश और एक महिला कांस्टेबल वहीं पास में बैठी थीं और उनकी बातचीत के नोट्स ले रही थीं। हलफनामे में अंगमो ने कहा कि मुझे जोधपुर में किसी और से मिलने या कहीं और जाने की अनुमति नहीं दी गई। जब मेरे पास ट्रेन में सवार होने से पहले कुछ घंटे थे, तब भी पुलिस ने मुझे रेलवे स्टेशन ले जाकर वहीं बैठाए रखा। ट्रेन में भी अधिकारी मेरे साथ बैठे रहे और दो घंटे बाद मेरता रोड जंक्शन पर उतरे। शीर्ष अदालत से अंगमो ने कहा कि एक नागरिक के रूप में उन्हें अपने पति से मिलने का पूरा अधिकार है और किसी भी अधिकारी को उनके निजी बातचीत को सुनने या रिकॉर्ड करने का अधिकार नहीं है। अंगमो ने कहा कि मेरी और मेरे पति की बातचीत प्राइवेट है। इस पर निगरानी संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत प्राप्त अधिकारों का उल्लंघन है। अंगमो ने यह भी बताया कि 30 सितंबर को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के बाद से उनके घर के बाहर निगरानी शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि जैसे ही मैं अपने घर से बाहर निकलती हूं, एक कार और बाइक पर सवार व्यक्ति मुझे फॉलो करते हैं। ऐसी स्थिति लगातार बनी हुई है।

पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को लद्दाख में हुई हिंसा और राज्य के दर्जे की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किया गया था। वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) की धारा 3(2) के तहत जोधपुर जेल में नजरबंद रखा गया है। गीतांजलि अंगमो ने शीर्ष अदालत से अपने पति की गिरफ्तारी को अवैध करार देने की मांग की है। उनका कहना है कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित नहीं है, बल्कि एक शांतिपूर्ण और सम्मानित पर्यावरणविद् को चुप कराने की कोशिश है।

राष्ट्रपति के सबरीमाला दौरे पर व्हाट्सएप स्टेटस से विवाद

> पलक्कड़ के डीएसपी से मांगा गया स्पष्टीकरण

तिरुवनंतपुरम, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के पलक्कड़ जिले में एक डीएसपी रैंक के पुलिस अधिकारी द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सबरीमाला मंदिर दौरे की आलोचना करते हुए व्हाट्सऐप स्टेटस लगाने पर विवाद खड़ा हो गया है। पुलिस विभाग ने अधिकारी से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है।

बताया जा रहा है कि अधिकारी के व्हाट्सऐप स्टेटस में लिखा था कि राष्ट्रपति की सबरीमाला यात्रा के दौरान भगवान अयप्पा मंदिर से जुड़ी कई परंपराओं और हाईकोर्ट के आदेशों का उल्लंघन हुआ है। साथ ही स्टेटस में यह भी सवाल उठाया गया था कि कांग्रेस और भाजपा इस पर विरोध क्यों नहीं कर रही हैं। बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू ने बुधवार को सबरीमाला मंदिर में पूजा की थी और ऐसा करने वाली वे देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अधिकारी ट्रेन में सफर कर रहे थे जब उन्हें एक फॉरवर्ड संदेश मिला। उसे पढ़ते समय उन्होंने गलती से उसे व्हाट्सऐप स्टेटस पर लगा दिया। जब लोगों ने फोन कर पूछा तो उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने तुरंत स्टेटस हटा दिया। ऐसे में अब पलक्कड़ जिला पुलिस प्रमुख ने अधिकारी से इस पूरे मामले में लिखित स्पष्टीकरण मांगा है।

कपाट बंद होने से पहले खुला यमुनोत्री धाम का 'खजाना'

> 50 लाख का आया चढ़ावा

बड़कोट, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। यमुनोत्री धाम में मां यमुना मंदिर के कपाट आज छह माह के लिए बंद कर दिए गए। इससे पहले मां यमुना मंदिर का खजाना खोला गया।यमुनोत्री धाम में इस साल 6,45,000 श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और चढ़ावा भेंट किया। इस यात्राकाल में यमुनोत्री मंदिर समिति को करीब 50 लाख रुपये की आय हुई है। गत वर्ष की अपेक्षा श्रद्धालुओं की आवाजाही में थोड़ी कमी आई है।

यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप उनियाल सचिव सुनील उनियाल ने बताया कि इस बार पिछले साल की अपेक्षा श्रद्धालुओं में कमी के साथ ही थोड़ी बहुत आय में भी कमी आई है। इस बार मंदिर समिति को दान पात्र और रसीद बुकों से करीब 50 लाख रुपये की चढ़ावा प्राप्त हुआ।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव की तारीख घोषित, 4 नवंबर को होगी वोटिंग

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में छात्रसंघ चुनाव 2025-26 के आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा हो गई है। इलेक्शन कमेटी ने गुरुवार को पूरा शेड्यूल जारी कर दिया। इस शेड्यूल के मुताबिक, छात्रसंघ चुनाव के लिए वोटिंग 4 नवंबर को होगी जबकि रिजल्ट 6 नवंबर को घोषित किया जाएगा। मतदान की प्रक्रिया एक ही दिन में दो फेज में पूरी होगी। पहले फेज में सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक वोट डाले जाएंगे जबकि दूसरे फेज में दोपहर 2.30 बजे से लेकर शाम 5.30 बजे तक वोटिंग होगी।

24 अक्टूबर से शुरू होगी चुनाव प्रक्रिया

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया 24 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से शाम पांच बजे तक अनंतिम मतदाता सूची जारी होने तथा उसमें संशोधन शुरू करने के साथ शुरू होगी। नॉमिनेशन 25 अक्टूबर को दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे के बीच जारी किए जाएंगे। उम्मीदवार 27 अक्टूबर को सुबह साढ़े नौ बजे से शाम पांच बजे तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे।

वैध नामांकनों की सूची 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजे जारी की जाएगी और उसी दिन दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे के बीच नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। उम्मीदवारों की अंतिम सूची शाम सात बजे तक जारी कर दी जाएगी और उसके बाद रात आठ बजे प्रचार के लिए स्थान आवंटन के साथ एक प्रेस वार्ता होगी।

पिछले साल एक सीट गई थी एबीवीपी के खाते में

बता दें कि पिछले साल के चुनाव में चार पोस्ट में से तीन सीटों पर लेफ्ट समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी जबकि एक सीट जॉइंट सेक्रेटरी पर एबीवीपी कैंडिडेट ने जीत दर्ज की थी जो लगभग एक दशक में इस संगठन की पहली जीती थी।

जेएमएस बिजनेस सेंटर में लगी भीषण आग, हादसे में कोई हताहत नहीं

मुंबई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के जोगेश्वरी पश्चिम इलाके में जेएमएस बिजनेस सेंटर में गुरुवार को भीषण आग लग गई। दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमारत में आग सुबह करीब 11 बजे का आसपास लगी थी। आग लगने के बाद इमारत के अंदर कई लोग फंस गए थे, हालांकि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार सुबह मुंबई के पश्चिमी उपनगर जोगेश्वरी में एक बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लग गई। उन्होंने बताया कि गांधी स्कूल के पास जेएनएस बिजनेस सेंटर में सुबह करीब 10.50 बजे लगी आग में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

'आजाद और गंभीर विद्वानों से सरकार की दुश्मनी'

> प्रोफेसर ओरसिनी के निर्वासन पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण नई दिल्ली स्थित आईजीआई हवाई अड्डे से निर्वासित की गईं लंदन यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी के मामले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि ओरसिनी को देश से बाहर करने का फैसला आव्रजन संबंधी औपचारिकताओं के चलते नहीं किया गया बल्कि यह आजाद, गंभीर सोच वाले विद्वानों के प्रति मोदी सरकार की दुश्मनी को दर्शाता है।

ओरसिनी को हवाई अड्डे से वापस भेज दिया गया था

लंदन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में एमिरेट्स प्रोफेसर और हिंदी की विद्वान फ्रांसेस्का ओरसिनी को सोमवार को हांगकांग से नई दिल्ली आने के तुरंत बाद निर्वासित कर दिया गया। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार वीजा शर्तों के उल्लंघन के कारण ओरसिनी को मार्च 2025 से 'काली सूची' में डाला गया था। जिसके चलते उन्हें हवाई अड्डे से ही वापस भेज दिया गया। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि दक्षिण एशियाई साहित्य की प्रसिद्ध विद्वान को पांच साल का वैध वीजा होने के बावजूद भारत में प्रवेश से रोक दिया गया।

कांग्रेस ने सरकार की निंदा की

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जयराम रमेश ने लिखा कि 'हिंदी और उर्दू साहित्यिक संस्कृतियों पर ओरसिनी के काम ने भारत की सांस्कृतिक विरासत की हमारी सामूहिक समझ को समृद्ध किया है, जिससे भक्त ब्रिगेड को एलर्जी है।' रमेश ने आरोप लगाया, 'उन्हें देश से बाहर करने का फैसला आव्रजन संबंधी औपचारिकता का मामला नहीं है, बल्कि मोदी सरकार की आजाद, गंभीर सोच वाले, पेशेवर विद्वानों के प्रति दुश्मनी की निशानी है।'

कई इतिहासकारों ने भी सरकार के कदम की आलोचना की

ओरसिनी के निर्वासन पर प्रतिक्रिया देते हुए, इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने ओरसिनी को भारतीय साहित्य की एक महान विद्वान बताया। उन्होंने लिखा कि उनके कामों ने हमारी अपनी सांस्कृतिक विरासत की समझ को समृद्ध रूप से बढ़ाया है।

गुहा ने एक्स पर लिखा, 'बिना किसी कारण के उन्हें निर्वासित करना एक असुरक्षित, विक्षिप्त और यहां तक कि मूर्ख सरकार की निशानी है।' एक अन्य इतिहासकार मुकुल केसवन ने कहा था कि विद्वानों और विद्वत्ता के प्रति एनडीए सरकार की दुश्मनी देखने लायक है।

रेलवे ट्रैक पर आईईडी विस्फोट

असम-उत्तर बंगाल की ट्रेन सेवा प्रभावित; जांच में जुटी पुलिस

कोकराझार, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां कोकराझार जिले में गुरुवार तड़के एक अज्ञात व्यक्ति ने रेलवे ट्रैक पर एक बम (आईईडी) विस्फोट किया, जिससे लोअर असम और उत्तर बंगाल के कई इलाकों में रेल सेवा बाधित हो गई। धमाका कोकराझार रेलवे स्टेशन से लगभग पांच किलोमीटर दूर सलकाटी की तरफ हुआ। बता दें कि इस धमाके से लगभग तीन फुट लंबा रेलवे ट्रैक टूट गया और उसके टूटे हुए टुकड़े कई मीटर दूर तक बिखर गए। हालांकि, पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत या ट्रेन के पटरी से उतरने की खबर नहीं है।

मामले में कोकराझार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुष्पराज सिंह ने कहा कि नुकसान सिर्फ ट्रैक के एक छोटे हिस्से तक सीमित था, जिसे तुरंत ठीक कर दिया गया। ट्रेन सेवा अब पुनः शुरू हो गई है। वहीं रेलवे और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रभावित इलाके की पूरी जांच-पड़ताल की और फिर से रेल सेवा बहाल की। इस बीच, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और इस धमाके में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। ये पूरा घटनाक्रम तब हुआ जब कोकराझार और सलकाटी के बीच रेलवे ट्रैक पर गुरुवार तड़के करीब एक बजे संदिग्ध बम धमाका होने की खबर मिली। इस वजह से करीब आठ से दस ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। रेलवे ट्रैक को सुबह 5:25 बजे ठीक कर लिया गया और 5:30 बजे से ट्रेन सेवा सामान्य हो गई।

60 साल बाद मिला 91 साल का भाई

भाई दूज पर इससे बेहतरीन गिफ्ट कोई नहीं रो पड़े सब

नई दिल्ली/गुवाहाटी, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली के बाद भाई दूज के अवसर पर घरवालों को एक बेहतरीन तोहफा मिला है। एक बूढ़े हो चुके भाई को उसका 91 साल का बड़ा भाई मिला है। 81 साल के छोटे भाई को कभी उम्मीद भी नहीं थी कि उसका यह बड़ा भाई इस जीवन में मिल पाएगा।

बात कर रहे हैं नगा लीडर थुइंगलेंग मुइवा की, जो बरसों तक भूमिगत रहने के बाद पहली बार 22 अक्टूबर, 2025 को मणिपुर के उखरुल जिले में अपने पैतृक गांव सोमदल पहुंचे। हजारों की भीड़ ने उनकी घरवापसी पर जोरदार स्वागत किया। वह 1964 में अपने गांव से नगा आंदोलन के लिए निकले और ज्यादातर समय अंडरग्राउंड ही रहे। बीच में 1973 में वह कुछ देर के लिए गांव के बाहर बने एक चर्च में आए थे, मगर वह रुके नहीं थे। ऐसे में उनका गांव में आना करीब 61 साल बाद ही हुआ है।

1950 के दशक में शुरू हुआ था नगा आंदोलन

नगा विद्रोह 1950 के दशक में स्वतंत्रता संग्राम के रूप में शुरू हुआ था। 1997 में भारत और मुइवा के समूह एनएससीएन (I-M) नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (इसाक-मुइवा) के बीच युद्धविराम के बाद से हिंसा कम हुई है, लेकिन अलग झंडे और संविधान की मांग को लेकर बातचीत अभी भी रुकी हुई है। मुइवा वर्तमान में भारत सरकार के साथ शांति वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं। वह नगा लोगों के लिए अधिक राजनीतिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं, जो पूर्वोत्तर के मूल समूह हैं।

मुइवा ने किसे कहा था देशद्रोही

थुइंगलेंग मुइवा का जन्म 3 मार्च, 1934 में हुआ था। वह एक नगा राष्ट्रवादी राजनीतिज्ञ और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (आईएम) के महासचिव हैं। मुइवा नगा नेशनल काउंसिल (एनएनसी) में शामिल हो गए, जो नगालैंड को भारत से अलग करने के लिए अभियान चलाने वाला एक हथियारबंद समूह था। बाद में वे एनएनसी के महासचिव बने। जब एनएनसी नेताओं के एक समूह ने भारत सरकार के साथ 1975 के शिलांग समझौते पर हस्ताक्षर किए , तो मुविया और कुछ अन्य लोगों ने उन्हें देशद्रोही करार दिया।

कोर्ट परिसर में घुसा हाथी-तोड़ने लगा गेट

ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने भाग कर बचाई जान

हरिद्वार, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरिद्वार में जंगली जानवरों का रिहायशी इलाकों पहुंचना लगातार जारी है। रोशनाबाद के कोर्ट परिसर में भी देर रात जंगली हाथी पहुंच गया। इस दौरान कोर्ट परिसर में रात ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने भाग कर जान बचाई। वहीं, हाथी परिसर में लगे लोहे के गेट को तोड़ने की कोशिश की। पुलिस कर्मियों ने हाथी की दस्तक को मोबाइल में कैद किया।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। जमालपुर कलां में हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। झुंड में शामिल आठ हाथियों को देखकर लोगों में अफरा तफरी मच गई। वहीं, हाथियों ने धान और गन्ने की फसलें भी रौंद दी। घंटों की मशक्कत के बाद वन प्रभाग ने हाथियों को खदेड़ा।

प्रमुख राजनीतिक दलों में वंशवाद : समाजवादी पार्टी सबसे आगे, आप में सबसे कम

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में अगले चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्य मुकाबला एक पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे से है। सत्ताधारी दल का उभरता युवा नेता एक पूर्व केंद्रीय मंत्री का बेटा है, जबकि मौजूदा उपमुख्यमंत्री भी एक पूर्व मंत्री के बेटे हैं। ...और यह सिलसिला पूरे देश में चलता रहता है। विधायकों, सांसदों, मंत्रियों और पार्टी प्रमुखों के बेटे-बेटियां, सभी पार्टी में शामिल हो रहे हैं, फिर विधानसभा और सरकार का टिकट पा रहे हैं – एक के बाद एक राज्य, एक के बाद एक पार्टी, यह एक ऐसा चलन है जो पैमाने और दायरे दोनों में व्यापक रूप से फैल रहा है। द इंडियन एक्सप्रेस की पड़ताल में यह बात सामने आई है। हालांकि, इसमें एक विरोधाभास है। भाजपा, जो केंद्र में सत्ता में अपने तीसरे कार्यकाल में है, और जिसके राज्यों में लगातार बढ़ते प्रभाव के साथ अब 2,078 विधायक हैं, उसके 18.62 प्रतिशत विधायक वंशवादी हैं। इसके ठीक विपरीत कांग्रेस का हिस्सा लगभग दोगुना है। लोकसभा में इसकी उपस्थिति घटकर 99 रह गई है, जबकि इसके पास केवल तीन राज्यों में सत्ता है, जहां इसके 857 विधायक हैं। इनमें से 33.25 प्रतिशत लोग वंशवादी हैं – यह प्रवृत्ति संसद में तीन गांधी परिवार के शीर्ष से शुरू होती है।

क्षेत्रीय दलों की बात करें तो यह प्रवृत्ति और भी प्रबल हो जाती है, जो राज्य स्तर पर पार्टियों के प्रवेश की बाधाओं और राजनीति व संरक्षण के मामले में समान अवसर के अभाव का प्रमाण है। एनडीए में, उसके सहयोगी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी के 163 विधायकों में से 51 (31.28%) और जनता दल (यूनाइटेड) के 81 विधायकों में से 28 (34.57%) विधायक वंशवादी हैं। इंडिया गठबंधन में भी यही स्थिति है। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के 158 विधायकों में से 55 (34.81%) वंशवादी हैं; पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 268 विधायकों में से 33 (12.31%); और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की डीएमके के 172 विधायकों में से 30 (17.44%) विधायक वंशवादी हैं। अब तक "गुटनिरपेक्ष" वाईएसआरसीपी के 56 में से 15 वंशवादी (26.78%) हैं। इंडियन एक्सप्रेस की यह जांच आधिकारिक वेबसाइटों पर 20 सितंबर तक अपडेट किए गए आंकड़ों, चुनावी हलफनामों और चुनाव आयोग की रिपोर्टों के विश्लेषण, और विधायकों, चुनाव विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों के साक्षात्कारों पर आधारित है। विधायकों में सांसद, विधायक और विधान पार्षद शामिल हैं; और इन मामलों में परिवारों का तात्पर्य प्रत्यक्ष वंशजों या विवाह से जुड़े रिश्तेदारों से है – बेटे-बेटियां, माता-पिता, भाई-बहन, ससुराल वाले, चचेरे भाई-बहन, चाची-भतीजे।

भाजपा के पास यह तर्क देने के पर्याप्त कारण हैं कि उसके पास कहीं अधिक समान अवसर हैं, उसके नेताओं का कहना है कि नेतृत्व वंशवादी नहीं है।

हालांकि, एक प्रवृत्ति उस पार्टी के लिए खतरे की घंटी बजा सकती है जो हमेशा भाई-भतीजावाद और परिवारवाद के खिलाफ खड़ी रहती है। जब बात उन परिवारों की आती है जिनके एक से ज्यादा सदस्य वर्तमान में राज्य विधानसभाओं या संसद में सेवारत हैं, तो भाजपा, जिसका कुल राजनीतिक आकार में बड़ा हिस्सा है, नंबर वन है। वास्तव में, तमिलनाडु से लेकर कश्मीर, महाराष्ट्र से लेकर ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर तक की शीर्ष पार्टियों को मिलाकर, 149 परिवारों के एक से ज्यादा सदस्य वर्तमान में राज्य विधानसभाओं या संसद के दोनों सदनों में हैं, यानी कुल 337 विधायक कुल मिलाकर, यह पांच राज्यों: अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर और उत्तराखंड की विधानसभाओं की संयुक्त संख्या के लगभग बराबर है।

पिपली गांव में पूर्व सरपंच के घर में ताबड़तोड़ फायरिंग

अचानक हुए हमले में तीन घायल; मची अफरातफरी

सोनीपत, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। खरखौदा क्षेत्र के गांव पिपली में वीरवार को पूर्व सरपंच रामनिवास उर्फ निवासा के घेर में हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले तो वहां मौजूद लोगों पर लाठी-डंडों से हमला किया, इसके बाद फायरिंग शुरू कर दी। हमले में गांव निवासी नवीन गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनके भाई सोनू और गांव का ही भगत सिंह भी चोटिल हो गए। सभी घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गांव पिपली के बाहरी क्षेत्र में स्थित पूर्व सरपंच रामनिवास के घेर में कुछ हमलावर पहुंचे। हथियार व लाठी-डंडों के साथ पहुंचे हमलावरों ने रामनिवास के घेर में पहुंचकर वहां पर मौजूद लोगों के साथ मारपीट की। इस पर अफरा-तफरी मच गई। घेर में से भाग रहे लोगों पर न केवल गोलियां चलाई गई बल्कि लाठी-डंडों से भी उन्हें पीटा गया।

पत्नी की हत्या कर शव को ड्रम में ठूंसा और दफना दिया

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने अवैध संबंधों के शक में अपनी पत्नी की हत्या कर दी और उसके शव को ड्रम में ठूंस कर दफना दिया। घटना दो महीने पहले की है।

पुलिस ने आरोपी सिलंबरासन को गिरफ्तार कर उसे जेल भिजवा दिया है। एसपी विवेकानंद शुक्ला ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में कबूल किया कि उसने 14 अगस्त को अपनी पत्नी प्रिया (26) की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को अपने घर से करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित श्मशान घाट के पास दफना दिया। पुलिस जांच में पता चला कि प्रिया कुछ समय पहले अपने मायके पुदुपालयम, अरनी गई थी और वहां उसने परिवार से अलग होने की इच्छा जताई थी लेकिन परिजनों ने उसे समझाकर वापस भेज दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

क्रोध मनुष्य को पागल बना देता है, तो क्यों न हम विवेक से काम ले?

ड्रग तस्करों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

> 2 करोड़ 70 लाख रुपए का 908 किलोग्राम गांजा बरामद

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम ने बंडलगुड़ा पुलिस के साथ मिलकर गांजा परिवहन करने के आरोप में अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 2 करोड़ 70 लाख रुपए का 908.41 किलोग्राम गांजा पकड़ा। पुलिस उप आयुक्त, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद एस. चैतन्य कुमार ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता में, कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम ने बंडलगुड़ा पुलिस के साथ समन्वय में, ओडिशा के मलकानगिरी से हैदराबाद के रास्ते महाराष्ट्र में गांजा परिवहन करने में शामिल एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया।

गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद कलीम उद्दीन उर्फ मोहम्मद, निवासी हुसैन शाह नगर, गोलकोंडा, हैदराबाद, शेख सोहेल उर्फ सोहेल, निवासी पटेल नगर, अंबरपेट, हैदराबाद, मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ़ अब्बू, पटेल नगर, अंबरपेट, हैदराबाद शामिल है। उन्होंने बताया कि आरोपी बचपन के दोस्त है और अंबरपेट, हैदराबाद के रहने वाले थे। मोहम्मद कलीम उद्दीन उर्फ़ मोहम्मद हैवी गाड़ी चलाने का काम करता है, शेख सोहेल एक एसी टेक्नीशियन है और मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ़ अब्बू रहमान (मेन ट्रांसपोर्टर) का साथी है, जो कलीम उद्दीन का भाई है, और चावल के बिज़नेस में है। गहन पूछताछ पर, उन्होंने खुलासा किया कि जून के महीने में रहमान ओडिशा के गांजा तस्करों के सम्पर्क में आया। तस्करों ने ओडिशा से महाराष्ट्र तक आंध्र, तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों के माध्यम से गांजा परिवहन के लिए प्रति ट्रिप 3 से 5 लाख रुपये की पेशकश की, जिसे महेश निवासी संगनमेर, नासिक, महाराष्ट्र (रिसीवर) तक पहुंचाया जाना था। रहमान ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और अपने सहयोगियों की व्यवस्था की, बदले में, प्रत्येक को प्रति ट्रिप 50 हजार रुपये देने का वादा किया। पैसों की जरूरत होने के कारण, वे परिवहन में भाग लेने के लिए सहमत हो गए। रहमान के निर्देशों के अनुसार, 16/17 अक्टूबर की मध्यरात्रि को, वे हैदराबाद से चले, पलासा गांव, श्रीकाकुलम जिले में गए और डीसीएम वाहन में काजू के छिलकों से भरे एचडीपीई बैग लोड किए। बाद में, वे ओडिशा के मालकनगिरी के पास एक जंगली इलाके में गए, जहाँ उनकी मुलाकात सुरेश और जीतू से हुई, जिनसे उन्होंने गांजा से भरे (28) एचडीपीई बैग एकत्र किए।

प्रतिबंधित सामग्री को एचडीपीई बैग काजू के खोल के लोड के नीचे छुपाया गया था और पुलिस की नजर से बचने के लिए लोड को तिरपाल से ढक दिया गया था और वे हैदराबाद पहुँचे और प्रतिबंधित सामग्री वाली डीसीएम को पटेल नगर, अंबरपेट, हैदराबाद में दो दिनों के लिए एक अलग जगह पर पार्क कर दिया। 22 अक्टूबर को फिर से कलीमुद्दीन ने सोहेल और अफजल की उपस्थिति सुनिश्चित की और चंद्रयानगुट्टा, बंडलगुडा के रास्ते नासिक, महाराष्ट्र की ओर चल पड़े। इस बीच साउथ-ईस्ट टास्क फोर्स के कर्मचारियों ने बंडलगुडा पुलिस के साथ मिलकर बंडलगुडा में प्रतिबंधित सामग्री यानी गांजे के साथ डीसीएम को रोक लिया। गाड़ी की तलाशी लेने पर गांजा बरामद हुआ। इस मामले में आरोपी रहमान निवासी हैदराबाद, जीतू निवासी कालीमेला, ओडिशा, सुरेश निवासी श्रीकाकुलम और महेश निवासी महाराष्ट्र फरार पाए गए।

ओडिशा राज्य के मलकानगिरी के कालीमेला के दूर के जंगली इलाकों से ज़ब्त किया गया गांजा महाराष्ट्र राज्य में अलग-अलग जगहों पर बांटा जाना था, जिससे ड्रग तस्करी नेटवर्क की बड़ी पहुच का पता चलता है। आरोपी अभी कस्टडी में है और सिंडिकेट के और सदस्यों की पहचान करने और सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

तेलंगाना कांग्रेस में डीसीसी अध्यक्ष पद को लेकर असंतोष

जिला नेताओं ने पारदर्शिता और नियमों के चयनात्मक प्रवर्तन पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष पद के इच्छुक कई जिला स्तरीय नेता कथित तौर पर पार्टी नेतृत्व से असंतुष्ट हैं। नेताओं का कहना है कि 'एक परिवार, एक पद' नियम और अन्य पात्रता मानदंडों का सख्ती से पालन किया जा रहा है, जबकि विधानसभा और संसदीय चुनावों या अन्य प्रमुख पदों पर इसे लागू नहीं किया गया।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और वरिष्ठ नेता जिला स्तर के उम्मीदवारों के साथ बैठकें कर रहे हैं। उम्मीदवारों को कम से कम पाँच साल पार्टी से जुड़े रहने, साफ़-सुथरा अनुशासनात्मक रिकॉर्ड रखने और डीसीसी या अन्य संगठनात्मक पदों पर पहले कार्यकाल लेने वालों और उनके परिवार को इस पद के लिए अयोग्य मानने जैसी शर्तों का पालन करना होगा। पार्टी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला और अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने का भी निर्णय लिया है। हालांकि, कई जिला नेता इस प्रवर्तन पर आपत्ति जता रहे हैं और वरिष्ठ नेताओं के उदाहरणों का हवाला दे रहे हैं, जिनके परिवार के सदस्य या दूसरे पदों पर बैठे नेताओं को नियमों के बावजूद छूट मिली। कुछ नेताओं का यह भी मानना है कि नए नियमों का इस्तेमाल हाल ही में शामिल हुए नेताओं को वरीयता देने के लिए किया जा सकता है। जमीनी स्तर के नेताओं का कहना है कि अनुशासनात्मक आरोपों का गलत तरीके से इस्तेमाल उन्हें दरकिनार करने के बहाने के रूप में नहीं होना चाहिए।

होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, नौ गिरफ्तार

उज्बेकिस्तान की महिला समेत तीन को बचाया गया

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, पश्चिम क्षेत्र के अधिकारियों और उनकी टीम ने बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों के साथ मिलकर हैदराबाद के बंजारा हिल्स, रोड नंबर 12 स्थित 'आर-इन होटल' नामक एक होटल पर छापा मारा, जहाँ कमरा नंबर 111 और 112 में अवैध रूप से वेश्यावृत्ति चल रही थी। पुलिस ने इस मामलें में (1) आरोपी, (7) ग्राहकों (सभी कर्नूल जिले के मूल निवासी), (1) होटल रिसेप्शनिस्ट को गिरफ्तार किया गया और महिलाओं को बचाया गया, जिनमें एक महिला कर्मचारी उज्बेकिस्तान की है। अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त, आयुक्त कार्य बल, पश्चिम क्षेत्र एवं दक्षिण पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद शहरएम. इकबाल सिद्दीकी ने बताया कि मोहम्मद शरीफ निवासी, रॉयल कुंज अपार्टमेंट, हैदराबाद वेश्यावृत्ति का संचालन कर रहा था। वह पहले 'स्टाइल मेकर सैलून' के नाम से व्यवसाय चलाता था। उस समय, आरोपी हैदराबाद से बेरोजगार महिलाओं को अच्छे वेतन और कमीशन का लालच देकर वेश्यावृत्ति के लिए काम पर रखता था। विश्वसनीय सूचना पर, पश्चिम क्षेत्र टास्क फोर्स की टीम ने उक्त होटल पर छापा मारा और आरोपी मोहम्मद शरीफ और सात ग्राहकों को गिरफ्तार कर लिया और तीन महिला पीड़ितों को मुक्त कराया। मौके से पुलिस को मोबाइल फोन, नकदी और आपत्तिजनक सामाग्री मिली है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों को ज़ब्त की गई संपत्ति और मुक्त कराए गए पीड़ितों के साथ आवश्यक कार्रवाई के लिए बंजारा हिल्स थाने के एसएचओ को सौंप दिया गया। गिरफ्तारियाँ एम. इकबाल सिद्दीकी, अतिरिक्त उप निरीक्षक की देखरेख में की गईं। चौ. यादेन्द्र, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम क्षेत्र कार्य बल, उप निरीक्षक डी. रवि राज और पश्चिम क्षेत्र टीम के कर्मचारियों ने सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया।

एमएमटीएस सेवाओं की मांग बढ़ी

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) द्वारा बस किराए बढ़ाए जाने के बाद, यात्री अब दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) से मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) ट्रेन सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने का अनुरोध कर रहे हैं। कुछ रूटों पर कई एमएमटीएस ट्रेनें खाली डिब्बों के साथ चल रही हैं, जबकि बसें भरी रहती हैं और किराए बढ़ जाने के कारण मध्यम और निम्न आय वर्ग पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। उपनगरीय ट्रेन एवं बस यात्री संघ के महासचिव नूर ने कहा कि यदि रेलवे समय पर और लगातार सेवाएँ सुनिश्चित करे, तो कई यात्री बसों से उपनगरीय ट्रेनों की ओर रुख करेंगे। वर्तमान में एमएमटीएस का किराया दूरी के आधार पर 5 रुपये से 15 रुपये के बीच है, जो बस के किराए की तुलना में किफायती है। उदाहरण के लिए, सिकंदराबाद से मेडचल तक की ट्रेन यात्रा केवल 10 रुपये है, जबकि बस से लगभग 30 रुपये। यात्री संघ ने चरलापल्ली, मौला अली, मलकाजगिरी और उम्दानगर जैसे उपनगरीय स्टेशनों पर ट्रेन ठहराव बढ़ाने की भी अपील की है, जिससे दैनिक वेतन भोगियों और कम आय वाले यात्रियों को मदद मिल सके। कोविड-19 महामारी से पहले लगभग 1.5 लाख यात्री प्रतिदिन एमएमटीएस का उपयोग करते थे, लेकिन सेवाओं में कमी और अनियमित समय-सारिणी के कारण यह संख्या घटकर लगभग 50,000 रह गई है।

तेलंगाना सरकार पर केटी रामाराव का हमला

राज्य में भ्रष्टाचार और अराजकता का आरोप

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को रेवंत रेड्डी सरकार को तेलंगाना का सबसे भ्रष्ट और कमजोर शासन कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राज्य को माफियाओं का गढ़ बना दिया है, जहाँ मंत्री व्यापारियों को धमका रहे हैं और पुलिस कुछ नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि सरकार ने 100 दिनों में पारदर्शी शासन का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय अराजकता, धमकी और भ्रष्टाचार बढ़ गया है।

तेलंगाना भवन में बोलते हुए रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रशासन और मंत्रियों पर नियंत्रण खो दिया है। उन्होंने मंत्री कोंडा सुरेखा के परिवार से जुड़े विवाद का जिक्र किया और कहा कि सरकार चुप है। रामाराव ने आरोप लगाया कि मंत्री ज़मीन अतिक्रमण, जबरन वसूली और समझौते करने में शामिल हैं, और राज्य वास्तव में गिरोहों के नियंत्रण में है। उन्होंने यह भी कहा कि कई वरिष्ठ अधिकारी राजनीतिक दबाव और उत्पीड़न के कारण नौकरी छोड़ रहे हैं और ईमानदार आईएएस और आईपीएस अधिकारी अवैध गतिविधियों को मंजूरी देने के लिए मजबूर हो रहे हैं। रामाराव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने सुधार नहीं किया, तो राज्य का हाल और भी खराब हो जाएगा और आम लोगों का जीवन कठिन हो जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं की डीजीपी कार्यालय मार्च योजना पर पुलिस कार्रवाई

गौरक्षक पर हमले के विरोध में नेताओं को एहतियातन हिरासत में लिया गया

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया, जब वे गौरक्षक पर हमले की निंदा करने के लिए तेलंगाना के डीजीपी कार्यालय की ओर मार्च कर रहे थे। प्रशांत कुमार उर्फ़ सोनू सिंह उस समय घायल हो गए जब एक मवेशी व्यापारी इब्राहिम ने बुधवार को घाटकेसर के पास पोचारम आईटी कॉरिडोर क्षेत्र में कथित रूप से एक देशी पिस्तौल से उन पर गोली चला दी। घटना के बाद भाजपा और अन्य हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने लकड़ी पुल और पब्लिक गार्डन के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी थी। मलकाजगिरी के सांसद एटाला राजेंद्र और अन्य कई भाजपा नेताओं को भी पुलिस ने एहतियातन हिरासत में लिया।

सैदाबाद किशोर केंद्र में यौन उत्पीड़न के पाँच मामले दर्ज

सुपरवाइजर निलंबित, जांच जारी

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सैदाबाद पुलिस ने सैदाबाद स्थित सरकारी किशोर कल्याण एवं सुधार केंद्र में कैदियों पर यौन उत्पीड़न के संबंध में अब तक पाँच मामले दर्ज किए हैं। यह मामला इस महीने की शुरुआत में सामने आया, जब एक बालिका ने शिकायत की कि केंद्र में एक सुपरवाइजर उसका यौन शोषण कर रहा है।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि केंद्र में कुछ और बच्चों के साथ भी यौन शोषण हुआ है। डीसीपी (दक्षिण पूर्व) एस चैतन्य कुमार ने बताया कि जांच अभी भी जारी है। सभी पीड़ित बच्चे ऐसे हैं जो या तो अपने माता-पिता द्वारा उपेक्षित हैं या शहर के फुटपाथों पर रहते थे। सुधार सेवा विभाग ने उस सुपरवाइजर को निलंबित कर दिया है, जो कथित रूप से रात में बच्चों को जगाकर उनका यौन शोषण करता था।

कोत्तागुडेम में टैंकर की टक्कर, मजदूर बाल-बाल बचे

मिनी माल वाहन में सवार पाँच मजदूर मामूली घायल, दोनों वाहन क्षतिग्रस्त

कोत्तागुडेम, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को रेलवे अंडर ब्रिज पर एक मिनी माल वाहन में जा रहे निर्माण श्रमिक चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बचे, जब विजयवाड़ा की ओर जा रहे एक राख टैंकर ने पीछे से वाहन को टक्कर मार दी। मालवाहक वाहन में पाँच मजदूर और निर्माण उपकरण सवार थे। टक्कर के कारण टैंकर पलट गया, लेकिन मजदूर केवल मामूली चोटें लेकर सुरक्षित रहे। दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टैंकर चालक की लापरवाही से यह दुर्घटना हुई। पिछले साल भी इसी स्थान पर राख से भरे टैंकर ने दो लोगों की जान ले ली थी। स्थानीय लोग अंडर ब्रिज की सड़क डिज़ाइन में खामियों को दुर्घटनाओं का मुख्य कारण मानते हुए जनप्रतिनिधियों से मांग कर रहे हैं कि केंद्रीय रेल मंत्रालय को इस मुद्दे की जानकारी दी जाए और बस स्टैंड केंद्र से सुपर बाजार केंद्र तक फ्लाईओवर का निर्माण कराया जाए।

पूर्व तट रेलवे

(1) नीलामी कैटलॉग नं. CAT-PARK-00088
लॉट नं./वर्ग: PARKING-WAT-CPP-MX-139-25-1 (Parking - Mixed)
विवरण : (वाल्टियर मण्डल) में चिपुरुपल्लि स्थान पर दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग लॉट।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 28.10.2025 को 1100 बजे।
लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 28.10.2025 को 1130 बजे।
(2) नीलामी कैटलॉग नं. CAT-PARK-00089
लॉट नं./वर्ग: PARKING-WAT-DVD-MX-140-25-1 (Parking - Mixed)
विवरण : (वाल्टियर मण्डल) में दुव्वाडा स्थान पर दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग लॉट।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 31.10.2025 को 1100 बजे।
लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 31.10.2025 को 1130 बजे।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2% (दोनों निलामी हेतु), लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (दोनों निलामी हेतु)।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-714/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30256697, दिनांक: 14.10.2025
कार्य का नाम : (1) टैम्पिंग आर्म लिफ्टिंग सिलिन्डर, PCTM मशीन के लिए CRCC पार्ट नं. 40108603, मात्रा : 4 संख्यक।
(2) स्पेसर, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 20261420, मात्रा : 64 संख्यक।
(3) पिन, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23087623, मात्रा : 8 संख्यक।
(4) रबर रिंग, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 20261419, मात्रा : 64 संख्यक।
(5) टैम्पिंग आर्म (दायाँ), PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23081888, मात्रा : 1 संख्यक।
(6) टैम्पिंग आर्म (बायाँ), PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23081887, मात्रा : 1 संख्यक।
(7) बायाँ अंदरूनी टैम्पिंग आर्म, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23081891, मात्रा : 1 संख्यक।
(8) दायाँ अंदरूनी टैम्पिंग आर्म, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23081892, मात्रा : 1 संख्यक।
(9) हेक्सागोन सॉकेट हेड कैप स्क्रू, साइज : M16X35, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 30036120, मात्रा : 32 संख्यक।
(10) हेक्सागोन सॉकेट हेड कैप स्क्रू, साइज : M16X40, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 30012530, मात्रा : 32 संख्यक।
(11) ट्रैक लिफ्टिंग हुक, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23083963, मात्रा : 2 संख्यक।
(12) लुब्रिकेशन स्लीव, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 20261427, मात्रा : 8 संख्यक।
(13) लुब्रिकेशन स्लीव, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 20261430, मात्रा : 8 संख्यक।
(14) लुब्रिकेशन प्लेट, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 20261426, मात्रा : 16 संख्यक।
(15) शाफ्ट, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 20261429, मात्रा : 4 संख्यक।
(16) वर्टिकल पिन, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23067098, मात्रा : 4 संख्यक।
(17) वॉशर, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23067103, मात्रा : 16 संख्यक।
(18) नायलॉन वॉशर / टेफ्लॉन वॉशर, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23067102, मात्रा : 48 संख्यक।
(19) टाइप 1 हेक्स नट, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 30000620, मात्रा : 16 संख्यक।
(20) पिन 35 MM, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23067096, मात्रा : 8 संख्यक।
(21) पिन, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23067097, मात्रा : 8 संख्यक।
(22) पिन बुशिंग, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23067100, मात्रा : 8 संख्यक।
(23) पिन बुशिंग, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23067101, मात्रा : 16 संख्यक।
(24) PG बुश, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 41072226, मात्रा : 16 संख्यक।
(25) PG बुश, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 41005710, मात्रा : 32 संख्यक।
(26) ग्रिपिंग ऑयल सिलिन्डर (स्क्वीजिंग सिलिन्डर), PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23067083, मात्रा : 2 संख्यक।
(27) सिलिन्डर कैप, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23008101, मात्रा : 4 संख्यक।
(28) स्क्वीजिंग सिलिन्डर के लिए सील, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 41028010, मात्रा : 12 संख्यक।
(29) डीजल प्री कोर्स (Coarse) फिल्टर, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 80262200868, मात्रा : 6 संख्यक।
(30) फिल्टर एलिमेन्ट, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40091492/40102854, मात्रा : 6 संख्यक।
(31) एयर फिल्टर, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40102116, मात्रा : 2 संख्यक।
(32) एयर फिल्टर, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40103364, मात्रा : 2 संख्यक।
(33) डीह्यूमिडिफिकेशन (Dehumidification), ब्रीथर (Breather) PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40102520, मात्रा : 2 संख्यक।
(34) एयर फिल्टर, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40102117, मात्रा : 2 संख्यक।
(35) ऑइल फिल्टर, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40102874, मात्रा : 6 संख्यक।
(36) ऑइल सिलिन्डर हेड, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 23071659, मात्रा : 1 संख्यक।
(37) पिस्टन सील, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 82008021247, मात्रा : 8 संख्यक।
(38) सिलिन्डर हेड सील, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 82008021248, मात्रा : 8 संख्यक।
(39) फिल्टर एलिमेन्ट, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40095474, मात्रा : 12 संख्यक।
(40) फिल्टर एलिमेन्ट, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40095613, मात्रा : 12 संख्यक।
(41) फिल्टर कार्ट्रिज, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40093909, मात्रा : 24 संख्यक।
(42) फिल्टर एलिमेन्ट, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 80242980176, मात्रा : 2 संख्यक।
(43) फिल्टर एलिमेन्ट, PCTM मशीनों के लिए CRCC पार्ट नं. 40091493/40102853, मात्रा : 18 संख्यक।
निर्माता : CRCC (सभी क्रम सं. के लिए), वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 9 महीने (सभी क्रम सं. के लिए)। CONSIGNEE द्वारा निरीक्षण।
द्रष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 13.11.2025 को 1500 बजे।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-711/Q/25-26

बिहार की कास्ट पॉलिटिक्स: एनडीए में सबसे ज्यादा कुशवाहा को टिकट

तेजस्वी ने यादव की सीट काटी, भूमिहारों को बढ़ाया, राजद में 13% मुस्लिम, जदयू में 4 प्रतिशत

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। महागठबंधन की तरफ से जहां लगभग 250 से ज्यादा कैंडिडेट मैदान में हैं। दूसरी ओर एनडीए के 243 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमाएंगे। इस बार दोनों ही गठबंधन ने जातियों पर नया प्रयोग किया है।

एनडीए ने जहां अपनी लिस्ट से यादव और मुस्लिम को पिछले साल की तुलना में हाफ से भी कम कर दिया है। वहीं, महागठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी राजद ने अपने कोर वोट बैंक यादव की सीटों की संख्या को घटाकर भूमिहार कैंडिडेट की संख्या में 6 गुणा की बढ़ोतरी की है।

जबकि कांग्रेस ने जातियों के अपने पुराने और टेस्टेड फॉर्मूले को ही अपनाया है। सवर्णों के साथ मुस्लिमों और दलितों के सहारे ही पार्टी बिहार में अपने रिवाइवल की कोशिश की है। इस बार सभी पार्टियों ने सबसे ज्यादा कुशवाहा और ईबीसी के कैंडिडेट की संख्या में बढ़ोतरी की है।

स्पेशल रिपोर्ट में पढ़िए, 2020 की तुलना में कैसे 2025 में गठबंधन की पार्टियों ने जातियों पर नए प्रयोग किए हैं। इस बार चुनाव में कौन सी पार्टी किंग मेकर हो सकती है? किस जाति की तवज्जो घटी और किस जाति की वैल्यू बढ़ी है ।

एनडीए की दो बड़ी पार्टी जेडीयू और भाजपा इस बार 202 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। ये नंबर 2020 की तुलना में लगभग 23 कम है। कैंडिडेट सिलेक्शन में दोनों पार्टियों की लिस्ट से सबसे ज्यादा कटौती यादव और मुस्लिम कैंडिडेट की हुई है। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू 18 यादव कैंडिडेट को टिकट दी थी। इस बार ये संख्या घटकर मात्र 8 रह गया है। जबकि पिछले चुनाव में भाजपा 16 यादव कैंडिडेट को मैदान में उतारी थी, जो इस बार मात्र 6 रह गए हैं।

जेडीयू और भाजपा ने पिछले चुनाव में 34 यादव कैंडिडेट को टिकट दिया था, जो अब घटकर मात्र 14 रह गए हैं। इसका मतलब पिछले बार से 43% कम यादव कैंडिडेट्स को भाजपा और जेडीयू ने मौका दिया है। इसी तरह जेडीयू ने मुस्लिम कैंडिडेट को भी 50% कम कर दिया है। पिछले बार की 18 कैंडिडेट को मौका दिया था। वहीं, इस बार मात्र 8 कैंडिडेट को टिकट दिया है। एनडीए की 5 पार्टियां भाजपा, जेडीयू, एचएएम, एलजेपी(आर) 243 सीटों पर चुनाव लड़ रहीं हैं।

भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे खनन अधिकारी को मलाईदार पोस्टिंग

यूपी के 4 जिलों में मामले, अकूत संपत्ति लोकायुक्त–विजिलेंस जांच चल रही

लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के सीनियर माइनिंग अधिकारी शैलेंद्र सिंह पटेल के खिलाफ अवैध खनन और अवैध परिवहन कराने की कई गंभीर शिकायतें हैं। लोकायुक्त से लेकर विजिलेंस तक में आय से अधिक संपत्ति के मामलों में जांच भी चल रही है। लेकिन, उनके खिलाफ सख्त एक्शन लेने के बजाय उन्हें तबादले का तोहफा दिया गया है।

सोनभद्र में कई शिकायतें सामने आने के बाद शासन ने 21 अक्टूबर को शैलेंद्र सिंह का तबादला झांसी के वरिष्ठ जिला खनन अधिकारी पद पर किया है। झांसी को खनन महकमे में कमाई की दृष्टि से टॉप 5 जिलों में माना जाता है। इससे विभाग की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जिला खनन अधिकारी शैलेंद्र सिंह 2018 में बांदा में तैनात थे। उन्होंने तिंदवारी के विधायक पर मंथली मांगने, मंथली नहीं देने पर अपने घर पर बुलाकर मारपीट करने का आरोप लगाया था। वहीं, विधायक ने भी शैलेंद्र सिंह पर अवैध खनन कराने का आरोप लगाया था। इसके बाद शैलेंद्र सिंह को बांदा से हटाकर भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय लखनऊ में संबद्ध किया गया।

शैलेंद्र कुमार सिंह की महोबा में तैनाती के दौरान 8 फरवरी, 2023 को थाना कबरई के गंज गांव स्थित चंदला पहाड़ पर अवैध खनन में श्रमिक मधु अनुरागी व महेंद्र अहिरवार की मौत हो गई थी।

मामले में डीएम मनोज कुमार ने एडीएम रामप्रकाश को जांच सौंपी थी। जांच में पहाड़ पर मानक के अनुरूप खनन होता नहीं मिला था। जिस पर पट्टाधारक देवेंद्र गुप्ता के खिलाफ नोटिस जारी किया गया था। वहीं, चौकीदार की तहरीर पर थाना कबरई में पट्टाधारक के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था।

भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय की तत्कालीन निदेशक डॉ. रोशन जैकब ने महोबा के खनिज अधिकारी शैलेंद्र सिंह का ट्रांसफर मिर्जापुर कर दिया था। मिर्जापुर भी खनन की दृष्टि से यूपी के प्रमुख पांच जिलों में शामिल है।

शैलेंद्र कुमार सिंह पटेल पर मिर्जापुर के जिला खनन अधिकारी रहते हुए खनन माफिया से सांठ-गांठ कर 16 लाख घन मीटर इमारती पत्थर का अवैध खनन कराया था। मिर्जापुर की चुनार तहसील में इमारती पत्थर, सैंड स्टोन, गिट्टी और बोल्डर का खनन और परिवहन करने के लिए तीन महीने के पट्टे दिए गए थे। 10 लोगों ने पट्टा लिया। विभाग को मिली शिकायत में सामने आया कि वरिष्ठ खनन अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह और पट्टा धारकों ने मिलीभगत कर पहले ही अवैध खनन कर इमारती पत्थर जमा कर रखा था।

अल्पकालीन खनन पट्टों की आड़ में अवैध खनन से जमा इमारती पत्थर का अवैध खनन भी किया गया। जबकि जहां खनन होना बताया गया, वहां खनन बिल्कुल नहीं हुआ, सिर्फ वहां के नाम की ईएमएम-11 रवाना पर्ची जारी की गई।

ज्योति सिंह ने चुनाव के लिए पैसों की मदद मांगी

रोहतास, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुरी स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहीं है। उन्होंने चुनावी खर्च के लिए जनता से मदद अपील की है। ज्योति सिंह ने सोशल मीडिया पर अपना अकाउंट नंबर शेयर किया है। उन्होंने लिखा है कि, इस समाज में राम और कृष्णा को भी इस समाज में बहुत कुछ सहना पड़ा। मैं तो एक साधारण महिला हूं। कुछ लोगों मुझे दोषी बता रहे हैं। पवन सिंह की पत्नी और काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी ज्योति सिंह से भास्कर की टीम ने बात की है। हमारी टीम ने जब उनसे पवन सिंह से जुड़ा सवाल पूछा तो उन्होंने कहा, 'वो मेरी निजी लाइफ है, अभी मैं उसपर कुछ कहना नहीं चाहूंगी। आप मेरे से चुनाव से जुड़े सवाल और यहां की जनता के लिए विकास कैसे करें, उससे जुड़े सवाल कर सकते हैं। फिलहाल, मैं अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कुछ बताना नहीं चाहूंगी।'

अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान ज्योति सिंह ने कहा, 'काराकाट की जनता से मिले अपार प्यार और समर्थन की वजह से मैं निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो गई हूं। जनता के प्यार ने ही मुझे चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया है।'

ज्योति सिंह ने बताया, 'मैं यहां की जनता से पहले से जुड़ी हूं।

मुन्ना शुक्ला की बेटी को जान से मारने की धमकी

राजद से चुनाव लड़ रही हैं शिवानी शुक्ला, पप्पू यादव ने गिरिराज को बताया साइको

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाहुबली मुन्ना शुक्ला की बेटी और लालगंज से राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला को जान से मारने की धमकी मिली है। बीती बुधवार की रात हाजीपुर पुलिस कंट्रोल रूम को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बताया कि, शिवानी शुक्ला और उसके मां के पास काफी पैसा है। वो लोग रंगदारी नहीं देती हैं। फोन करने वाले शख्स ने कहा कि, अगर शिवानी शुक्ला लालगंज के घटारो गांव में आएगी तो उसे गोली मार देंगे।

वहीं पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने गिरिराज सिंह को साइको बताया है। उन्होंने कहा है कि, केंद्रीय मंत्री अपनी विकास के बारे में बात करें उनकी भाजपा में क्या हैसियत है सबको पता है। पप्पू यादव ने कहा कि बीजेपी में गिरिराज सिंह शिखंडी के लायक है। इधर, आरजेडी से टिकट नहीं मिलने के बाद सीतामढ़ी के परिहार विधानसभा सीट से रितु जायसवाल निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने आज सोशल मीडिया पर तेजस्वी के नाम चिट्ठी लिखी है। इसमें परिहार से राजद उम्मीदवार की उम्र पर सवाल उठाया है। उन्होंने खुद को महागठबंधन समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार घोषित करने की मांग की है। मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र में बुधवार देर रात वोट मांगने पहुंची राजद प्रत्याशी और वर्तमान विधायक रेखा देवी का ग्रामीणों ने विरोध किया। ग्रामीणों ने उनसे पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब मांगा। जैसे ही विधायक रेखा देवी ग्रामीणों के बीच पहुंचीं, लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने विधायक से सवाल करना शुरू कर दिया कि उन्होंने गांव में कोई काम क्यों नहीं किया।

डॉक्टर की जगह वार्डब्वॉय करते रहे इलाज, मरीज की मौत

प्रयागराज में अस्पताल संचालक पर आरोप, मौत की बात छिपाए रखी

प्रयागराज, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में दीपावली के दौरान इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप में निजी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. ज्योति भूषण के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि डॉक्टर ने मरीज को उचित इलाज नहीं दिया, नौ दिन में चार लाख रुपये वसूले, और मरीज की मौत की बात छिपाई। मामला जार्जटाउन थाने में दर्ज हुआ है।

ग्राम चंद्रापुर, थाना फाफामऊ निवासी शंकर शरण त्रिपाठी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पत्नी 45 साल की नीलम त्रिपाठी पाइल्स की बीमारी से पीड़ित थीं। 10 अक्टूबर को उन्होंने उन्हें जार्जटाउन के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि, डॉ. ज्योति भूषण ने भर्ती तो कर लिया लेकिन न खुद इलाज किया और न ही कोई योग्य डॉक्टर मौजूद कराया।इस दौरान उनसे लगभग 2.5 लाख की दवाएं खरीदवाई गईं।

पति का यह भी आरोप है कि दीपावली की वजह से हॉस्पिटल में डॉक्टर और योग्य स्टाफ मौजूद नहीं थे। सिर्फ वार्ड बॉय और स्वीपर ही मरीजों को संभाल रहे थे। डॉ. ज्योति भूषण अस्पताल में मौजूद नहीं थे और न ही उन्होंने मरीज को किसी बड़े अस्पताल में रेफर किया।

तहरीर में कहा गया है कि पहले डॉक्टर ने पाइल्स का ऑपरेशन बताया, लेकिन बाद में कहा कि ट्यूमर का ऑपरेशन किया गया है। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत लगातार बिगड़ती रही, मगर डॉक्टर देखने तक नहीं आए। आरोप है कि 19 अक्टूबर की रात ही पत्नी की मौत हो गई थी, लेकिन हॉस्पिटल स्टाफ परिजनों से यह बात छिपाता रहा और बताया गया कि मरीज वेंटिलेटर पर है। पति का आरोप है कि डॉ. ज्योति भूषण ने धमकाकर चार लाख रुपये वसूले, लेकिन मेरी पत्नी की जान नहीं बचा सके। अगर समय रहते सही इलाज या रेफर किया होता तो शायद वो बच जातीं।

जार्जटाउन पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर डॉ. ज्योति भूषण और वार्ड ब्वाय के खिलाफ लापरवाही से मौत का मुकदमा दर्ज किया गया है।

नड्डा बोले- राजद मतलब रंगदारी, जंगलराज, दादागिरी

एनडीए के साथ विकास, महागठबंधन संग विनाश

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनडीए के बड़े नेताओं ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। आज गुरुवार को औरंगाबाद के गोह में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की जनसभा हुई।

इस दौरान नड्डा ने कहा, 'आरजेडी का मतलब है- रंगदारी, जंगलराज, दादागिरी। जो लोग नौकरी के लिए जमीन ले लेते हैं, वो क्या आपको नौकरी देंगे? जो लोग मां-बहनों की इज्जत नहीं कर सकते, वो क्या आपको सुरक्षा देंगे'

'मेरा जन्म भी बिहार के पटना में हुआ है। मैंने बचपन के 20 साल बिहार में गुजारे हैं। इसलिए मुझे वो अंधकार का युग भी मालूम है और आज ये उजाले का युग भी देख रहा हूं।' इधर, पीएम मोदी एक बार फिर पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। आज शाम 6 बजे वो कार्यकर्ताओं से बात करेंगे। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर खुद इसकी जानकारी दी है।

महागठबंधन का तेजस्वी यादव को सीएम और मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम फेस बनाया गया है। अशोक गहलोत ने पटना में इसका ऐलान किया। इस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, 'अब सुन रहे हैं कि लालू यादव ने कांग्रेस नेताओं के सामने बहुत खुशामद की है और कहा कि देखो मेरा अंतिम समय है। कम से कम मेरे बेटे का नाम तो घोषित कर दो।' गिरिराज सिंह ने महागठबंधन को टिकट बेचवा गठबंधन भी बताया। भागलपुर के गोपालपुर से चार बार के विधायक रहे निर्दलीय प्रत्याशी गोपाल मंडल चुनाव प्रचार के दौरान इमोशनल हो गए। उन्होंने जनसंपर्क के दौरान आम जनता को संबोधित करते हुए कहा, 'लक्ष्मीनिया गांव से हमारा पुराना संबंध है। यहां के लोगों से लगाव है। आना-जाना लगा रहता है।'

ट्रेन से कटकर मां-बेटी समेत 4 की मौत

ट्रैक पार करते समय अप-डाउन दोनों लाइन पर आई ट्रेन बचने का मौका नहीं मिला

बेगूसराय, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में बुधवार की देर शाम रेलवे ट्रैक क्रॉस कर रहे 4 लोग एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में चारों की मौत मौके पर ही हो गई। इसमें एक महिला, दो नाबालिग लड़की और एक युवक शामिल हैं। घटना बरौनी-कटिहार रेलखंड के साहेबपुर कमाल और उमेश नगर रेलवे स्टेशन के बीच रहुआ गांव की है। बताया जा रहा है कि सभी काली मेला देखकर घर लौट रहे थे। चारों सिरैया गांव के रास्ते से पैदल पर लौट रहे थे। इसी दौरान जब वे बहुआ गांव के पास रेलवे ट्रैक पार करने लगे। तभी अप और डाउन दोनों लाइनों से एक साथ ट्रेनें आ गई।

बैकफुट पर कांग्रेस, तेजस्वी सीएम फेस

गहलोत ने जॉइंट पीसी में किया ऐलान, सहनी डिप्टी सीएम,दूसरा उपमुख्यमंत्री कौन ये तय नहीं

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। महागठबंधन में तेजस्वी यादव सीएम फेस होंगे। साथ ही दो डिप्टी सीएम, जिनमें से एक मुकेश सहनी होंगे। जबकि दूसरा डिप्टी सीएम दूसरे समाज से होगा। महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में अशोक गहलोत ने इसकी घोषणा की है।

गुरुवार को पटना के मौर्या होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में गहलोत ने कहा, 'बीजेपी धनबल का इस्तेमाल कर चुनाव जीत रही है। हमने सीएम फेस की घोषणा कर दी है, अब एनडीए बताए कि उनका मुख्यमंत्री कौन होगा।'

सीएम फेस के सवाल को हमेश टालती रही कांग्रेस अचानक से बैकफुट पर नजर आ रही है। एक सितंबर को वोटर अधिकार यात्रा के समापन में पहुंचे कांग्रेस के बड़े लीडर और एमपी के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा था, मुख्यमंत्री उस पार्टी का बनेगा जिसे बहुमत मिलेगा। यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है, कुछ जगहों पर यह है और कुछ जगहों पर नहीं है, इसलिए अगर हम तय कर देंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा तो आप क्या करेंगे? इससे पहले राहुल गांधी, सचिन पायलट, कृष्णा अल्लावरू जैसे कई नेता इस सवाल को टालते नजर आए थे।

सीएम-डिप्टी सीएम फेस साफ किया: महागठबंधन में सीएम-डिप्टी सीएम फेस को लेकर लगातार बयानबाजी चल रही थी। कांग्रेस चुनाव बाद इस पर फैसला लेने की बात कह रही थी, लेकिन आज कांग्रेस के सीनियर लीडर अशोक गहलोत ने तेजस्वी को सीएम और मुकेश सहनी को महागठबंधन का डिप्टी सीएम फेस घोषित किया।

पार्टियों ने एकजुटता दिखाई: सीट शेयरिंग को लेकर महागठबंधन में तनातनी की खबरें थीं। आज महागठबंधन की सभी पार्टियां एक मंच पर आईं और मजबूती से चुनाव लड़ने की बात कही। सभी ने एकजुट होकर एनडीए से लड़ने की बात कही।

जंगलराज की छवि से निकलने की कोशिश: तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि, मैं करप्शन और लॉ-एंड-ऑर्डर से कभी समझौता नहीं करूंगा। अगर मेरी परछाई भी गलती करती है तो उसके खिलाफ भी एक्शन लिया जाएगा।

गाय का कटा सिर लेकर पैदल चले हिंदूवादी

बदायूं, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बदायूं में एक खेत में गोवंश का कटा हुआ सिर मिला। इसकी जानकारी लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया। हिंदूवादी संगठन के 100 से ज्यादा लोग सड़क पर उतर आए। कटे हुए सिर को अपने सिर पर रखकर पैदल मार्च निकाला, फिर बरेली हाईवे जाम कर दिया और हंगामा करने लगे। इसकी सूचना पर पुलिस पहुंची। कटा सिर कब्जे में लेने की कोशिश की तो तीखी बहस हो गई। डेढ़ से दो घंटे बाद काफी समझाने के बाद हिंदूवादी कार्यकर्ता शांत हुए। इसके 10 घंटे बाद पुलिस ने 3 आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। इनमें दो आरोपियों के पैर में गोली लगी है। आरोपी की पहचान असलम, मुजाहिद और शाहरुख के रूप में हुई है। घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की है।

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के कुंवरगांव स्थित BRB स्कूल के पीछे खेत में बुधवार दोपहर 3:30 बजे गाय का कटा हुआ सिर बरामद हुआ। सूचना पर 3:45 बजे हिंदूवादी संगठनों हिंदू जागरण मंच, शिव तांडव सनातन कल्याण संस्थान, राष्ट्रीय बजरंग दल और पीएफए के 100 से ज्यादा कार्यकर्ता पहुंचे। आसपास देखा तो खेत में 6-7 गोवंश के अवशेष मिले। कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस आधे घंटे बाद पहुंची। इससे कार्यकर्ता भड़क गए। उनकी पुलिस से बहस हो गई। उन्होंने गाय का कटा सिर पुलिस को सौंपने से इनकार कर दिया। लेट लतीफी और लापरवाही के खिलाफ में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। गोवंश लहूलुहान सिर गोसेवक प्रशांत शर्मा ने अपने सिर पर लादा और क्षेत्र में घूम-घूमकर प्रदर्शन किया।

ट्रेन के इंजन पर अखिलेश: लिखा- 2027 में आएगी प्रबल सरकार

भाजपा के डबल इंजन के तोड़ में प्रबल इंजन का नारा, लखनऊ में सपा के होर्डिंग

लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के डबल इंजन की सरकार के नारे की तोड़ निकालते हुए सपा ने प्रबल इंजन की सरकार का नारा दिया है। अखिलेश यादव के जन्मदिन पर लखनऊ में पार्टी कार्यालय के बाहर एक होर्डिंग लगाई गई है, जिसमें अखिलेश यादव को ट्रेन के इंजन पर दिखाया गया है। होर्डिंग पर लिखा है- एक इंजन, मजबूत इंजन।

डिब्बों पर सपा सरकार के दौरान शुरू की गई योजनाओं के नाम लिखे हैं। यह होर्डिंग सपा के संत कबीरनगर की मेंहदावल सीट से प्रत्याशी रहे जयराम पांडेय ने लगवाई है। खास बात यह है कि इसमें अखिलेश यादव को संस्कृत में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का आज जन्मदिन है। हालांकि, उनके दस्तावेजों में जन्मतिथि 1 जुलाई 1973 दर्ज है।

होर्डिंग पर लिखा है- फिर से चलेगी समृद्धि की बयार, जब 2027 में आएगी प्रबल इंजन की सरकार। अखिलेश यादव की तस्वीर के साथ धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज की शुभकामनाएं भी दी गई हैं। संस्कृत में लिखा गया श्लोक है- अद्रोहः सर्वभूतेषु कर्मणा मनसा गिरा। अनुग्रहश्च दानं च, शीलमेतद् विदुर्बुधाः। अर्थात जो व्यक्ति अपने कर्म, मन और वाणी से सभी जीवों के प्रति द्वेष रहित है, दानशील और विनम्र है, वही ज्ञानी कहलाता है। होर्डिंग में सपा का नया पीडीए फॉर्मूला भी दिखाया गया है- P – प्रगतिशील, D – दूरदर्शी, A – अमनपसंद। ट्रेन के डिब्बों पर जिन योजनाओं का जिक्र है, उनमें समाजवादी पेंशन योजना, कन्या विद्याधन, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, लैपटॉप योजना, लखनऊ मेट्रो, डायल-100 और मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी योजनाएं शामिल हैं। जयराम पांडेय पिछले 9 सालों से अखिलेश यादव के जन्मदिन पर ऐसी ही रचनात्मक होर्डिंग्स लगाते आ रहे हैं। पिछले साल उन्होंने "सत्ताईस के सत्ताधीश" के पोस्टर लगवाए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि "प्रबल इंजन की सरकार" का नारा सपा की नई आक्रामक रणनीति का हिस्सा है, जो भाजपा के प्रचार-स्लोगन का जवाब उसी अंदाज में देने की कोशिश है। इससे पहले पिछले साल भी जयराम ने अखिलेश के जन्मदिन पर होर्डिंग लगवाए थे, उसमें लिखा था- 'सत्ताईस का सत्ताधीश'। इनमें सपा मुखिया को एक नए अवतार में दिखाया गया था।

दिल्ली में बिहार के 3 बदमाशों का एनकाउंटर

डीजीपी बोले–बिहार चुनाव में दहशत फैलाना चाहता था सिग्मा गैंग, सरगना रमेश पाठक भी मारा गया

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में 4 बदमाशों का एनकाउंटर हुआ है। इसमें 3 बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। यह ऑपरेशन दिल्ली क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस की जॉइंट टीम ने मिलकर किया।

बुधवार की देर रात करीब 2.20 बजे ये एनकाउंटर हुआ है। यह मुठभेड़ बहादुर शाह मार्ग पर डॉक्टर अंबेडकर चौक से लेकर पंसाली चौक तक चला। खबर के मुताबिक बदमाशों और पुलिस के बीच जमकर गोलीबारी हुई। एनकाउंटर में रंजन पाठक (25), बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश साहनी (25), मनीष पाठक (33) और अमन ठाकुर (21) को गोलियां लगीं।

सभी को रोहिणी स्थित डॉ. बीएसए अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

रंजन पाठक (25), बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश साहनी (25), मनीष पाठक बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले हैं जबकि अमन ठाकुर (21) दिल्ली का रहने वाला था।

बताया जाता है कि ये चारों बदमाशों की पुलिस को लंबे वक्त से तलाश थी। यह गैंग 'सिग्मा एंड कंपनी' के नाम से वारदात को अंजाम देती थी। इस गैंग का सरगना रंजन पाठक था। इनका नेटवर्क बिहार से लेकर नेपाल तक फैला था।

रंजन पाठक सीतामढ़ी में कई वारदात को अंजाम दे चुका है। रंजन पाठक ने सीतामढ़ी के कारोबारी की हत्या के बाद खुद का बायोडाटा मीडिया के लोगों को भेजा था। एनकाउंटर में मारा गया रंजन पाठक सीतामढ़ी और आसपास के क्षेत्रों में हत्या और लूट की कई वारदातों में शामिल रहा है। रंजन पाठक अपनी क्रिमिनल गतिविधियों की जानकारी और अपराधों बायोडाटा मीडिया को भेजता था। बता दें कि पुलिस के इनपुट मिला था कि गैंग दिल्ली में मौजूद है। इसके बाद दिल्ली और बिहार पुलिस ने इनपुट के बाद चेकिंग शुरू की।

पुलिस को देखते बदमाश भागने लगे। पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया। इस दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच जबरदस्त गोलीबारी हुई, जिसमें चारों बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गए।

बैंक ग्राहकों को 1 नवंबर से अपने खाते में चार नॉमिनी जोड़ने का मिलेगा विकल्प

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगले महीने से बैंक ग्राहक अपने खाते में अधिकतम चार नॉमिनी का विकल्प चुन सकेंगे। इस सुविधा का मकसद बैंकिंग प्रणाली में दावों के निपटान में एकरूपता और दक्षता सुनिश्चित करना है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान में इस फैसले की जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत नामांकन से संबंधित प्रमुख प्रावधान 1 नवंबर 2025 से प्रभावी होंगे। बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम 2025 को 15 अप्रैल 2025 को अधिसूचित किया गया था। इसमें पांच कानूनों- भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और 1980 - में किए गए कुल 19 संशोधन शामिल हैं।

ग्राहकों को कैसे मिलेगा नई सुविधा का लाभ?

नए संशोधनों के अनुसार ग्राहक एक साथ या क्रमिक रूप से अधिकतम चार लोगों को नामांकित

कर सकते हैं। इससे जमाकर्ताओं और उनके नामांकित व्यक्तियों के लिए दावा निपटान सरल हो जाएगा। नए बदलावों के बाद जमाकर्ता अपनी पसंद के अनुसार एक साथ या क्रमिक नामांकन का विकल्प चुन सकते हैं। सुरक्षित अभिरक्षा में रखी वस्तुओं और सुरक्षा लॉकरों के लिए नामांकन के संबंध में, इसमें कहा गया है कि केवल क्रमिक नामांकन की ही अनुमति है।

संशोधित नियमों में कहा गया है, जमाकर्ता अधिकतम चार व्यक्तियों को नामित कर सकते हैं और प्रत्येक नामित व्यक्ति के लिए हिस्सेदारी या पात्रता का प्रतिशत निर्दिष्ट कर सकते हैं। इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि कुल 100 प्रतिशत की राशि सभी नामित व्यक्तियों के बीच पारदर्शी तरीके से वितरित हो सके।

वित्त मंत्रालय ने बताया है कि जमा राशि, सुरक्षित अभिरक्षा में रखी वस्तुएं या लॉकर रखने वाले व्यक्ति अधिकतम चार नामांकित व्यक्तियों का नाम जोड़ सकते हैं। यहां नामांकित व्यक्ति केवल पहले नामित व्यक्ति की मृत्यु के बाद ही हकदार होगा। इससे निपटान में निरंतरता और उत्तराधिकार की स्पष्टता सुनिश्चित होती है। बयान में कहा गया है, इन प्रावधानों के कार्यान्वयन से जमाकर्ताओं को अपनी पसंद के अनुसार नामांकन करने की सुविधा मिलेगी, साथ ही बैंकिंग प्रणाली में दावा निपटान में एकरूपता, पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होगी।

बैंकिंग कंपनी (नामांकन) नियम 2025, जिसके तहत एक से अधिक नामांकन करने, रद्द करने या निर्दिष्ट करने की प्रक्रिया और निर्धारित प्रपत्रों का विवरण दिया गया है, को सभी बैंकों में लागू किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा, केंद्र सरकार ने पहले 1 अगस्त 2025 की तारीख तय की थी। उस दिन उक्त संशोधन अधिनियम के कुछ प्रावधान धारा 3, 4, 5, 15, 16, 17, 18, 19 और 20, राजपत्र अधिसूचना एसओ 3494 (ई) दिनांक 29 जुलाई 2025 के तहत ये नियम लागू हुए थे।

बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 का उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन मानकों को मजबूत करना, बैंकों की ओर से भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्टिंग में एकरूपता सुनिश्चित करना, जमाकर्ता और निवेशक संरक्षण को बढ़ाना, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लेखा परीक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना और बेहतर नामांकन सुविधाओं के माध्यम से ग्राहक सुविधा को बढ़ावा देना है। इसमें कहा गया है कि अधिनियम में सहकारी बैंकों में अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशकों के अलावा निदेशकों के कार्यकाल को युक्तिसंगत बनाने का भी प्रावधान है। इससे पहले 29 जुलाई को, सरकार ने बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 में संशोधनों को अधिसूचित किया था।

एक वोट हटवाने की कीमत 80 रुपए

एसआईटी जांच में खुलासा; छह संदिग्धों पर कसा शिकंजा

बंगलूरू , 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के कालाबुरगी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र में हुए 'वोट चोरी' कांड की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने पाया है कि साल 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची से वोट डिलीट करने की साजिश रची गई थी। जांच में सामने आया कि प्रत्येक हटाए गए वोट के लिए संदिग्धों को 80 का भुगतान किया गया था। अब एसआईटी ने इस घोटाले में छह लोगों को मुख्य संदिग्ध मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, आलंद क्षेत्र में करीब 6,994 वोट डिलीट करने के लिए आवेदन दिए गए थे। इनमें से ज्यादातर फर्जी थे। यह क्षेत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह जिला है और यहां से कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल चुने गए हैं। पाटिल और मंत्री प्रियांक खरगे ने इस साजिश का खुलासा किया था और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इसकी जानकारी दी थी। पाटिल के मुताबिक, डिलीट करने के लिए

जो वोट चुने गए थे, वे अधिकतर दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से जुड़े कांग्रेस समर्थक थे।

कांग्रेस की चेतावनी और एसआईटी की कार्रवाई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई हफ्ते पहले नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस 'वोट चोरी' कांड को गंभीर चुनावी अपराध बताते हुए चेतावनी दी थी। राहुल गांधी ने आलंद के उदाहरण का हवाला देते हुए कहा कि मतदाता सूची से जानबूझकर वोट हटाने की कोशिशें लोकतंत्र के साथ धोखा हैं। इसी के बाद कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, जिसकी जिम्मेदारी सीआईडी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस बीके सिंह को सौंपी गई। एसआईटी ने अब तक करीब 30 लोगों से पूछताछ की है, जिनमें से पांच से छह लोगों को मुख्य आरोपी के रूप में चिन्हित किया गया है।

छापेमारी और सबूतों की बरामदगी

एसआईटी ने संदिग्धों से जुड़े डेटा सेंटरों पर छापेमारी की, जहां वोट डिलीट करने के लिए 'वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल' तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। जांच एजेंसी ने भाजपा नेता सुबाष गुट्टेदार, उनके बेटों हर्षानंद और संतोष गुट्टेदार तथा उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट के ठिकानों पर भी छापे मारे।

इस दौरान एसआईटी को गुट्टेदार के घर के पास जली हुई मतदाता रिकॉर्ड की फाइलें मिलीं। इस पर गुट्टेदार ने सफाई दी कि दिवाली की सफाई के दौरान घर के कर्मचारियों ने कचरा सामग्री जला दी थी और इसमें कोई गलत नीयत नहीं थी।

जांच जारी, राजनीतिक हलचल तेज

आलंद विधायक बीआर पाटिल ने कहा कि वे एसआईटी की जांच के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर वे वोट डिलीट हो जाते, तो उनका चुनाव हारना तय था। साल 2023 के चुनाव में पाटिल ने भाजपा प्रत्याशी सुबाष गुट्टेदार को लगभग 10 हजार वोटों से हराया था। इस बीच, मंत्री प्रियांक खरगे से इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। एसआईटी का कहना है कि अभी जांच आलंद तक सीमित है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अन्य क्षेत्रों में भी जांच बढ़ाई जा सकती है। यह मामला कर्नाटक में चुनावी ईमानदारी पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

बीएसएफ के इतिहास में पहली बार, महिला कांस्टेबल को 5 महीने में मिल गया प्रमोशन

शिवानी ने बीएसएफ में रचा इतिहास

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के छह दशक के इतिहास में एक अभूतपूर्व उपलब्धि के तहत, एक युवा कांस्टेबल ने बल में शामिल होने के मात्र 5 महीनों के भीतर ही पदोन्नति हासिल कर ली। ऐसा मील का पत्थर जो भारत के किसी भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में पहले कभी नहीं देखा गया। उत्तर प्रदेश के दादरी शहर की रहने वाली, एक बढ़ई की बेटी शिवानी ने बीएसएफ में इतनी तेजी से पहचान हासिल करने वाली पहली महिला कांस्टेबल के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। बीएसएफ की स्थापना 1965 में हुई थी और इसमें लगभग 2.65 लाख जवान कार्यरत थे। इस बल का काम मुख्य रूप से पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में बांग्लादेश से लगती भारतीय सीमाओं की रक्षा करना था, साथ ही देश की आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी कई तरह की जिम्मेदारिया निभानी थीं।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक शिवानी, अपने परिवार की पहली सदस्य जो भारत के किसी भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में सेवा देने वाली हैं, 22 वर्षों में असाधारण प्रदर्शन के लिए समय से पहले पदोन्नति पाने वाली केवल दूसरी बीएसएफ कांस्टेबल बन गई हैं। 31 अगस्त से 8 सितंबर, 2025 तक ब्राजील में आयोजित 17वीं विश्व वुशु चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि के बाद उन्हें हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत किया गया है।

बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने दिया सम्मान

बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने गुरुवार को युवा बीएसएफ जवानों को बिना बारी के पदोन्नति प्रदान की। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब महानिदेशक चौधरी ने उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए युवा बीएसएफ खिलाड़ियों को समय से पहले पदोन्नति देकर सम्मानित किया है, जो प्रतिभा को निखारने और उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए बल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 18 जुलाई, 2025 को, चौधरी ने बीएसएफ कांस्टेबल अनुज (सेंट्रल वुशु टीम) को हेड कांस्टेबल के पद पर बिना बारी के पदोन्नति देकर सम्मानित किया, जो 21 साल बाद दिया गया सम्मान है। अनुज को यह पदोन्नति एक खिलाड़ी के रूप में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दी गई है। मैं 5 महीने से सेवा में हूं, मैंने 1 जून, 2025 को ज्वाइन किया था।

उन्होंने आगे कहा कि मैं सुबह दो घंटे और शाम को दो घंटे प्रशिक्षण लेती हूं, यानी कुल मिलाकर प्रतिदिन लगभग चार घंटे अभ्यास करती हूं। मेरा अगला लक्ष्य विश्व कप है और मैं इसकी तैयारी के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। मैं वहां स्वर्ण पदक जीतने का प्रयास करूंगी। मैं अपने साथियों से कहना चाहती हूं कि वे कड़ी मेहनत करें, क्योंकि जिस तरह मुझे यह अवसर मिला है, उसी तरह मेहनत करने वाले सभी को भी अपना मौका मिलेगा।

बता दें कि आउट ऑफ टर्न प्रमोशन एक ₹दुर्लभ सम्मान₹ और अन्य कर्मियों को प्रेरित करने के लिए एक शक्तिशाली प्रोत्साहन माना जाता है। ऐसी पदोन्नति ₹असाधारण रूप से अच्छे कार्य₹ के लिए दी जाती है, और बल के इतिहास में प्रत्येक व्यक्तिगत पदोन्नति का रिकॉर्ड सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

गई, जिन्होंने चीन के जियांगयिन में आयोजित 10वें सांडा विश्व कप में रजत पदक जीता था।

एएनआई से बात करते हुए, डीजी बीएसएफ ने कहा कि गृह मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर पदोन्नति वास्तव में प्रोत्साहन का एक बड़ा स्रोत है।

पंजाब की 155वीं बटालियन की शिवानी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि उन्होंने सितंबर में आयोजित 2025 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उत्तर प्रदेश के नोएडा की रहने वाली शिवानी ने कहा कि इस उपलब्धि के कारण, मुझे आज हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नति दी गई है। मैं 5 महीने से सेवा में हूं,

उड़ान भरने के 5 मिनट बाद ही दिल्ली-पटना स्पाइसजेट फ्लाइट में मचा हड़कंप; पायलट की सूझबूझ से टला हादसा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज दिल्ली से पटना जाने वाली स्पाइसजेट उड़ान हादसे का शिकार होने से बाल-बाच बच गई। इस दौरान आसमान में यात्रियों की सांसें अटक गईं। हालांकि, पायलट की सूझबूझ से हादसा टल गया। स्पाइसजेट के मुताबिक पटना जाने वाली स्पाइसजेट की उड़ान को गुरुवार (23 अक्टूबर) को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दिल्ली वापस लौटना पड़ा, क्योंकि चालक दल को तकनीकी खराबी का संदेह था। बोइंग 737-8A विमान को विस्तृत निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है और जांच अभी जारी है। प्रभावित यात्रियों के लिए एक वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की जा रही है।

स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी 160 यात्री सुरक्षित हैं और विमान

बिना किसी घटना के दिल्ली वापस उतर गया। एयरलाइन सूत्रों ने बताया कि फंसे हुए यात्रियों के लिए एक वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई है, जो सुबह 11:30 बजे रवाना हो गई।

2 महीने पहले भी इसी तरह की आई थी परेशानी

यह ताजा घटना स्पाइसजेट के एक विमान की बीच उड़ान में तकनीकी खराबी के कारण श्रीनगर में आपातकालीन लैंडिंग के दो महीने बाद हुई है। यह विमान दिल्ली से 205 यात्रियों और सात चालक दल के सदस्यों के साथ उड़ान भरी थी। वहीं, अगस्त में भी, दुबई जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान को इसी तरह की गड़बड़ी के बाद अहमदाबाद में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी थी। यह उड़ान सूरत से उड़ान भरी थी।

एयर इंडिया हादसे के बाद से बरती जा रही सावधानी

बता दें कि गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून, 2025 को हुई एयर इंडिया प्लेन क्रैश हो गया था। इस हादसे में एक यात्री को छोड़कर सारे यात्री की मौत हो गई थी। इसके बाद जांच रिपोर्ट में पता चला कि विमान के दोनों इंजन फेल हो गए थे जिसके बाद यह एक बिल्डिंग से टकरा गई। टकराने के बाद विमान आग के गोले के साथ ब्लास्ट हो गया। इस हादसे ने आसपास के लोगों को अपनी चपेट में ले लिया।

हरियाणा के जिम संचालकों को महिला आयोग का आदेश, हर जिम में रखें लेडी ट्रेनर

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा महिला आयोग ने प्रदेश के सभी जिम संचालकों को एक बड़ा निर्देश जारी किया है। आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा है कि अब हर जिम में महिला ट्रेनर की तैनाती अनिवार्य होगी। यह फैसला महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग ट्रेनर रखे जाएंगे। महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आयोग लगातार काम कर रहा है। इसी कड़ी में, जिम में आने वाली महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने

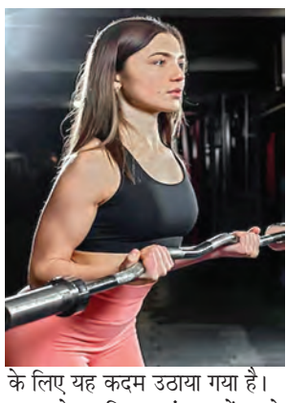

के लिए यह कदम उठाया गया है।

आयोग जिम संचालकों को महिला ट्रेनर रखने के लिए एक निश्चित समय सीमा देगा। इस अवधि में उन्हें यह व्यवस्था करनी होगी। अगर कोई जिम संचालक इस आदेश का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश खासकर गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला जैसे बड़े शहरों की उन जिम्स पर लागू होगा जहां महिलाएं और युवतियां बड़ी संख्या में आती हैं। रेनू भाटिया ने खुद भी जल्द ही प्रदेश के विभिन्न शहरों की जिम्स का निरीक्षण करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि यह फैसला उत्तर प्रदेश महिला आयोग के एक ऐसे ही कदम से प्रेरित है। महिला आयोग का मानना है कि यह कदम महिला सुरक्षा की दृष्टि से बहुत ज़रूरी है। आयोग के पास कैब ड्राइवरों द्वारा छेड़छाड़ की शिकायतें भी आई थीं। इस समस्या का समाधान निकालने के लिए आयोग एक और पहल कर रहा है।

तमिलनाडु-केरल में भारी बारिश, स्कूल-कॉलेज में छुट्टी, फसल बर्बाद

हिमाचल में तापमान माइनस 0.7; आंध्र के 6 जिलों में रेड अलर्ट जारी

चेन्नई/अमरावती, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण भारत में इस समय पूर्वोत्तर मानसून पूरी तरह सक्रिय है। तमिलनाडु के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं, जबकि कुछ जगहों पर धान की फसल पूरी तरह डूब गई है। चेन्नई में गुरुवार को भी सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

मौसम विभाग ने राज्य में साइक्लोन का अलर्ट भी जारी किया है। बारिश की वजह से राज्य का सबसे बड़ा मिट्टी डैम भर चुका है। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने एसडीआरएफ के साथ बैठक कर रहे हैं। तमिलनाडु में बाढ़ की वजह से 16000 हैक्टेयर खेती की जमीन में पानी भरने से राज्य की 33% फसल तबाह हो गई। सरकार ने कहा है की किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

वहीं, केरल में भारी बारिश और तेज हवा के कारण बुधवार को इडुक्की, पलक्कड़, मलप्पुरम और पथनमथिट्टा जिलों में सभी स्कूल-कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई। इसके साथ ही इडुक्की के पहाड़ी इलाकों में रात के समय यात्रा पर रोक लगा दी गई है। केरल और तमिलनाडु सरकार ने जिला प्रशासन को बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की स्थिति पर 24 घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन बल को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति और मनाली में पहाड़ों पर बुधवार को बर्फबारी हुई है, जिससे राज्य के कई इलाकों में ठंड बढ़ गई है। लाहौल-स्पीति जिले के टैबो में न्यूनतम तापमान माइनस 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा। मनाली में 12 मिमी, भरमौर में 11.5 मिमी, कीलॉन्ग में 6 मिमी, भुंतर में 3.6 मिमी, सेओबाग में 4 मिमी, पलमपुर में 2 मिमी और कुकुमसेरी में 1.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, तंजावुर, तिरुवारुर, नागपट्टिनम और कारैकल क्षेत्रों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। चेन्नई निगम ने 106 राहत रसोइयां शुरू की हैं। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में बुधवार को हुई तेज बारिश से सड़कों पर 2-3 फीट पानी भर गया। आंध्र प्रदेश के छह जिलों प्रकाशम, नेल्लोर, कडप्पा, अन्नमय्या, तिरुपति और चित्तूर में रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि कुरनूल, नांदयाल, अनंतपुर और श्री सत्यसाई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

वहीं, आईएमडी ने केरल के 10 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें पथनमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड जिले शामिल हैं।

तमिलनाडु के विलुपुरम बस स्टैंड पर भारी जलभराव के कारण यात्रियों को काफी परेशानी हुई। तंजावुर और कावेरी डेल्टा क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण धान की फसल पूरी तरह डूब गई है। सिर्फ मयिलादुथुरै जिले में लगभग 50 हजार एकड़ फसल पानी में डूब गई है। बारिश और तेज हवा के कारण इरोड जिले में रास्ते पर पेड़ गिर गया जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। वहीं कुड्डालोर जिले में एक कच्चा घर गिर गया। ओडिशा में अगले चार दिनों तक हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने बताया कि यह बदलाव दो लगातार बन रहे निम्न दबाव क्षेत्रों के कारण हो रहा है। गुरुवार को पुरी, खोरधा, नयागढ़, गंजाम, गजपति, रायगड़ा, कोरापुट, मलकानगिरी, कंधमाल, कालाहांडी और नबरंगपुर जिलों में बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चलने की आशंका है।

एमवाय समीकरण की पटरी पर चली गहलोत की गाड़ी

लेकिन साथ ही चल दिया कांग्रेस के फायदे वाला दांव भी

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंततः महागठबंधन की अंदरूनी बैठक में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जो लगातार सीएम फेस के खुलासे की बात कर रहे थे, उन्होंने अपनी जिद पास करवा ही ली। कांग्रेस बिहार चुनाव 2025 के एकदम मुहाने पर इस बात पर न केवल तैयार हुई बल्कि कांग्रेस के विशेष दूत पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तेजस्वी यादव के सीएम चेहरे का ऐलान भी कर दिया। कांग्रेस ने खुद ही तय कर दिया कि बिहार में चुनाव राहुल गांधी नहीं बल्कि तेजस्वी यादव के चेहरे पर लड़ा जाएगा। आखिर अंतिम पलों में इस घोषणा के पीछे की राजनीति क्या है? जानते हैं महागठबंधन किस समीकरण को साधना चाहता है।

बिहार में डैमेज कंट्रोल करने को आए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साफ कह दिया कि तेजस्वी यादव हमारे सीएम के चेहरे होंगे और मुकेश सहनी उप मुख्यमंत्री। वे यहीं नहीं रुके बल्कि उप मुख्यमंत्री के नाम को ले कर मुकेश सहनी के नाम की घोषणा तो की ही, साथ ही यह भी कह डाला कि और भी डिप्टी सीएम होंगे। इस घोषणा के आधार पर जाएं तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने पहले ही कहा था कि मुकेश सहनी उप मुख्यमंत्री होंगे पर इसके साथ एक मुस्लिम और एक दलित से भी उप मुख्यमंत्री होंगे।

बिहार विधान सभा चुनाव के सापेक्ष इतना तो कहा ही जा रहा था कि सोशल इंजीनियरिंग के प्लेटफार्म पर महागठबंधन मजबूत है। एमवाई समीकरण का मतलब ही करीब 32 प्रतिशत। अब इसने निषाद जाति के वोट को जोड़ दे तो मुकेश सहनी के अनुसार 12 प्रतिशत। अब दलितों की बात करें तो वह भी करीब 18 प्रतिशत। यानी कुल 62 प्रतिशत के लिए महागठबंधन ने ये किलेबंदी करने की कोशिश की है। इसे रफ्तार देने के लिए यादव से मुख्यमंत्री का चेहरा तेजस्वी यादव और निषाद जाति से मुकेश सहनी को आगे कर इन जातियों को महागठबंधन की उम्मीद से जोड़ना है। साथ ही इसके मुस्लिम और दलित में भी उप मुख्यमंत्री की बात कर कांग्रेस से अपने आधार वोट दलित और मुस्लिम मतों को कांग्रेस की तरफ खींचना भी है।

ब इस प्रयास का रंग क्या दिखता है वह तो परिणाम बताएगा। लेकिन अशोक गहलोत की इस घोषणा ने उन तमाम जातियों का ध्यान महागठबंधन की तरफ आकर्षित करने का काम तो किया ही है। साथ इसके तेजस्वी यादव की तमाम घोषणाओं का जिसमें जीविका दीदियों या संविदाकर्मियों को सरकारी नौकरी या फिर हर घर एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा कितनी प्रभावी होगी, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन ये मुद्दे और मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री की घोषणा कुछ असर दिखा सकती है, ऐसी संभावना बनती दिख रही है।

छठ के बाद बिहार में कैसे रुकेंगे प्रवासी मतदाता?

भाजपा ने बनाया पूरा प्लान

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में चुनावी बिगुल बजने के बाद भाजपा की टेंशन इस बात को लेकर बढ़ गई है कि आखिर छठ पूजा के संपन्न होने के बाद यहां प्रवासी मतदाताओं को कैसे रोका जाए? क्योंकि, छठ पूजा का त्योहार मनाने के लिए देश के कोने-कोने में रहने वाले बिहारवासी अपने प्रदेश का रुख करते हैं।

बिहार में दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, छठ पूजा 25 अक्टूबर से शुरू होकर 28 अक्टूबर तक चलेगी। लेकिन इससे पहले भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यहां के प्रवासी मतदाताओं को छठ पूजा के बाद रोकना है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक, 48 लाख से ज्यादा प्रवासी बिहार छठ पूजा मनाने के लिए अपने प्रदेश का रुख करते हैं। इसमें से 45.78 लाख घरेलू प्रवासी और 2.17 लाख विदेश में काम करने वाले बिहार के लोग शामिल हैं। यह सभी लोग प्रतिवर्ष छठ का त्योहार मनाने के लिए अपने प्रदेश का रुख करते हैं। इसके बाद अपने-अपने कर्मभूमि की ओर रवाना हो जाते हैं। आमतौर पर छठ पूजा के बाद लोग बिहार में रुकने से गुरेज करते हैं।

वहीं, अब जब बिहार में छठ के बाद चुनाव होना है, तो भाजपा ने ऐसे सभी प्रवासी लोगों को रोकने के लिए पूरा प्लान बना लिया है। भाजपा के एक सूत्र के मुताबिक, पार्टी की तरफ से प्रदेश के सभी जिलों में बूथ-स्तरीय अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनसे आग्रह कर रहे हैं कि वो मतदान समाप्त होने तक यहीं रहें। इसके बाद ही कहीं जाएं।

भाजपा के मुताबिक, हम इस बात को भलीभांति समझते हैं कि छठ के बाद किसी भी आम बिहारी के लिए अपने प्रदेश में रुकना मुश्किल हो जाता है। उन्हें अक्सर नौकरी गंवाने का डर रहता है। लेकिन, हम ऐसे सभी लोगों के बीच में जाकर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके अलावा, हम उन्हें मतदान का महत्व भी समझा रहे हैं। हम उन्हें यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का क्या मूल्य होता है? जानकारी के मुताबिक, बिहार विधानसभा चुनाव में प्रवासी लोगों की अहमियत को देखते हुए बूथ कार्यकर्ताओं और जिला अध्यक्षों तक को सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, प्रवासी मतदाताओं की सबसे अधिक संख्या पूर्वी चंपारण (6.14 लाख), पटना (5.68 लाख), सीवान (5.48 लाख), मुजफ्फरपुर (4.31 लाख) और दरभंगा (4.3 लाख) जैसे जिलों में है। यह सभी जिले पहले चरण के मतदान के तहत कवर कर दिए जाएंगे।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 24 अक्टूबर- 2025

जय सम्राट नारे के बीच उलझे सवाल

कुमार कृष्णन

बिहार के मुंगेर जिले का एक प्रमुख अनुमंडल स्तरीय कस्बा तारापुर इतिहास, संस्कृति, आस्था और राजनीति के कई रंगों को समेटे हुए है। तारापुर विधानसभा क्षेत्र जमुई लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। तारापुर विधानसभा क्षेत्र में असरगंज, टेटिहा बम्बर, संग्रामपुर और खड़गपुर ब्लॉक की आठ ग्राम पंचायतें शामिल हैं। 1951 में स्थापित इस क्षेत्र ने 19 बार विधायक चुने हैं, जिनमें दो उपचुनाव शामिल हैं। इस क्षेत्र की राजनीतिक विशेषता यहां की ओबीसी आबादी, खासकर कुशवाहा समुदाय का प्रभाव है। यहां से चुने गए अधिकांश विधायक इसी जाति से रहे हैं चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े हों। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इसी तारापुर सीट से भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस कारण यह हाट सीट है। तारापुर विधानसभा सीट पर अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय अपने गृह क्षेत्र में लगे "जय सम्राट,जय सम्राट" के बैनर देखकर खुश हुए होंगे लेकिन उन्होंने 10 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है जिसने उनकी उम्र और शैक्षणिक योग्यता को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सम्राट चौधरी की जन्मतिथि और शैक्षणिक योग्यताएं स्पष्ट नहीं हैं जिस पर सवाल उठ रहे हैं। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इन विवरणों पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि हलफनामे में चौधरी की 10वीं कक्षा कब पूरी हुई, इसका उल्लेख नहीं है जबकि उन्होंने पहले ऐसी जानकारी देने का दावा किया था।

सम्राट चौधरी ने कामराज विश्वविद्यालय से प्री-फाउंडेशन कोर्स (पीएफसी) पूरा किया है। यह दावा भी चौंकाने वाला है क्योंकि पीएफसी आमतौर पर तमिल भाषियों के लिए होता है और उनकी 10वीं कक्षा की पढ़ाई का कोई जिक्र नहीं है। उनकी सर्वोच्च योग्यता "मानद" डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डीएलआईटी) है जबकि उन्होंने कामराज विश्वविद्यालय से 'पीएफसी' की उपाधि का उल्लेख किया है। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने ये योग्यताएं कब हासिल कीं।

नए हलफनामे में सम्राट चौधरी द्वारा 2020 के विधान परिषद चुनावों के दौरान घोषित की गई बातों को ही बरकरार रखा गया है। उन्होंने तब घोषणा की थी कि उनकी डी.लिट. की डिग्री 'कैलिफ़ोर्निया पब्लिक यूनिवर्सिटी' से है जो एक अमेरिकी संस्थान है और अपनी वेबसाइट के अनुसार मुख्य रूप से दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करता है। उन्होंने कामराज विश्वविद्यालय से 'पीएफसी' भी सूचीबद्ध किया था। 2020 में भी उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने डी.लिट. की डिग्री कब प्राप्त की या 'पीएफसी' कब किया।

दरअसल, 1999 में जब चौधरी राबड़ी देवी के नेतृत्व वाली राजद सरकार का हिस्सा थे, तब पार्टी के नेता के तौर पर उन्हें अपनी उम्र को लेकर उठे विवाद के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। चौधरी द्वारा हलफनामा दाखिल करने के तुरंत बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा नेता ने "उम्र को लेकर मेरे द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब नहीं दिया है और न ही इस बारे में कि क्या वह 1995 के तारापुर मामले में अभियुक्तों में से एक थे जिसमें छह लोग मारे गए थे।" उन्होंने आगे कहा, "वह इस बात पर भी चुप रहे कि क्या उन्हें नाबालिग होने का प्रमाण पत्र दिखाकर ज़मानत मिली थी जबकि उस समय वह नाबालिग नहीं थे।"

किशोर ने चौधरी पर 1995 के तारापुर में छह लोगों की मौत से जुड़े एक मामले में सुनवाई से बचने का भी आरोप लगाया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने उस समय नाबालिग होने का झूठा प्रमाण पत्र जमा किया था। हलफनामे में चौधरी की उम्र 56 साल बताई गई है जो मतदाता सूची पर आधारित है लेकिन स्कूल का कोई प्रमाण पत्र नहीं है। इन विवादों के बावजूद, चौधरी का कहना है कि उनकी उच्चतम शैक्षणिक योग्यता कामराज विश्वविद्यालय से पीएफसी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने इस बहस को और हवा दी है। वीडियो में चौधरी पत्रकारों को ₹पीएफसी₹ का मतलब समझाने में संघर्ष करते दिख रहे हैं जिससे उनकी शैक्षणिक योग्यता पर सवाल और गहरा गए हैं। प्रशांत किशोर ने इस मामले को लेकर चौधरी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हलफनामे में 10वीं कक्षा की पढ़ाई पूरी करने की तारीख का उल्लेख नहीं है। यह तब है जब चौधरी ने पहले कहा था कि वे इस जानकारी को शामिल करेंगे। सम्राट चौधरी का कहना है कि उन्होंने कामराज विश्वविद्यालय से पीएफसी किया है। यह बात लोगों को हैरान कर रही है क्योंकि पीएफसी कोर्स आमतौर पर तमिल बोलने वालों के लिए होता है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उन्होंने 10वीं कक्षा कब पास की। प्रशांत किशोर ने यह भी आरोप लगाया है कि चौधरी ने 1995 में तारापुर में हुई छह लोगों की मौत के मामले में सुनवाई से बचने के लिए खुद को नाबालिग बताया था और इसके लिए झूठा प्रमाण पत्र दिया था। हलफनामे में उनकी उम्र 56 साल लिखी है, जो मतदाता सूची के अनुसार है लेकिन स्कूल का कोई सर्टिफिकेट नहीं है। इन सब बातों के बावजूद चौधरी का कहना है कि उन्होंने कामराज विश्वविद्यालय से पीएफसी किया है जो उनकी सबसे बड़ी शैक्षणिक योग्यता है।

किशोर के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर सम्राट चौधरी के अनुसार , "मैंने कभी डी.लिट. की डिग्री हासिल करने के लिए पढ़ाई नहीं की। यह मानद है। मैंने यह भी घोषित किया है कि मैंने एक प्री-फाउंडेशन कोर्स (पीएफसी) किया है जिसे कुछ मामलों में दसवीं कक्षा के समकक्ष माना जाता है। जहां तक तारापुर मामले की बात है, मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है। मैं किसी ऐसी चीज़ पर प्रतिक्रिया क्यों दूँ जो पहले से ही अदालती रिकॉर्ड में दर्ज है? मैं किसी के उकसावे में नहीं आऊँगा और अपने चुनाव अभियान पर ध्यान केंद्रित करूँगा, जो विकास के एजेंडे के इर्द-गिर्द है।"

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में सम्राट चौधरी पत्रकारों को पीएफसी का मतलब समझाने में अटकते हुए दिख रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई-लिखाई को लेकर और भी ज्यादा सवाल उठ रहे हैं।

सम्राट चौधरी की चल संपत्ति 99.32 लाख रुपये है जबकि अचल संपत्ति 8.28 करोड़ रुपये है। उनकी संपत्ति में पैतृक जमीनें, एक कार, एक गैर-निषिद्ध बोर राइफल और उनके पिता, पूर्व राजनेता शकुनि चौधरी द्वारा उपहार में दी गई एक रिवॉल्वर शामिल है। उनकी पत्नी, कुमारी ममता, जो एक वकील हैं, के पास 27.89 लाख रुपये की चल संपत्ति और 1.08 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। दोनों के पास कुल 200 ग्राम सोना है, जिसकी कीमत 40 लाख रुपये है और 500 ग्राम चांदी है जिसकी कीमत लगभग 75,000 रुपये है।

भाजपा की सहयोगी पार्टी जदयू ने भी कहा कि चौधरी को अपनी उम्र और शिक्षा संबंधी किसी भी भ्रम को दूर कर लेना चाहिए। जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, "सम्राट चौधरी हमें बताएँ कि उन्होंने पीएफसी का कोर्स कब किया था... हमें उनकी मानद उपाधि पर भी संदेह है।"

भाजपा के भीतर भी, कई लोग कह रहे हैं कि आरोपों का जवाब देने में सम्राट चौधरी की विफलता विपक्ष को एक अनावश्यक मुद्दा दे रही है।इस विधान सभा सीट पर कांग्रेस ने पांच, जदयू ने छह (दो बार समता पार्टी के रूप में) और आरजेडी ने तीन बार जीत हासिल की। अन्य दलों जैसे संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, शोषित दल, जनता पार्टी, सीपीआई और एक निर्दलीय ने भी एक-एक बार जीत दर्ज की।

लोक-लुभावन वादों की बौछार

बिहार में महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा तेजस्वी यादव के घोषित होते ही सत्ता की दौड़ ने नया रंग लेना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही चुनाव में जाने-पहचाने लोक-लुभावन नारे भी हवा में तैरने लगे हैं। एक तरफ़ सत्तारूढ़ राजग सरकार ने 26 सितंबर को 'मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना' के तहत लगभग 1.25 करोड़ महिलाओं के खाते में 10,000 रुपये की पहली किस्त डालकर बड़ा दांव खेला तो दूसरी तरफ़ महागठबंधन के चेहरे और राजद के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव ने ऐलान कर दिया कि अगर उनकी सरकार बनी, तो जीविका दीदियों को नौकरी पक्की और 30,000 रुपये मासिक तनख़्वाह मिलेगी। देखा जाए तो यह कोई नई कहानी नहीं है। 2006 में विश्व बैंक की मदद से शुरू हुई बिहार ग्रामीण आजीविका मिशन आज 1.4 करोड़ महिलाओं का सबसे मज़बूत वोट-बैंक बन चुकी है। ये महिलाएँ छोटे-छोटे स्व-सहायता समूहों में संगठित हैं और अब हर चुनावी मौसम में सबसे ज़्यादा लुभाई जाने वाली मतदाताओं की जमात बन गई हैं। राजग और महागठबंधन दोनों ही समझते हैं कि महिलाएँ ही जिधर उमड़ी फैसला उसी पार्टी के हक में जाना तय है। इसलिए एक तरफ़ तत्काल लाभ का लालच है तो दूसरी तरफ़ लंबी अवधि तक की नौकरी का सपना। मध्य प्रदेश की लाड़ली बहन, महाराष्ट्र की माझी लाडकी बहिण, झारखंड की मंईयां सम्मान ये सब योजनाएँ पहले ही सत्ता बचाने या लाने में कामयाब हो चुकी हैं। अब बिहार भी उसी राह पर चल पड़ा है। इसी बीच चुनाव आयोग ने भी अपनी ईट्री दर्ज कराई है। दूसरे चरण का नामांकन खत्म होने के कुछ ही दिन बाद 71 करोड़ रुपये से ज़्यादा की नकदी, शराब, ड्रग्स और कीमती सामान जब्त हो चुके हैं। यह आँकड़ा सिर्फ़ पैसों का होता तो गनीमत थी यहीं तो लोकतंत्र की शुचिता की रक्षा का प्रतीक भी बन गई है। नीतीश सरकार पहले ही 125 यूनिट तक मुफ़्त बिजली, बेरोज़गार स्नातकों को 1,000 रुपये मासिक भत्ता, बुज़ुर्गों-दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाने जैसे कदम उठा चुकी है। वहीं तेजस्वी हर उस परिवार को एक सरकारी नौकरी देने का वादा कर रहे हैं, जिसमें अभी तक कोई सरकारी नौकरी नहीं है। दोनों पक्षों की रोज़-रोज़ की नई लोक-लुभावन घोषणाओं से मतदाता भ्रमित हो रहे हैं। लेकिन किसी भी पार्टी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, औद्योगीकरण जैसे मूल मुद्दों पर मुंह खोलने से परहेज किया है। सवाल यह है क्या इन वायदों और संसाधनों की पूर्ति में कोई तालमेल है? क्या अगले पाँच साल में बिहार को देश की पहली पंक्ति में लाने का कोई ठोस ख़ाका तैयार किया गया है? या फिर सिर्फ़ वोट ख़रीदने की होड़ ही मची है? बिहार के मतदाता के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है। एक तरफ़ लोक-लुभावन वायदों की बौछार, दूसरी तरफ़ चुनावी धनबल पर लगाम। 71 करोड़ की जब्ती बताती है कि पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है। 1.4 करोड़ दीदियाँ बताती हैं कि वोट बैंक मज़बूत है। लेकिन बिहार का भविष्य किसके हाथ में होगा यह अभी तय नहीं है। मतदाता भी सोचें कि यह चुनाव सिर्फ़ सत्ता का नहीं, बिहार की दिशा और दशा का भी है।

यूएनओ: आठ दशकों की विफलताएं और प्रासंगिकता का संकट

हरीश शिवनानी

हाल ही भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जब 16 अक्टूबर को नई दिल्ली में 'यूएन पीसकीपिंग मिनिस्ट्रियल' कॉन्क्लेव में तल्ख लहजे में कहा कि, "संयुक्त राष्ट्र आज भी 1945 की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है, न कि 2025 की।" तो परोक्ष रूप से उनका इशारा पिछले आठ दशकों में यूएनओ की विफलताओं, इसकी संरचनात्मक कमजोरियों और सुधार की आवश्यकता की ओर ही था। 24 अक्टूबर 2025 को संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) अपनी स्थापना के 80 वर्ष पूरे कर रहा है। 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद 'भावी पीढ़ियों को युद्ध के संकट से बचाने' के उद्देश्य से स्थापित यह संगठन आज अपनी प्रासंगिकता और विश्वसनीयता के गंभीर संकट से जूझ रहा है। गाज़ा, यूक्रेन, सूडान और हैती जैसे वैश्विक संकटों के बीच यूएनओ की निष्क्रियता ने इसे 'कागजी शेर' की संज्ञा दी है।

यूएनओ की विफलताओं का इतिहास खासा लंबा है। यूएनओ की स्थापना का प्राथमिक लक्ष्य विश्व शांति स्थापित करना था, लेकिन इसके इतिहास में विफलताओं की लंबी फेहरिस्त है। रवांडा नरसंहार (1994) इसका सबसे दुखद उदाहरण है, जहां यूएन शांति सेना (यूएनएएमआईआर) के रहते हुए भी करीब आठ लाख लोग मारे गए। तत्कालीन महासचिव कोफी अन्नान ने इसे संगठन की सबसे बड़ी नाकामी माना था। स्रेब्रेनिका नरसंहार (1995) में यूएन द्वारा घोषित सुरक्षित क्षेत्र में 8,000 से अधिक लोगों की हत्या हुई, जिसे रोका नहीं जा सका। इराक युद्ध (2003) में अमेरिका ने सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप लाखों नागरिक मारे गए। सीरिया गृहयुद्ध (2011 से अब तक) में रूस और चीन के वीटो ने कोई ठोस कार्रवाई रोकी, जिससे 5 लाख से अधिक लोग मारे गए। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण (2022) में भी रूस के वीटो ने यूएन को असहाय बना दिया। हाल के गाजा संकट में अमेरिका ने इजरायल के पक्ष में 53 बार वीटो का उपयोग किया, जिससे युद्धविराम प्रस्ताव विफल हुए। ये घटनाएं यूएन की सबसे बड़ी कमजोरी—सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (पी-5: अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस) के वीटो अधिकार—को उजागर करती हैं। दरअसल अपनी स्थापना से ही यूएन कई वैश्विक विवादों को हल करने में असफल रहा है, जो इसकी संरचनात्मक कमियों को दर्शाता है। कुछ उदाहरण देखिए-

स्वेज नहर संकट (1956): यूएन सैन्य समाधान देने में असफल रहा; अमेरिका और सोवियत संघ के दबाव से ही संकट सुलझा।

कश्मीर विवाद: 1948 से प्रस्तावों के बावजूद भारत-पाकिस्तान के बीच यह विवाद यूएनओ कभी सुलझा नहीं पाया। भारत ने धारा 370 ख़त्म पीओके को पुनः भारत में विलय करने का संकल्प दोहराया है।

ईरान-इजरायल संघर्ष: अमेरिका के वीटो के कारण यूएन इजरायल की कार्रवाइयों पर रोक नहीं लगा सका। फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष: दो-राज्य समाधान लागू नहीं हो सका, और इजरायल ने यूएन प्रस्तावों की जमकरअनदेखी की और अंततः गाजा पट्टी को लगभग ख़त्म ही कर दिया।

सीरिया गृहयुद्ध: रूस और अमेरिका के मतभेदों ने यूएन को बौना साबित कर दिया। इसी तरह उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर यूएन प्रतिबंध प्रभावी नहीं रहे तो पश्चिमी सहारा पर भी जनमत संग्रह कराने में यूएन विफल रहा,साइप्रस विवाद भी दशकों पुराना यह विवाद अनसुलझा है।

सबसे बढ़कर पिछले तीन सालों से यूक्रेन-रूस संघर्ष जारी है और हज़ारों लोग मारे जा चुके हैं पर यूएन बेबस, लाचार बना हुआ है। इन सब वैश्विक घटनाओं को देखते हुए अब यूएन की प्रासंगिकता पर सवाल उठने लगे हैं क्योंकि शक्तिशाली देश इसके फैसलों की अवहेलना करते रहे हैं और लगातार कर रहे हैं।

सिस्टम की मिट्टी ढीली क्यों? सबरीमाला से दिल्ली तक उठे सवाल

प्रो. आरके जैन

22 अक्टूबर 2025 की वह रोमांचक सुबह—केरल के पर्वतीय हृदय में, जहां भगवान अय्यप्पा की भक्ति का सागर उफान मार रहा था, सबरीमाला के नवनिर्मित हेलिपैड पर हेलीकॉप्टर की गर्जना ने सबका ध्यान खींच लिया। लाखों श्रद्धालु मंडला पूजा के जयकारों में डूबे थे, अचानक सन्नाटा छा गया। देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हेलीकॉप्टर, कोच्चि से उड़ान भरकर पहुंचा ही था कि नरम मिट्टी ने उसके पहियों को लील लिया—विमान झुक गया, और राष्ट्र का हृदय थम सा गया। मात्र दस मिनट की वीरतापूर्ण जंग में—नंगे हाथों सैनिकों, एसपीजी कमांडो आदि ने राष्ट्रपति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ओडिशा के मयूरभंज की साधारण आदिवासी बेटी विजयी मुस्कान के साथ भूमि पर खड़ी हो गईं, लेकिन यह दुर्घटना सुरक्षा व्यवस्था का काला आईना बन गई—लापरवाही की गहरी चोट, जो पूरे राष्ट्र को चीर गई। भक्ति के पवित्र केंद्र पर मौत का साया? क्या हमारी प्रणाली इतनी नाजुक हो चुकी? यह सवाल केरल की घाटियों से दिल्ली की संसद तक, हर भारतीय के सीने में धड़क रहा है।

कल्पना कीजिए उस नाटकीय पल की—सुबह नौ बजकर पांच मिनट, जब भारतीय वायुसेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर प्रामाडम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम हेलिपैड पर उतरा। राष्ट्रपति का शेड्यूल कड़ा था—11:50 बजे तक पंबा पहुंचकर भगवान अय्यप्पा के दर्शन और मंडला पूजा में भागीदारी। लेकिन लैंडिंग के ठीक बाद, रातोंरात बनी नई कंक्रीट सतह ने धोखा दिया। हेलीकॉप्टर का गियर गड्ढे खोद गया, रोटर गरजते रहे, और विमान झुक गया। तनाव भरा दृश्य था—राष्ट्रपति का चेहरा संयमित, लेकिन चारों ओर हलचल। एसपीजी कमांडो, स्थानीय पुलिस, फायर डिपार्टमेंट आदि ने कंधे से कंधा मिलाकर फौरन कार्रवाई की। कुछ ही मिनटों की साहसिक मशक्कत से राष्ट्रपति को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बाहर आते ही उन्होंने कहा—भगवान अय्यप्पा की कृपा और सभी योद्धाओं की वीरता से हम बच गए। यह शब्द चुनौतियों पर विजय का प्रेरक संदेश हैं। दर्शन में मामूली देरी हुई, मगर राष्ट्र का विश्वास और अटल हो गया। 2018 के सबरीमाला विवाद के बाद यह पहला राष्ट्रपति दौरा था—सुरक्षा पर विशेष नजर, फिर भी यह विफलता क्यों?

इस हादसे की जड़ें हमारी सुरक्षा व्यवस्था की भयावह लापरवाही में निहित हैं, जो वर्षों से जमी हुई हैं। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के 2021 दिशानिर्देश स्पष्ट रूप से कहते हैं—हर हेलिपैड का निर्माण मिट्टी परीक्षण से शुरू होता है, जियोटेक्निकल सर्वे अनिवार्य है, और भार क्षमता कम से कम 15 टन होनी चाहिए। राष्ट्रपति जैसे वीआईपी के लिए 48 घंटे पूर्व साइट इंस्पेक्शन, मौसम चेतावनी तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य हैं। लेकिन सबरीमाला में ठीक क्या हुआ? 2024 मानसून के बाद बना यह 'अस्थायी' हेलिपैड वास्तव में पूरी तरह अनियमित साबित हुआ।

मिट्टी परीक्षण में एसपीटी-एन वैल्यू महज 8-10 मिली, जबकि मानक 20 से ऊपर होना चाहिए था। स्लैब की मोटाई मात्र 4 इंच थी, जबकि 12 इंच अनिवार्य है। लोड क्षमता सिर्फ 6 टन रही, जबकि 15 टन मानक है। मॉक ड्रिल? बिल्कुल शून्य। यह लापरवाही केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवंत सत्य है।

पिछले 5 वर्षों में भारत में वीआईपी हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं—जैसे 2021 में सीडीएस बिपिन रावत का हादसा और 2025 में उत्तराखंड के तीर्थयात्रा मार्गों पर हुई कई घटनाएं। कैग की 2024 रिपोर्ट्स सरकारी फंडों के दुरुपयोग पर चिंता जताती हैं। यह सिस्टम की नाकामी नहीं, बल्कि जवाबदेही की पूर्ण कमी है, जो राष्ट्रपति जैसी महान शख्सियत की जान को दांव पर लगा देती है।

द्रौपदी मुर्मू का जीवन इस हादसे को और भी मार्मिक बना देता है। 1958 में ओडिशा के संथाल आदिवासी परिवार में जन्मीं, उन्होंने गरीबी में पांच किलोमीटर पैदल स्कूल जाकर शिक्षा हासिल की। जूनियर असिस्टेंट और शिक्षिका से लेकर विधायक, झारखंड की राज्यपाल, और 2022 में भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति तक का उनका सफर प्रेरणादायक है।

संथाली सहित कई आदिवासी भाषाओं में पारंगत, लेकिन हिंदी-अंग्रेजी में भी धाराप्रवाह। उनका संघर्ष भारत की मिट्टी का प्रतीक है—गरीबी से शिखर तक। इस हादसे में उनका संयम देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने न केवल खुद को संभाला, बल्कि तुरंत सुधार की मांग की। लेकिन विडंबना देखिए—जिन आदिवासियों के लिए उन्होंने जीवन भर लड़ाई लड़ी, वही सिस्टम ने उनका धोखा दिया। यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की लड़ाई का हिस्सा है। राष्ट्रपति मुर्मू की तरह, भारत की करोड़ों महिलाएं और आदिवासी आज भी असुरक्षित हैं। उनका साहस हमें सिखाता है कि संकट में शांति रखनी है, लेकिन सुधार के लिए जिद करनी है।

इस हादसे ने राष्ट्रीय स्तर पर तूफान ला दिया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए ने 22 अक्टूबर 2025 को सभी 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों को हेलिपैड ऑडिट का आदेश जारी किया, जिसमें 15 नवंबर 2025 तक ऑडिट पूरा करने की डेडलाइन दी गई। सवाल बरकरार हैं—क्यों सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी? अंतरराष्ट्रीय नजरिए से देखें तो अमेरिका में राष्ट्रपति हेलिपैड पर एनएएसए-ग्रेड टेस्टिंग होती है, यूके में एआई-बेस्ड प्रेडिक्टिव एनालिसिस। भारत को इसरो के भुवन ऐप और ड्रोन सर्वे अपनाने होंगे। यह हादसा 5 करोड़ वार्षिक श्रद्धालुओं की सुरक्षा का भी सवाल उठाता है।

सुरक्षा के लिए अब ठोस रोडमैप अनिवार्य है। तत्काल कदम उठाएँ, नीति आयोग द्वारा द्वारा सभी 1,200 राज्य हेलिपैड का स्वतंत्र ऑडिट करवाएँ। भारत को जीआईएस मैपिंग और ड्रोन सर्वे जैसे उपाय अपनाने होंगे। दीर्घकालिक लक्ष्य, 2030 तक सभी हेलिपैड स्मार्ट बनाएँ, जो आईओटी सेंसर और ऑटोमेटेड अलर्ट सिस्टम से सुसज्जित हों। यह केवल तकनीक का नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति का प्रश्न है।

सबरीमाला की चुप्पी हमें झकझोरती है—लापरवाही अब अस्वीकार्य है। राष्ट्रपति मुर्मू का साहस प्रेरणा देता है, किंतु अगला हादसा किसी का भी हो सकता है। केंद्र और राज्य मिलकर तकनीक अपनाएँ, जवाबदेही सुनिश्चित करें। हमारा लोकतंत्र तभी सशक्त होगा, जब राष्ट्रपति और प्रत्येक नागरिक सुरक्षित हों। सुरक्षा केवल औपचारिकता नहीं, राष्ट्र का पवित्र संकल्प है। जागो भारत, सतर्क रहो, कार्रवाई करो—ताकि अगली सुबह सन्नाटे से नहीं, बल्कि विजय की गूंज से गूँजे।

बहू के स्वागत में लोकतंत्र

डॉ. सुरेश कुमार

घर की बैठक में लोकतंत्र जैसा माहौल था—सब बोल रहे थे, मैं बोल रही थी, बच्चे चहक रहे थे, और नीर सुन रहे थे। सरकारें जैसे विपक्ष की बात कभी समझती नहीं, वैसे ही वो भी सब सुनते हुए बस मुस्कुराते थे, मानो कह रहे हों—"भाषण देते रहो, कोषागार मेरे पास है।" बेटी मायके आई थी तो घर संसद बना हुआ था और बेटा ऑफिस से वर्क फ्रॉम होम का इस्तीफा लेकर 'सांसदीय बहस' में बराबरी से शामिल था। मैं सोच रही थी, ये खुशी का सत्र है, या ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले-वाला 'सर्वसम्मत हलचल'।

पलंग पर चारों एक साथ बैठे थे, जैसे भारतीय परिवार की संयुक्त समिति हो। बेटी ने छेड़ा—"मम्मी, भैया ने बिन बताए शादी कर ली है, और वह कल आ रही है घर।" सुनते ही मेरा लोकतांत्रिक दिल भ्रष्टाचार-बिरोधी नारे लगाने लगा—कौन है लड़की? कहाँ की है? किस राज्य, किस जाति, किस बिरादरी से आती है? क्या शिक्षा-दीक्षा है? रंग-रूप कैसा है? पर नीर? वे तो ऐसे खिलखिला उठे जैसे भ्रष्ट विधायक खरीदकर सरकार बना ली हो। आँखें ऐसी टिमटिमा रही थीं कि जैसे बिजली बोर्ड में उनके व्यक्तिगत मीटर फिट हैं। बेटे-बेटी शोर कर रहे थे, मुझे लगा किसी बहस की कार्यवाही बिना माइक चले लाइव हो रही है। पर असली झटका तो तब लगा जब नीर ने अपने ठेकेदार दोस्त छाबड़ा को फोन लगाया—"ओये! कल से बेटा-बहू का अलग कमरा ऊपर बनाना है, बहू आ रही है!"

सुनते ही मैं गश खा गई। मुझे लगा, ये वही नेता है जो सभागार में चुपचाप बैठा रहा और अचानक विश्वास मत में कूदकर पूरा मंत्रालय अपने नाम कर ले गया। मैं सोच ही रही थी कि कमरे में जो नारेबाजी चल रही है, वह खाने के मेन्यू पर टिक गई। बहू को क्या परोसा जाएगा—पुलाव या पोंगल, हलवा या गुलाबजामुन? ये तय हो रहा था। और मैं? मेरे हिस्से में सवालों का थाल आया—अलग कमरा, बहू, बेटा—तो मैं अब केवल पुरानी फाइल हूँ, जिसे आर्काइव में डाल दिया जाता है। सुबह पाँच बजे उनका हाथ मेरे गाल पर था और आदेश भी था—"अनु, बहू स्वागत में कोई कमी न हो।

बेटे की वचन की डोर पकड़े चली आ रही है।" मैंने सोचा—अब तक जिस डोर से ये बँधे थे, उसका नाम क्या था? अखिल भारतीय जूट का रस्सा? या पत्नी उत्थान संहिता?

पर जब डोरबेल बजी और बहू धर्मसभा की देवी की तरह दहलीज़ पर खड़ी दिखी, सबने तालियाँ बजाईं, और मैं भीतर से टूटी। दरअसल बहू का स्वागत नहीं हुआ था, मेरा पदच्युत होना हुआ था। एक महिला विपक्ष से सत्ता गँवाकर शाहीन बाग में खामोश बैठाने भेज दी गई थी। घर में बहू आई, पर भीतर मैं मर गई—जैसे हर लोकतंत्र में जनता हर पांच साल बाद मर जाती है, और तालियाँ बजाने का हक़ बस चुने हुए कुछ को ही मिलता है।

त्योहारों से आगे की सच्चाई

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण आज केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा गहन संकट बन चुका है। हर वर्ष जब सर्दियाँ आती हैं या दिवाली का पर्व नज़दीक होता है, तब देश भर में वायु प्रदूषण पर अचानक चर्चाएँ तेज़ हो जाती हैं। समाचार चैनल, अख़बार और सोशल मीडिया पर धुंध और स्मॉग की तस्वीरें छा जाती हैं। कुछ हफ्तों के लिए लोग मास्क पहनते हैं, सरकारें आपात योजनाएँ बनाती हैं और फिर धीरे-धीरे यह विषय भूल जाता है। यही प्रवृत्ति—जिसमें प्रदूषण को केवल कुछ दिनों की मौसमी समस्या माना जाता है—वास्तव में सबसे बड़ी गलती है। क्योंकि वायु प्रदूषण भारत में कोई त्योहारों तक सीमित या अस्थायी समस्या नहीं, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाली बहु-स्रोत और बहु-क्षेत्रीय चुनौती है।

भारत के अधिकांश शहरों में हवा की गुणवत्ता सालभर ख़राब बनी रहती है। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट वर्ष 2024 के अनुसार, दुनिया के दस सबसे प्रदूषित शहरों में से नौ भारत में हैं, जिनमें दिल्ली, गाज़ियाबाद, भिवाड़ी, फरीदाबाद और लुधियाना प्रमुख हैं। दिल्ली का औसत पीएम 2.5 स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा से अठारह गुना अधिक पाया गया। यदि इसे केवल दिवाली के समय पटाखों से जोड़ दिया जाए, तो यह वास्तविक समस्या की गहराई को छिपा देता है। प्रदूषण के मुख्य कारण वर्षभर सक्रिय रहते हैं—वाहनों से निकलने वाला धुआँ, उद्योगों के उत्सर्जन, निर्माण कार्य की धूल, कचरा और पराली का दहन, थर्मल पावर संयंत्रों से निकलते गैस कण, और घरेलू ईंधनों का प्रयोग।

समस्या को केवल मौसमी मान लेने से नीतियाँ भी प्रतिक्रियात्मक हो जाती हैं। सरकारें तब सक्रिय होती हैं जब प्रदूषण चरम पर पहुँच जाता है। कुछ दिनों के लिए स्कूल बंद कर दिए जाते हैं, वाहनों के लिए ऑड-ईवन योजना लागू होती है, पटाखों पर रोक लगाई जाती है या निर्माण गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाता है। ये कदम अस्थायी राहत तो देते हैं, परंतु मूल कारणों को नहीं मिटाते। जैसे ही मौसम बदलता है, सारी नीतियाँ ठंडी पड़ जाती हैं। यह दृष्टिकोण समस्या को टालने का है, हल करने का नहीं। वायु प्रदूषण का प्रभाव केवल कुछ हफ्तों तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे वर्ष हमारे शरीर पर असर डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर साल लगभग सत्रह लाख लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण से होती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के एक अध्ययन में पाया गया कि दिल्ली में बच्चों में अस्थमा, एलर्जी और फेफड़ों की बीमारियों के मामलों में पूरे वर्ष दस से पंद्रह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह सिद्ध करता है कि प्रदूषण का दुष्प्रभाव मौसमी नहीं, स्थायी है।

इसके साथ ही यह अर्थव्यवस्था को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। विश्व बैंक की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि भारत को हर वर्ष वायु प्रदूषण के कारण सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक दशमांश से अधिक नुकसान होता है। कार्य दिवसों की हानि, स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि, उत्पादकता में कमी और चिकित्सा भार में बढ़ोतरी से देश की आर्थिक प्रगति प्रभावित होती है।

यदि वायु प्रदूषण के स्रोतों की बात की जाए, तो परिवहन क्षेत्र इसका सबसे बड़ा कारण है। भारत में करोड़ों वाहन सड़कों पर हैं, जिनमें अधिकांश पेट्रोल या डीज़ल पर चलते हैं। पुराने ट्रक और बसें भारी मात्रा में धुआँ छोड़ती हैं। छोटे वाहनों की संख्या इतनी अधिक है कि उनके उत्सर्जन से हवा में नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। औद्योगिक क्षेत्र भी प्रदूषण में बड़ा योगदान देता है। कई छोटे और मध्यम उद्योग अभी तक स्वच्छ ईंधन का उपयोग नहीं करते। पुराने बॉयलर और कोयले पर आधारित संयंत्र सल्फर डाइऑक्साइड और धात्विक कण उत्सर्जित करते हैं।

निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल भी बड़े पैमाने पर प्रदूषण फैलाती है। सड़कों पर खुली मिट्टी, निर्माण सामग्री का खुले में ढेर, और बिना आवरण के ट्रकों द्वारा रेत और सीमेंट का परिवहन हवा में कण फैलाता है। इसी तरह, हर साल पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएँ उत्तर भारत के शहरों की हवा को जहरीला बना देती हैं। शोध बताते हैं कि पराली जलाने से दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण के स्तर में 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है।

घरेलू ईंधन जैसे लकड़ी, कोयला या गोबर केक जलाने से भी खासकर गरीब परिवारों में प्रदूषण का स्तर बहुत बढ़ जाता है। कोयला आधारित बिजली संयंत्र अभी भी देश की ऊर्जा का लगभग साठ प्रतिशत हिस्सा देते हैं, और इनमें से कई पुराने संयंत्र प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के बिना चल रहे हैं।इन सभी स्रोतों पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि नीति और शासन में दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाया जाए। केंद्र, राज्य और नगर निकायों के बीच समन्वय की कमी आज भी एक बड़ी बाधा है। कई शहरों में वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र तक नहीं हैं, जिससे वास्तविक आंकड़े उपलब्ध नहीं हो पाते। जन-जागरूकता का स्तर भी बेहद कम है। नागरिक प्रदूषण को केवल खराब वायु के दिनों से जोड़ते हैं, न कि इसे अपनी दैनिक जिम्मेदारी मानते हैं।

4 दिवसीय छठ पूजा की शुरुआत कल से

छठ महापर्व मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल में मनाया जाता है। इन राज्यों के अलावा दिल्ली और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भी छठ महापर्व की रौनक देखने को मिलती है। छठ पर्व की शुरुआत नहाय-खाय के साथ होती है और उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही इस पर्व का समापन किया जाता है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि 4 दिवसीय छठ महापर्व कब से शुरू होगा और नहाय-खाय से लेकर सूर्य अर्घ्य की सही तिथियां क्या हैं।

छठ पर्व 2025 की तिथियां

नहाय-खाय - शनिवार, 25 अक्टूबर 2025 (कार्तिक माह शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि)

खरना- रविवार, 26 अक्टूबर 2025 (कार्तिक माह शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि)

अस्तचलगामी सूर्य को शाम को अर्घ्य- सोमवार (कार्तिक माह शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि)

उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य- मंगलवार (कार्तिक माह शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि)

नहाय-खाय

छठ महापर्व की शुरुआत चतुर्थी तिथि के दिन नहाय-खाय के साथ की जाती है। इस दिन व्रती सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। ज्यादातर इस दिन लौकी, चावल या दाल का सेवन किया जाता है।

खरना

पंचमी तिथि के दिन खरना होता है। इस दिन व्रती पूरे दिन भर उपवास रखकर शाम के वक्त गुड़ की खीर प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं और फिर 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है।

अस्तचलगामी सूर्य को शाम को अर्घ्य (छठ)

षष्ठी तिथि के दिन सूर्यास्त के समय डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। कार्तिक शुक्ल षष्ठी के दिन को ही मुख्य रूप से छठ के रूप में जाना जाता है।

उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य

सप्तमी तिथि के दिन उगते सूर्य को व्रती अर्घ्य देते हैं और व्रत का पारण करते हैं। इसके साथ ही छठ महापर्व का समापन हो जाता है।

छठ पूजा का महत्व

छठ पूजा का सबसे बड़ा संदेश है प्रकृति और मानव का संतुलन। इस पर्व में सूर्य देव की पूजा की जाती है, क्योंकि सूर्य को जीवनदायी शक्ति, स्वास्थ्य और ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। वहीं, छठी मैया की आराधना संतान की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए की जाती है।

इस पर्व की विशेषता यह है कि इसमें कोई पुरोहित नहीं होता। परिवार की महिलाएँ या पुरुष स्वयं ही पूजा करते हैं। इस पूजा में स्वच्छता, पवित्रता और तपस्या का पालन करना अनिवार्य होता है। व्रती 36 घंटे तक निर्जल और निराहार रहकर उपवास करते हैं और अंत में सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

बिहार से जुड़ाव

छठ पूजा का उद्गम बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश की गंगा घाटी से माना जाता है। बिहार की मिट्टी, यहाँ की नदियाँ और यहाँ की कृषि संस्कृति इस पर्व से गहराई से जुड़ी हुई है।

यहाँ के गाँवों और शहरों में हर साल छठ पर तालाबों, नदियों और पोखरों की सफाई की जाती है।

लोकगीतों की परंपरा, खासकर महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले "छठ गीत", इसे और खास बना देते हैं।

यहाँ का सामाजिक ढांचा भी छठ के समय बदल जाता है—गाँव के हर व्यक्ति, चाहे अमीर हो या गरीब, जाति या धर्म कोई भी हो, सभी एक साथ घाट पर उपस्थित होते हैं।

ऐतिहासिक मान्यता

पौराणिक कथाओं के अनुसार, छठ पूजा की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। कहा जाता है कि जब पांडव अपना राज्य खो चुके थे, तब द्रौपदी ने छठी मैया की पूजा की और उसके बाद उनका संकट टल गया। वहीं, एक मान्यता यह भी है कि सूर्य पुत्र कर्ण छठ पूजा के प्रथम उपासक थे।

तुलसी के ये आसान उपाय दिलाएंगे मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

हमारे घरों में तुलसी का पौधा सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि आस्था और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म में तुलसी माता को बेहद पवित्र और शक्तिशाली माना गया है। कहा जाता है कि जहां तुलसी का पौधा होता है, वहां नकारात्मक ऊर्जा नहीं टिकती और घर में सुख-शांति बनी रहती है। शास्त्रों में बताया गया है कि तुलसी मां की पूजा करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी दोनों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। खास बात यह है कि तुलसी के कुछ छोटे-छोटे उपाय आपकी किस्मत का रुख बदल सकते हैं। अगर आप आर्थिक परेशानी, करियर की रुकावट या मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से गुजर रहे हैं, तो तुलसी के ये आसान उपाय आपको राहत दे सकते हैं।

लाल कपड़े में रखें तुलसी

अगर लंबे समय से धन की तंगी बनी हुई है या आपकी सेविंग्स टिक नहीं रही हैं, तो तुलसी के इस उपाय को जरूर अपनाएं। इसके लिए तुलसी की कुछ सूखी पत्तियां लेकर उन्हें लाल कपड़े में बांधें और अपनी तिजोरी या जहां आप पैसे रखते हैं वहां रख दें। यह उपाय धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करता है और घर में धन का प्रवाह बढ़ाता है। मान्यता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक समस्याएं धीरे-धीरे खत्म होने लगती हैं और घर में समृद्धि का वास होता है।

तुलसी को चढ़ाएं जल और हल्दी

सुबह-सुबह तुलसी के पौधे को जल चढ़ाना बेहद शुभ माना जाता है, लेकिन अगर आप इसमें हल्दी मिला दें तो इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। शास्त्रों के अनुसार, हल्दी और जल मिलाकर तुलसी माता को अर्पित करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दौरान तुलसी माता के सामने अपनी इच्छाओं को सच्चे मन से बोलें। माना जाता है कि यह उपाय जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है और हर रुका हुआ काम धीरे-धीरे पूरा होने लगता है।

तुलसी के पास रोज जलाएं दीपक

हर शाम तुलसी के पौधे के पास घी या तेल का दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना गया है। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और बुरी नजर से रक्षा होती है। अगर आप नौकरी या बिजनेस में सफलता चाहते हैं, तो तुलसी के पास दीपक जलाकर भगवान विष्णु का नाम लेना बहुत प्रभावी उपाय है। यह उपाय न सिर्फ आर्थिक रूप से मजबूती देता है बल्कि घर के माहौल को भी शांत और सुखद बनाता है।

भगवान विष्णु को चंदन का तिलक और मां लक्ष्मी को लाल चुनरी

शास्त्रों के अनुसार, तुलसी पूजा के दौरान भगवान विष्णु को चंदन का तिलक और मां लक्ष्मी को लाल चुनरी अर्पित करना बेहद शुभ माना जाता है। इसके साथ ही भोग में तुलसी की पत्तियां शामिल करें। यह उपाय पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ाने, वैवाहिक जीवन में समझदारी और सौहार्द लाने में मदद करता है। इसे करने से रिश्तों में मिठास आती है और जीवन में शांति बनी रहती है।

तुलसी के पौधे के नीचे रखा सिक्का

अगर आपके घर में लगातार पैसों की दिक्कत बनी रहती है, तो तुलसी के पौधे के नीचे एक चांदी या तांबे का सिक्का रखें। ध्यान रहे कि यह सिक्का साफ और पवित्र होना चाहिए। इस उपाय से धन की रुकावटें दूर होती हैं और घर में आर्थिक स्थिरता आती है।

समुद्र से निकले 14 रत्न में से एक पारिजात वृक्ष

पारिजात वृक्ष, जिसे हरसिंगार या नाइट जैस्मिन भी कहा जाता है, सच में एक अलौकिक और दिव्य वृक्ष है। इसका नाम सुनते ही एक सुंदर, सुगंधित और रहस्यमय पेड़ की छवि मन में उभर आती है। इसका आयुर्वेद और पुराणों में खास महत्व बताया गया है। समुद्र मंथन के समय जो चौदह रत्न निकले थे, उनमें से एक पारिजात भी था। कहते हैं कि इसे स्वर्ग में इंद्र के बगीचे में लगाया गया था और इसे छूने का अधिकार केवल

अप्सरा उर्वशी को था।

इसलिए कहा जाता है कल्पवृक्ष

पारिजात रात के समय खिलता है और सुबह होते ही अपने फूल जमीन पर बिखेर देता है। इसकी खुशबू इतनी मनमोहक होती है कि वातावरण पूरी तरह सुगंधित हो जाता है। इसकी सबसे बड़ी पहचान है सफेद फूल और केसरिया डंठल। यही वजह है कि इस वृक्ष को कल्पवृक्ष भी कहा जाता है, जो मन की इच्छाएं पूरी करने वाला माना जाता है।

सत्यभामा की वाटिका में लगा दिया

कहते हैं कि जब देवर्षि नारद ने पारिजात के फूल भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा को भेंट किए, तो वे इतनी प्रसन्न हुईं कि उन्होंने श्रीकृष्ण से यह वृक्ष अपनी वाटिका में लाने की जिद कर दी। इंद्र ने यह मांग ठुकरा दी, लेकिन श्रीकृष्ण ने गरुड़ पर सवार होकर स्वर्ग से यह वृक्ष लाकर सत्यभामा की वाटिका में लगा दिया। दिलचस्प बात यह है कि इसके फूल रुक्मिणी की वाटिका में गिरते थे। यही वजह है कि इस वृक्ष से जुड़ी कई रोचक कथाएं प्रचलित हैं।

फूल तोड़ने की मनाही

पारिजात वृक्ष दिखने में 10 से 15 फीट ऊंचा होता है और यह हजारों साल तक जीवित रह सकता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके फूल तोड़ने की मनाही है सिर्फ वही फूल उपयोग में लाए जाते हैं जो अपने आप गिर जाते हैं। यह वृक्ष ना केवल वातावरण को महकाता है बल्कि नकारात्मक ऊर्जा को भी दूर करता है।

औषधीय वृक्ष है पारिजात

आयुर्वेद में पारिजात को औषधीय वृक्ष माना गया है। खासकर साइटिका यानी कमर से पैर तक के दर्द में यह बहुत कारगर है। इसके 10-15 ताजे पत्तों को पानी में उबालकर बना काढ़ा सुबह-शाम पीने से दर्द में तुरंत राहत मिलती है। साथ ही यह जोड़ों के दर्द, बुखार और शरीर की थकान को भी मिटाता है।

किसने लगाया था सबसे पहले सिंदूर, कैसे शुरू हुई परंपरा?

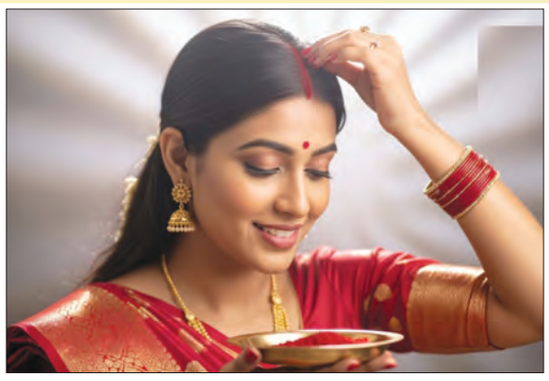

हिंदू धर्म में सुहागन महिलाएं अपनी मांग में सिंदूर भरती हैं, लेकिन सिंदूर भरने की परंपरा कब से शुरू हुई और सबसे पहले सिंदूर किसने लगाया था क्या आपको पता है अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं। दरअसल, सिंदूर हर हिंदू विवाहित महिला की पहचान है। सिंदूर को अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है और ये विवाहित महिला की शक्ति और समर्पण का भी प्रतीक है। यही वजह है कि हर हिंदू महिला विवाह के बाद मांग में सिंदूर भरती है।

क्या है पौराणिक कहानी

कई हिंदू धर्म शास्त्रों में सिंदूर लगाने के महत्व के बारे में बताया भी गया है। शिव पुराण में वर्णन मिलता है कि माता पार्वती ने वर्षों तक भगवान शिव को वर के रूप में प्राप्त करने के लिए तपस्या की थी। जब भगवान शिव ने मां पार्वती को अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार कर लिया, तो मां पार्वती ने सुहाग के प्रतीक के रूप में सिंदूर मांग में लगाया था। साथ ही उन्होंने कहा था कि जो स्त्री सिंदूर लगाएगी उसकी पति को सौभाग्य और लंबी आयु की प्राप्ति होगी। धार्मिक मतों के अनुसार सबसे पहले माता पार्वती ने ही सिंदूर लगाया था और तभी से ये परंपरा चल पड़ी।

माता पार्वती से शुरू हुई थी मांग में सिंदूर भरने की प्रथा

सबसे पहले जो प्रथा शुरू हुई है वो आदिकाल से शुरू हुई है और इस प्रथा के अंतर्गत जो हमारे देवी देवता हैं उनमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश जी आते हैं। लक्ष्मी जी और पार्वती जी अखंड सौभाग्य धारणी हैं इनका सौभाग्य अटल है।

होती है जल्दी शादी

वैसे मस्तक पर सिंदूर लगाने से विभिन्न प्रकार के दोष दूर होते हैं और जिस स्त्री कन्या का विवाह ना हो रहा हो वह अगर पार्वती मैया का गढ़ जोड़ा शिव परिवार के साथ करे तो विवाह जल्दी होता है।

माता पार्वती ने किया था घोर तपस्या

मां पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कल्पों तक तपस्या की थी। भगवान की शिव के गले में जितने नरमुंडों की माला है उतने जन्मों तक पार्वती माँ ने तपस्या करी है। भगवान शिव के गले में 108 नरमुंडों की माला है मां पार्वती ने 7 जन्मों तक तपस्या करी तब जाकर के राजा हिमालय के यहां पर यह उत्पन्न हुई। दक्ष के यहां पर उसके पाश्चात्य पुत्री रूप में आई और भगवान शिव ने इनको ग्रहण किया पाणिग्रहण संस्कार किया।

सकारात्मक सीख

जीवन में असफलता आना स्वाभाविक है, किंतु पुनः प्रयास करने से ही सफलता प्राप्त होती है। पुनः प्रयास वह शक्ति है जो व्यक्ति को हार मानने न दे। यह न केवल आत्मविश्वास बढ़ाता है, अपितु नई ऊँचाइयों तक पहुँचाता है। उदाहरणस्वरूप, थॉमस एडिसन ने बल्ब का आविष्कार करने के लिए दस हजार से अधिक असफलताओं का सामना किया। उन्होंने कहा, ₹मैं असफल नहीं हुआ, मैंने केवल दस हजार वे तरीके खोजे जो काम नहीं करते।₹ उनका पुनः प्रयास आज दुनिया को प्रकाश प्रदान कर रहा है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी ने अनेक असफलताओं के बावजूद पुनः प्रयास किया। नमक सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन आदि में हार मिली, किंतु उन्होंने हार न मानी। परिणामस्वरूप भारत को स्वतंत्रता मिली। इसी प्रकार, अब्दुल कलाम ने प्रारंभिक असफलताओं के बाद पुनः प्रयास कर मिसाइल मैन बने। पुनः प्रयास के लाभ अनेक हैं। यह धैर्य सिखाता है, अनुभव प्रदान करता है तथा लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होता है। विद्यार्थी परीक्षा में असफल हो तो पुनः प्रयास से सफल होता है। खिलाड़ी हारने पर अभ्यास कर विजयी बनता है। व्यवसाय में हानि हो तो नई रणनीति से लाभ कमाया जाता है।

हालाँकि, पुनः प्रयास में सावधानी बरतनी चाहिए। गलतियों से सीखना आवश्यक है। अंधे प्रयास व्यर्थ होते हैं। योजना बनाकर प्रयास करें।निष्कर्षतः, पुनः प्रयास जीवन का मूलमंत्र है। ₹हार मत मानो, पुनः प्रयास करो₹ – यह वाक्य जीवन बदल देता है। सफल व्यक्ति वे हैं जो असफलताओं से घबराते नहीं। पुनः प्रयास से ही जीवन सार्थक होता है।

भैया दूज पर केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

श्री केदारनाथ धाम के कपाट गुरुवार सुबह बंद कर दिए गए। इसके साथ ही बाबा केदार की डोली (पालकी) भक्तिमय मंत्रोच्चार और गढ़वाल राइफल्स बैंड की मधुर धुनों के बीच उखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर स्थित अपने शीतकालीन गद्दीस्थल के लिए रवाना हो गई। इसके साथ ही चार धामों में से तीन के कपाट आधिकारिक तौर पर शीतकाल के लिए बंद हो गए हैं। गंगोत्री धाम बुधवार को बंद हो गया था, जबकि केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट गुरुवार को बंद हो गए हैं।

25 नवंबर को बंद होंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को बंद होंगे, जिसके साथ ही चार धाम यात्रा 2025 का औपचारिक समापन होगा। बद्री-केदार मंदिर समिति के अनुसार भक्तों के लिए रातभर बाबा केदार के दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। भक्तों को मध्यरात्रि से सुबह 4 बजे तक प्रवेश की अनुमति दी गई थी, जिसके बाद सुबह 5 बजे से 6 बजे तक बाबा केदार की समाधि पूजा की गई। इस अनुष्ठान के दौरान, भगवान के स्वयंभू शिवलिंग को परंपरा के अनुसार पवित्र भस्म, अनाज, फल, फूल, रुद्राक्ष और एक सफेद कपड़े से ढका गया। आंतरिक गर्भगृह को सुबह 6 बजे बंद कर दिया गया और मुख्य पूर्वी गेट को ठीक सुबह 8:30 बजे बंद कर दिया गया है।

25 अक्टूबर को ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचेगी डोली

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी

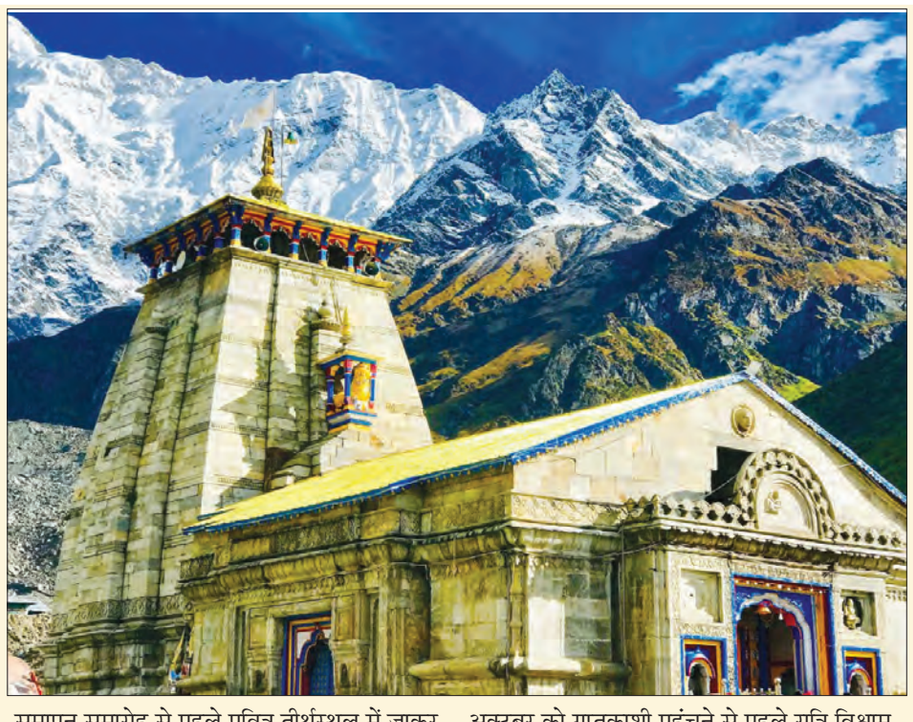

समापन समारोह से पहले पवित्र तीर्थस्थल में जाकर पूजा-अर्चना की थी। कार्यक्रम के अनुसार, बाबा केदार की पंचमुखी मूर्ति को लेकर उनकी डोली 24 अक्टूबर को गुप्तकाशी पहुंचने से पहले रात्रि विश्राम के लिए रामपुर में रुकेगी। इसके बाद अगले दिन 25 अक्टूबर को डोली उखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचेगी, जो भगवान का शीतकालीन गद्दी स्थल है, जहां अगले छह महीनों तक पूजा-अर्चना की जाएगी, जब तक कि अगले वर्ष कपाट फिर से नहीं खुल जाते।

जय बाबा केदार का जयघोष

इस दौरान पूरी केदारघाटी हर हर महादेव और जय बाबा केदार के जयघोष से गूंज उठी। कपाट बंद होने के मौके पर केदारनाथ मंदिर को फूलों से सजाया गया है। बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होने तक चार धाम यात्रा बड़े उत्साह के साथ जारी है। इस वर्ष 30 अप्रैल से अब तक 45 लाख से अधिक श्रद्धालु चार धामों के दर्शन कर चुके हैं।

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है केदारनाथ भगवान

शास्त्रों के अनुसार, केदारनाथ भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह धाम उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में हिमालय की गोद में, मन्दाकिनी नदी के किनारे स्थित है। स्कन्द पुराण में कहा गया है कि महाभारत के युद्ध के बाद पाण्डव अपने पापों के प्रायश्चित हेतु भगवान शिव की शरण में गए थे। शिवजी उनसे मिलने से बचने के लिए केदार (हिमालय) में प्रकट हुए और वहां उन्होंने बैल (नंदी) का रूप धारण किया। पाण्डवों ने जब नंदी रूप में शिव को पहचान लिया तो शिवजी भूमिगत हो गए। उसी स्थान पर केदारनाथ ज्योतिर्लिंग प्रकट हुआ। यह स्थल मोक्षदायक क्षेत्र माना गया है। यहां दर्शन मात्र से पाप नष्ट होते हैं और मनुष्य को शिव सायुज्य की प्राप्ति होती है।

बैंकर बनने निकली परिणीति चोपड़ा, जो बन गई बॉलीवुड एक्ट्रेस

पंजाबी परिवार की वो लड़की जो अंबाला की सड़कों पर सपने बुन रही थी, वह आज बॉलीवुड की सबसे चहेती हीरोइन बन चुकी है, नाम है परिणीति चोपड़ा।22 अक्टूबर 1988 को अंबाला के एक मध्यमवर्गीय पंजाबी परिवार में जन्मी परिणीति ने कभी नहीं सोचा था कि वह सिल्वर स्क्रीन की रानी बनेगी। अंबाला में स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने लंदन के मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल से मार्केटिंग में डिग्री ली। वह एक इन्वेस्टमेंट बैंकर बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। यश राज फिल्म्स में पब्लिसिटी असिस्टेंट की नौकरी मिली और वहीं से शुरू हुई उनकी फिल्मी यात्रा। 2011 में आई 'लेडीज वर्सेज रिकी बहल' ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। उसके बाद 'इश्कजादे', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'हंसी तो फंसी' और 'नमस्ते इंग्लैंड' जैसी फिल्मों ने साबित किया कि परिणीति हर किरदार में कमाल कर सकती हैं। रोमांटिक, कॉमेडी, एक्शन सबमें फिट! परिणीति की असली पहचान है उनकी सादगी। फिटनेस फ्रीक, जो योग और डांस से दिन शुरू करती हैं। सोशल मीडिया पर पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, और मेंटल हेल्थ की बात करती हैं।

परिणीति चोपड़ा का बॉलीवुड में आना महज एक करियर की कहानी नहीं है; यह किस्मत का एक ऐसा अनोखा दांव है जिसने एक सुव्यवस्थित जीवन योजना को पूरी तरह पलट दिया। जहां हजारों युवा आंखों में सपने लिए अभिनय की दुनिया में आना चाहते हैं, वहीं परिणीति की नजरें लंदन के वित्तीय बाजार पर टिकी थीं।

एक इन्वेस्टमेंट बैंकर बनने के सपने से लेकर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री बनने तक का उनका सफर भारतीय फिल्म जगत की सबसे अप्रत्याशित और प्रेरणादायक कहानियों में से एक है।

परिणीति का शुरुआती जीवन मुंबई के फिल्मी सेटों से बहुत दूर था। उन्होंने फाइनेंस और इकोनॉमिक्स में ट्रिपल ऑनर्स की

डिग्री हासिल की थी। उनका इरादा एक बड़ी इन्वेस्टमेंट बैंकर बनने का था। कहानी में बड़ा मोड़ 2009 में आया, जब वैश्विक आर्थिक मंदी ने बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार के दरवाजे बंद कर दिए।

अपने सपनों पर ताला लगता देख, परिणीति भारत लौटीं और अपनी कजिन, प्रियंका चोपड़ा, की मदद से यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) के मार्केटिंग और जनसंपर्क (पीआर) विभाग में इंटर्नशिप शुरू कर दी। यह वह जगह है जहां उनके करियर का सबसे अनोखा किस्सा शुरू होता है।

परिणीति ने एक बार एक इंटरव्यू में स्वीकार किया था कि उन्हें अभिनय से खास लगाव नहीं था, बल्कि वह इसे मेकअप और दिखावे का काम मानती थीं। अब उनका काम पर्दे के पीछे से उन्हीं अभिनेताओं के पीआर को संभालना था, जिसमें उनकी पहली फिल्म की सह-कलाकार अनुष्का शर्मा भी शामिल थीं।

वाईआरएफ में काम करते हुए स्टूडियो के कास्टिंग डायरेक्टर ने उनकी शख्सियत को देखकर मजाक में उन्हें एक डमी ऑडिशन देने को कहा। परिणीति ने इसे महज एक खेल समझा और फिल्म 'जब वी मेट' में करीना कपूर के किरदार 'गीत' के कुछ संवाद रिकॉर्ड करवा दिए।

यह अनौपचारिक ऑडिशन टेप वाईआरएफ प्रमुख आदित्य चोपड़ा तक पहुंचा। वह परिणीति की स्वाभाविक ऊर्जा और अभिनय प्रतिभा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने तुरंत उन्हें मार्केटिंग विभाग से हटाकर अभिनय के लिए तीन-फिल्म का करार का ऑफर दे दिया। उन्होंने परिणीति से कहा कि वह पीआर में समय बर्बाद कर रही हैं और उनका स्थान कैमरे के सामने है।

इसके बाद साल 2011 में फिल्म 'लेडीज वर्सेज रिकी बहल' में सहायक भूमिका के साथ धमाकेदार शुरुआत की और सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। इसके ठीक अगले ही साल 2012 में उन्हें उनकी मुख्य भूमिका वाली फिल्म इश्कजादे के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार- स्पेशल मेंशन मिला। बाकी तो इतिहास है।

जैकी श्रॉफ ने कादर खान और अजीत को दी श्रद्धांजलि

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हुए हैं जिन्होंने अपने अभिनय और संवादों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। इनमें कादर खान और अजीत जैसे नाम आज भी लोगों की यादों में जिंदा हैं।

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इन दोनों दिवंगत कलाकारों को श्रद्धांजलि दी।यह दिन खास था क्योंकि जहां एक ओर यह कादर खान की 88वीं जयंती थी, वहीं दूसरी ओर अजीत की 27वीं पुण्यतिथि भी थी। जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर दोनों कलाकारों को सादगी से याद किया। कादर खान को श्रद्धांजलि देते हुए जैकी श्रॉफ ने लिखा, कादर खान जी को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं।

कादर खान ने 1973 में फिल्म 'दाग' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने एक वकील की भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया। वह सिर्फ एक अच्छे अभिनेता ही नहीं थे, बल्कि एक बेहतरीन संवाद लेखक भी थे। उन्होंने 200 से अधिक फिल्मों के डायलॉग लिखे। उन्होंने अमिताभ बच्चन, गोविंदा, मिथुन चक्रवर्ती और अनिल कपूर जैसे दिग्गजों के साथ काम किया और मनमोहन देसाई और डेविड धवन जैसे लोकप्रिय निर्देशकों के साथ भी उनका रचनात्मक सहयोग रहा।

कादर खान की प्रमुख फिल्मों में 'हिम्मतवाला', 'आंखें', 'कुली नंबर 1', 'दूल्हे राजा', और 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी फिल्में शामिल हैं। उन्होंने पारिवारिक ड्रामा से लेकर कॉमिक किरदारों तक हर भूमिका को बखूबी निभाया। 'घर हो तो ऐसा', 'बीवी हो तो ऐसी', और 'जैसी करनी वैसी भरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने दर्शकों को खूब हंसाया और भावुक भी किया। 2018 में, एक लंबी बीमारी के बाद, 81 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। वह सुप्रान्यूक्लीयर पाल्सी नाम की एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित थे।

वहीं, जैकी श्रॉफ ने अजीत को भी याद किया और उनके एक मशहूर डायलॉग के साथ उनकी फोटो साझा की। उन्होंने लिखा, "अजीत जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए।"

बता दें कि अजीत का असली नाम हामिद अली खान था। वे करीब चार दशकों तक हिंदी सिनेमा का हिस्सा रहे और 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उन्होंने शुरुआती दौर में लीड एक्टर के रूप में काम किया और 'बेकसूर', 'नास्तिक', 'बड़ा भाई','मुगल-ए-आजम', और, 'नया दौर' जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं।

बाद में वे विलेन के रूप में मशहूर हुए और उनके संवाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं, खासकर 'सारा शहर मुझे लायन के नाम से जानता है' जैसे डायलॉग्स ने उन्हें अमर बना दिया।

अजीत का 1998 में हैदराबाद में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उन्होंने 76 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली।

'असरानी की तरह हो मेरा अंतिम संस्कार : अन्नू कपूर

अन्नू कपूर, फिल्म इंडस्ट्री के एक जाने माने एक्टर, निर्देशक और टीवी होस्ट हैं. अन्नू ने कई फिल्मों और शो में काम किया है. अपनी अनूठी परफॉरमेंस के साथ उन्होंने दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ी है. उन्होंने इंडस्ट्री में अपने लिए एक ऐसी जगह बनाई है, जिसे भरना मुश्किल है. अब उन्होंने लेजेंडरी एक्टर असरानी को लेकर बात की है. दिवाली के दिन, 20 अक्टूबर को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सीनियर एक्टर और कॉमेडियन असरानी का निधन हो गया था. असरानी ने हमेशा चाहा था कि उनकी विदाई सादगी और शांति से हो. इसी के चलते उनके परिवार ने उनके अंतिम संस्कार को प्राइवेट रखा. एक एजेंसी के साथ बातचीत में अन्नू कपूर ने असरानी की शांतिपूर्ण और निजी विदाई की इच्छा का जिक्र किया. अन्नू ने कहा कि अगर उनका निधन भी किसी त्योहार या बड़े नेशनल इवेंट के दौरान होती है, तो वह भी एक शांत विदाई चाहते हैं.

अन्नू कपूर ने कहा, 'उनकी इस इच्छा ने मुझे भी प्रेरित किया... जब मेरा इस दुनिया नामक होटल से चेक आउट करने का समय आए और वो तिथि और वो समय किसी राष्ट्रीय पर्व से जुड़ा हो... 15 अगस्त या 26 जनवरी से जुड़ा हो... या किसी त्योहार से जुड़ा हो... दिवाली से जुड़ा हो... होली से जुड़ा हो... ईद से जुड़ा हो... तो मेरा भी अंतिम संस्कार गुप्त रूप से किया जाए. मैं किसी को परेशान नहीं करना चाहता हूं... और मैं इस दुनिया में बोझ बनकर नहीं जीना चाहता.'

दिग्गज एक्टर और कॉमेडियन गोवर्धन असरानी का निधन 20 अक्टूबर की शाम को निधन हुआ था. वह 84 साल के थे. सेहत संबंधी दिक्कतों के कारण करीब पांच दिन पहले असरानी को मुंबई के जुहू स्थित आरोग्य निधि अस्पताल में भर्ती कराया गया था. रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके फेफड़ों में पानी भर जाने से उनकी हालत बिगड़ गई थी. उनका अंतिम संस्कार सांताक्रूज श्मशान घाट में किया गया. ये एक शांत समारोह था, जिसमें सिर्फ एक्टर के परिवारवाले और करीबी शामिल हुए थे. दिवाली की रात दुखद खबर आने से उनके फैन्स और फिल्म जगत सदमे में है.

परिवार के अनुसार, असरानी ने हमेशा चाहा था कि उनकी विदाई सादगी और शांति से हो. उन्होंने अपनी पत्नी मंजू से कहा था कि उनकी मौत के बाद सार्वजनिक हलचल या मीडिया की भीड़ ना हो. इसी वजह से अंतिम संस्कार काफी प्राइवेट रखा गया. अंतिम क्रिया के बाद ही उनके निधन की खबर सार्वजनिक की गई. असरानी ने जैसा चाहा था, उनके परिवार ने उन्हें उसी तरह से अंतिम विदाई दी. एक्टर के जाने से फिल्म इंडस्ट्री में शोक पसरा हुआ है. वहीं चाहनेवाले भी उन्हें याद कर रहे हैं.

'रोजी-रोटी बंद हो जाएगी' पवन सिंह के लिए बोलीं ज्योति, छलके आंसू

ज्योति सिंह और पवन सिंह के झगड़े की असली वजह सामने आ चुकी है. ज्योति सिंह का कहना पवन सिंह का परिवार उन्हें और उनके पति को एक नहीं होने दे रहा है. लोग पवन सिंह के कान भरते हैं कि और वो उनकी बातों में आकर अपना रिश्ता बिगाड़ रहे हैं.

पवन सिंह और ज्योति सिंह का शादीशुदा मुद्दा हर दिन एक नया मोड़ लेता दिख रहा है. इस बीच ज्योति सिंह ने काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है. चुनाव में बिजी चल रहीं ज्योति सिंह को इस समय सबसे ज्यादा जरूरत पवन सिंह की है. लेकिन वो उनके साथ नहीं हैं. बिहार तक संग एक्सक्लूसिव बातचीत में ज्योति सिंह ने पति और उनके परिवार को लेकर बड़ा बयान दिया है.

पवन सिंह का साथ चाहती हैं ज्योति

ज्योति सिंह से पूछा गया कि क्या वो पवन सिंह से आज भी उतना ही प्रेम करती हैं? जवाब में उन्होंने कहा- देखिए लोग पता नहीं किस तरह से देखते हैं. मैं सच्चाई आपको बता रही हूं कि मैं पवन जी से लड़ ही रही हूं, पवन सिंह जी के लिए. देखिए जितने भी लोगों ने बातें की कि ज्योति सिंह

सही या पवन सिंह गलत. पवन सिंह सही या ज्योति सिंह गलत. मुझे लगता है कि ये सारी जनता मिलकर अगर ये आवाज उठाती कि ज्योति सिंह, पवन सिंह को एक होना चाहिए. तो आज ज्योति सिंह और पवन एक होते.

मैं कह रही हूं कि मुझे मेरा पति मिल जाए. मेरी पति से बातचीत हो जाए. मैं चाहती हूं कि हम एक हो जाएं. कौन औरत नहीं चाहेगी कि उसका पति साथ हो. एक पति के साथ होने से बहुत ताकत मिलती है. एक उनका साथ नहीं मिलता है, तो बहुत जगह मैं खुद को कमजोर महसूस करती हूं. खैर, अगर मनुष्य जीवन मिला है, तो संघर्ष है. इतना कहकर ज्योति इमोशनल हो गईं और उनके आंसू छलक गए.

पवन सिंह की वजह से हुआ विवाद?

ज्योति सिंह से पूछा गया कि काराकाट चुनाव में पवन सिंह आपके साथ नहीं हैं, तो क्या कमी महससू हो रही है? इस पर ज्योति सिंह ने कहा कि कई जगह महसूस होता है कि अगर वो साथ होते, तो ऐसा नहीं होता. लेकिन भगवान महादेव के भरोसे लड़ रही हूं. लोगों ने इसे चुनाव से जोड़ दिया है. पति, पत्नी का रिश्ता बिना स्वर्थ का होता है. ये रिश्ता बहुत पवित्र होता है. जो चीज मेरे पति की है, वो मेरी है. जो मेरा है, वो मेरे पति का है.

पवन सिंह ने कहा था कि ज्योति सिंह विधायक बनने के लिए उनसे झगड़ा कर रही हैं. पति के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा- मैं जानती हूं कि वो शब्द पवन सिंह जी के नहीं थे. दिल टूटा था जब मैं उनसे मिलने लखनऊ गई और वहां पुलिस पहुंच गई. लोकसभा चुनाव में उनके एक कॉल पर मैं उनके साथ थी. कल को अगर हम लोग एक हो गए, तो जो इनके समर्थक हैं. वो किस मुंह से मुझे भाभी बोलेंगे.

अच्छे इंसान हैं पवन सिंह

ज्योति ने कहा कि एक महिला होकर मैं सात साल से संघर्ष कर रही हूं. वो एक बहुत अच्छे इंसान हैं. वो जो चीज सुनते हैं. वही सच मानते हैं. परिवार और दोस्त उनके कान भरते हैं. मैं उनसे 15 दिन का समय मांग रही थी, उनके साथ रहने के लिए. लेकिन उनके भाई धनंजय ने नहीं दिया. मैं 15 दिन में अपने पति के दिल में जगह बना सकती हूं. लेकि पवन सिंह अगर अपनी पत्नी को अपना लेते हैं, तो उनकी रोजी-रोटी बंद हो जाएगी. उनका परिवार नहीं चाहता कि हम साथ रहें. ज्योति सिंह ने पूछा गया कि क्या अक्षरा की वजह से उनका और पवन सिंह का रिश्ता बिगड़ा है. उन्होंने कहा कि इस पर मैं क्या बोलूं. वो भी एक महिला हैं. मैं इस पर कुछ नहीं कहना चाहूंगी.

अभिनेत्री की वे चार फिल्में जो समाज के लिए बनी आईना

बॉलीवुड की दिग्गज हस्तियों में शुमार अभिनेत्री स्मिता पाटिल ने भले ही कम उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन एक्ट्रेस की फिल्में आज भी फैंस के दिलों में जिंदा हैं।स्मिता पाटिल का जन्म 17 अक्टूबर 1955 को पुणे में हुआ था। शुक्रवार को स्मिता पाटिल के जन्मदिन पर उनके पति राज बब्बर ने उन्हें याद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्मिता पाटिल की फोटो शेयर कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि जटिल भूमिकाओं को निभाने में उनकी सहजता और हमारे सामाजिक ताने-बाने में रचे-बसे किरदारों की गहरी समझ ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। उन्होंने नियति द्वारा दिए गए कुछ ही समय में ही बहुत कुछ हासिल किया। उनके जीवन का संक्षिप्तपन हमेशा एक अनसुलझे दर्द जैसा महसूस होगा। स्मिता पाटिल की उन फिल्मों के बारे में बताएंगे जो समाज के लिए आईना थीं और अपने दौर की हिट फिल्मों में से एक रहीं।

1977 में स्मिता पाटिल की फिल्म 'भूमिका' आई थी, जिसमें उन्होंने महिला के जिंदगी के संघर्षों के बारे में दिखाया। फिल्म में स्मिता ने ऐसी लड़की की भूमिका निभाई है जो परिवार चलाने के लिए एक्टिंग शुरू करती है लेकिन उसका पति ही उनके रास्ते का पत्थर बन जाता है। फिल्म ने उस समय में भी महिला अधिकारों को उजागर किया। फिल्म में स्मिता पाटिल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था।

उन्होंने एक ऐसी लड़की का रोल प्ले किया था, जो एक शादीशुदा मर्द के प्यार में पागल होती है। एक्ट्रेस फिल्म में साइड रोल में थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग सबसे लाजवाब थी। बताया जाता है कि फिल्म महेश भट्ट और अभिनेत्री परवीन बाबी के रिश्ते को दिखाती है।

उनकी 'बाजार' फिल्म 1982 में रिलीज हुई थी। फिल्म में पैसों के लिए लड़कियों को बेच दिया जाता है। लड़कियों की खरीद-फरोख्त दुल्हन के नाम पर होती थी। इसी कुप्रथा पर स्मिता पाटिल की फिल्म ने सबका दिल जीता था। उन्होंने फिल्म में नजमा नाम की लड़की का रोल प्ले किया था। फिल्म में उनके साथ नसीरुद्दीन शाह और सुप्रिया पाठक भी थे।

1983 में स्मिता पाटिल की फिल्म 'अर्ध सत्य' आई थी, जिसने पर्दे पर कमाल कर दिया था। फिल्म पुलिस और सरकारी विभागों में फैली भ्रष्ट व्यवस्था पर बनी थी। फिल्म में स्मिता के अलावा नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी और सदाशिव अमरापुरकर जैसे बड़े चेहरे मौजूद थे।

स्मिता पाटिल की फिल्म 'मिर्च मसाला' साल 1987 में आई थी, जिसमें नसीरुद्दीन शाह और स्मिता पाटिल ने लीड रोल प्ले किया था। फिल्म की कहानी महिलाओं को शिक्षा पर जोर देती है, जिसमें मिर्च के कारखाने में काम करने वाली स्मिता पाटिल महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों पर आवाज उठाती हैं और महिला शिक्षा पर जोर देती हैं।

सुनील दत्त के कारण मिला बॉलीवुड को मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर

उनकी गोल आंखों में हंसी के रंग के इतने शेड्स छुपे हुए हैं जिसको फिल्म जगत आज भी परत दर परत निकालने में व्यस्त हैं। हंसाने के अंदाज इतने दिलकश की मानों उदास चेहरे के लिए वो दवा हो। जॉनी लीवर का अंदाज बेहद ही निराला है। लगभग तीन सौ से ऊपर फिल्म करने वाले जॉनी लीवर ने वैसे तो 1981 में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत कर दी थी लेकिन सफलता की सीढ़ी चढ़ने में उन्हें छह साल और लग गए।

ये महज इत्तेफाक था कि मशहूर कामेडियन जॉनी वॉकर के करियर में फिल्म प्यासा के गाने 'सर जो तेरा चकराए' से उनको जो शोहरत मिली थी कुछ वैसा ही जॉनी लीवर के साथ हुआ। 1978 में रिलीज हुई फिल्म जलवा जिसमें नसीरुद्दीन शाह एक जुदा अंदाज में नजए आए थे, जलवा ने जॉनी को एक नई पहचान दी थी और इस फिल्म में जॉनी ने एक दक्षिण भारतीय मालिश वाले की भूमिका अदा की थी। जॉन प्रकाश राव उर्फ जॉनी लीवर हिंदी सिनेमा में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए प्रसिद्ध हैं।

जॉनी लीवर भारत के पहले स्टैंड कॉमेडियन हैं। उन्हें अब तक 13 बार फिल्मफेयर अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

जॉनी लीवर का जन्म आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले मे सन 14 अगस्त 1956 में हुआ था। जॉनी लीवर हिन्दी फिल्म के एक प्रसिद्ध हास्य अभिनेता है।

लीवर के पिता प्रकाश राव जनमूला हिंदुस्तान लीवर फैक्ट्री में काम करते थे। जॉनी लीवर का बचपन मुंबई के धारवी इलाके बिता। वह अपने घर में तीन बहनों और दो भाईयों में सबसे बड़े हैं। जॉनी लीवर का जन्म एक बेहद ही गरीब परिवार में हुआ था। घर में बड़े होने के कारण घर की स्थिति को समझते हुए जॉनी भी अपने पिता के साथ हिन्दुस्तान लीवर फैक्ट्री में काम करने लगे।

पेन बेचने के लिए जॉनी की बचपन की कला ने उनका खूब साथ दिया। अमिताभ बच्चन, जितेंद्र और अशोक कुमार की आवाज निकालकर वो पेन बेचते थे और देखते ही देखते दिन ने उनकी कमाई 250 रुपए तक पहुंच गई। हर दिन अपने डांस से 5 रुपए कमाने वाले जॉनी के लिए ये एक बड़ी बात थी। सिलसिला निकल चला था और इसके बाद जॉनी फंक्शन, आर्केस्ट्रा इत्यादि में परफार्म करने लगे।

वहीं पर उनके दो दोस्तों ने उनकी मुलाकात कल्याणजी आनंदजी भाइयों से करवाई। उनकी प्रतिभा को पहचानने ने उनको ज्यादा वक्त नहीं लगा और आगे चलकर वो उनके वर्ल्ड टूर का हिस्सा बन गए। इस बीच जॉनी की पैठ फिल्म जगत में

बनती गई और इस वजह से 1975 में उन्होंने जो नौकरी पकड़ी थी उसे 1981 में छोड़ दिया।

जॉनी का असल नाम जॉन राव प्रकाश राव जानुमाला है। जॉनी भी अपने पिता के साथ हिन्दुस्तान लीवर फैक्ट्री में काम करते थे। बचपन से ही दूसरों को हंसाने की कला में महारत हासिल थी, जॉनी ये व्यवहार वहां भी बदस्तूर जारी रहा।

अपनी कंपनी के एक फंक्शन के दौरान जब उन्होंने अपने वरिष्ठ अफसरों को मिमिक्री किया तो वहां हंसी का फव्वारा निकल पड़ा। फंक्शन के तुरंत बाद यूनियन लीडर सुदेश भोंसले स्टेज पर चढ़ गए और माइक लेकर एलान कर दिया कि आगे से सभी लोग जॉन को लीवर बुलाएंगे क्योंकि उसने हिंदुस्तान लीवर के सभी अधिकारियों की नकल की। इस वाकिए के बाद उनके सहकर्मियों ने उनको जॉनी लीवर बुलाना शुरु कर दिया।

जॉनी ने अपनी शुरूआती पढ़ाई आंध्र एजुकेशन सोसाइटी हाईस्कूल से की। उनके घर की आर्थिक स्थिति अच्छी ना होने कारण जॉनी सिर्फ सातवीं तक शिक्षा ग्रहण कर सके। उसके बाद घर के जीवन-यापन के लिए उन्होंने काम करना शुरू कर दिया।

जॉनी लीवर की शादी सुजाता से हुई है। उनके एक बेटा और एक बेटी है। बेटी जैमी जोकि एक स्टैंड-अप कमेडियन है। बेटे का नाम जेस है। फिल्मी सफर

जॉनी लीवर को फिल्म स्टारों की मिमिक्री करने में महारत हासिल थी। उनकी इसी खासियत ने उन्हें स्टेज शो करने का मौका दिया। ऐसे ही एक स्टेज शो में सुनील दत्त की उनपर नजर पड़ी। उन्होंने जॉनी लीवर को फिल्म 'दर्द का रिश्ता' में पहला ब्रेक मिला और आज यह सिलसिला 350 से अधिक फिल्मों तक पहुंच गया है। 'दर्द का रिश्ता' के बाद वह 'जलवा' में नसीरुद्दीन शाह के साथ देखे गए, लेकिन उनकी पहली बडी सफलता 'बाजीगर' के साथ शुरू हुई। उसके बाद वह लगभग एक सहायक अभिनेता के रूप में हर फिल्म में हास्य अभिनेता के रोल में देखे गए। उनकी पहली फीचर फिल्म कभी तमिल 'अनब्रिक्कु अल्लाविल्लाई' है।

जॉनी लिवर सिर्फ बड़े पर्दे पर ही नहीं छोटे पर्दे भी अपने कॉमेडी के जलवे दिखा चुके हैं। जॉनी सीने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट हैं। इसके अलावा वह मिमक्री आर्टिस्ट एसोसिएशन मुंबई के भी अध्यक्ष हैं।

बाज़ीगर,बादशाह, तेजाब, सूर्य, इलाका, काला बाजार, बंद दरवाजा, किशन कन्हैया, हमला, चमत्कार, इंसानियत का देवता, रूप की रानी रानी-चोरों का राजा, मस्ती, कानून, अंजाम, मैं खिलाडी तू अनाड़ी, डर, इंडियन, सपूत, बारूद, कुछ कुछ होता है, सिर्फ तुम, बादशाह, हेलो ब्रदर, क्रोध, करन अर्जुन, 36 चाइना टाउन, अजनबी, यस बॉस, नायकः द रियल हीरो, फिर हेरा फेरी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, फर्ज, आशिक, चुपके-चुपके, राजा हिन्दुस्तानी, कोई... मिल गया जैसी और भी बहुत सी फिल्में की।

'मैं बॉबी देओल हूं, मुझे काम दे दो' डायरेक्टर्स के सामने गिड़गिड़ाता रहा एक्टर

बॉबी देओल आज अपने करियर के दूसरे पंख लगा चुके हैं, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का सफर आसान नहीं रहा. 'आश्रम' और 'एनिमल' जैसी सफल प्रोजेक्ट्स से जबरदस्त कमबैक करने वाले बॉबी ने हाल ही में खुलासा किया है कि एक वक्त ऐसा भी था जब उन्हें डॉयरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स के पास जाकर काम के लिए गिड़गिड़ाते थे और करियर बचाने की भीख मांगते थे.

कभी 90 के दशक के दिलश्रोब रहे बॉबी ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके करियर का एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें काम की तलाश में डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स के ऑफिस के चक्कर लगाने पड़ते थे और खुद कहते थे, 'मैं बॉबी देओल हूं... प्लीज मुझे काम दे दो...'

शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट में बॉबी ने अपने करियर के उस कठिन दौर को याद किया, जब 2010 के दशक में उनके पास न के बराबर फिल्में थीं. इस दौरान वे लंबे समय तक घर पर बैठे रहे. बॉबी ने बताया कि उनके बेटे के एक कमेंट ने उन्हें झकझोर दिया और उन्होंने ठान लिया कि वे वापसी करेंगे. उन्होंने कहा, 'मैंने एक बार जिंदगी से हार मान ली थी. लेकिन जब कुछ आपके हाथ में नहीं होता, तब कोई आवाज आपको याद दिलाती है कि आपके पास कुछ खास था, जिसके कारण आपका करियर शुरू हुआ. वह आवाज कहती है कि अगर तुमने उसे दोबारा हासिल नहीं किया, तो तुम आगे नहीं बढ़ पाओगे.'

बॉबी ने बताया कि डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स के पास जाकर काम मांगने में उन्हें कोई शर्मिंदगी नहीं थी. उन्होंने कहा, 'इसमें कुछ गलत नहीं है. कम से कम वे याद तो रखेंगे कि बॉबी देओल मुझसे मिलने आया था.'

बॉबी देओल ने 1995 में 'बरसात' से बॉलीवुड में धमाकेदार डेब्यू किया था. इसके बाद 'सोल्जर', 'बदल', 'बिच्छू', और 'अजनबी' जैसी हिट फिल्मों ने उन्हें स्टार बनाया. लेकिन 2000 और 2010 के दशक में उनकी कई फिल्में फ्लॉप रहीं, जिसके कारण काम के अवसर कम हो गए. प्रकाश झा की वेब सीरीज 'आश्रम' ने उनकी वापसी की नींव रखी, जिसे सांदीप रेड्डी वंगा की सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' (2023) में एक विलेन की भूमिका ने और भी मजबूती दी.

अब 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के साथ, बॉबी देओल एक बार फिर से बॉलीवुड की मुख्यधारा में जमकर छाए हुए हैं, जो साबित करता है कि हिम्मत और लगन से हर मुश्किल दौर को पार किया जा सकता है.

जावेद अख्तर ने धर्म विशेष को लेकर दिया बयान, भड़क गए सिंगर लकी अली

जावेद अख्तर का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दे पर बात कर रहे हैं। इस मुद्दे पर बातचीत के दौरान वह धार्मिक सहिष्णुता को लेकर भी बात करते हैं। इस दौरान वह हिंदुओं से 'मुसलमानों की तरह न बनने' का आग्रह करते हैं। इसी बात ने सोशल मीडिया पर कई लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इस बात को लेकर एक ट्विटर यूजर्स ने पोस्ट साझा की, जिस पर लकी अली ने जावेद अख्तर पर तंज कस दिया।

ट्विटर यूजर ने जावेद के बयान पर की पोस्ट, लकी अली ने किया कमेंट

एक एक्स (ट्विटर) यूजर ने पोस्ट में लिखा था, 'जावेद अख्तर हिंदुओं से कहते हैं कि मुसलमानों जैसे मत बनो। उन्हें अपने जैसा बनाओ। मुसलमानों जैसे मत बनो। यह एक त्रासदी है। पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी ने इस बेशर्म कट्टरपंथी, जो खुद को बुद्धिमान व्यक्ति बताता है, को दिया गया निमंत्रण वापस लेकर सही किया।' इसी ट्वीट पर सिंगर लकी अली कमेंट करते हुए लिखते हैं, 'जावेद अख्तर की तरह मत बनो, वह कभी असली नहीं थे, हमेशा से बदसूरत थे।'

लकी अली की सफाई में छिपा था तंज

बाद में जावेद अख्तर को लेकर किए गए अपने कमेंट पर लकी अली ने सफाई भी दी। वह अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखते हैं, 'मेरा मतलब यह था कि अहंकार बदसूरत होता है। यह मेरी तरफ से एक गलत कम्यूनिकेशन था। राक्षसों की भी भावनाएं हो सकती हैं और अगर मैंने किसी राक्षस को चोट पहुंचाई है तो मैं माफी मांगता हूं।'

फिल्म 'हाल' में 'बीफ बिरयानी सीन' पर विवाद, हाईकोर्ट पहुंचे लोग, रखी जाएगी स्पेशनल स्क्रीनिंग, फिर होगा फैसला

शेन निगम की फिल्म 'हाल' सेंसरशिप विवाद में फंसी गई. फिल्म के ट्रेलर में बीफ बिरयानी से जुड़ा एक सीन है, जिस पर आपत्ति जताई गई है. फिल्म को लेकर उठा विवाद केरल हाईकोर्ट में पहुंच गया है. 25 अक्टूबर को स्पेशल स्क्रीनिंग होगी, जिसमें सीबीएफसी की आपत्तियों पर फैसला होगा.

मलयालम फिल्मों के अभिनेता शेन निगम की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'हाल' सेंसरशिप के विवाद में फंसी है. इसकी सुनवाई केरल उच्च न्यायालय में जारी है. अब खबर आई है कि 25 अक्टूबर को केरल हाईकोर्ट के लिए 'हाल' की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई है. इसे देखने के बाद फैसला किया जाएगा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की कुछ दृश्यों पर आपत्तियां जायज हैं या नहीं.

न्यायमूर्ति वी.जी. अरुण ने 25 अक्टूबर को शाम 7 बजे कक्कनाड स्थित पदमुगल कलर प्लैनेट स्टूडियो में याचिकाकर्ताओं, फिल्म निर्माताओं और सीबीएफसी के प्रतिवादियों तथा उनके वकीलों की उपस्थिति में फिल्म की स्क्रीनिंग निर्धारित की. इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह खुद ही इस फिल्म को देखेंगे. फिल्म को देखने के बाद 30 अक्टूबर को इस मामले की सुनवाई की जाएगी.

सेंसर बोर्ड ने फिल्म निर्माताओं को 'बीफ बिरयानी' और 'सलामी' से जुड़े संवाद वाले एक सीन को हटाने का निर्देश दिया था. इसके जवाब में फिल्म मेकर्स ने सेंसर बोर्ड के निर्देश को चुनौती देते हुए केरल उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया.

बीफ बिरयानी और ध्वज प्रणाम को लेकर विवाद

सेंसर बोर्ड की आपत्तियों में 'ध्वज प्रणाम, टीम सतर्क है' डायलॉग और 'बिरयानी' खाने वाले एक सीन को शामिल किया गया था. इस विवाद के चलते ही फिल्म की रिलीज में देरी हो रही है. यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली थी. सेंसर बोर्ड की आपत्तियों को चुनौती देते हुए फिल्म निर्माताओं ने तर्क दिया था कि इस सीन को काटने से फिल्म की कहानी प्रभावित होगी.

वीर ने किया फिल्म को डायरेक्ट

'हाल' को नए निर्देशक वीर ने डायरेक्ट किया है. जेवीजे प्रोडक्शन्स ने इसे प्रोड्यूस किया है. बताया जा रहा है कि शेन निगम के करियर की सबसे बड़ी बजट वाली इस फिल्म में साक्षी वैद्य उनके अपोजिट दिखाई देंगी. इसमें जॉनी एंटनी, नाथ, विनीत कुमार, के. मधुपाल, संगीता माधवन नायर, जॉय मैथ्यू, निशांत सागर, नियास बेकर, रियास नरमकला, सुरेश कृष्णा, रवींद्रन, और सोहन सीनूलाल जैसे कलाकार भी हैं.

पैन इंडिया रिलीज होगी फिल्म

फिल्म को मलयालम, हिंदी, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ जैसी भाषाओं में एक साथ रिलीज करने की तैयारी थी. इस फिल्म में बॉलीवुड गायक अंकित तिवारी का भी एक गाना है.

तलाक की उड़ रही खबरों के बीच हंसिका मोटवानी ने बदला सरनेम

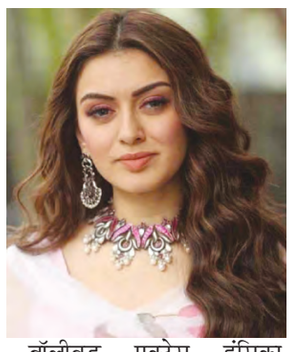

बॉलीवुड एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने बिजनेसमैन सोहेल खतूरिया संग साल 2022 में शादी की. शादी के कुछ समय बाद ही दोनों में खटपट की खबरें तैरने लगी. खबरें तो तलाक की भी आने लगी थी. अब इन सब रूमर्स के बीच हंसिका मोटवानी ने ऐसा कदम उठाया है कि जिसे उनकी पर्सनल लाइफ से ही जोड़कर देखा जा रहा है. चलिए बताते हैं आखिर हंसिका ने ऐसा क्या किया है.

दरअसल हंसिका मोटवानी ने तलाक की खबरों के बीच इंस्टाग्राम पर अपना सरनेम चेंज कर लिया है. जिसके बाद एक बार फिर हंसिका और सोहेल का रिश्ता चर्चा में आ गया है. हालांकि अभी तक एक्ट्रेस ने साफ साफ इन खबरों पर रिएक्ट नहीं किया है.

हंसिका मोटवानी ने उठाया तलाक की खबरों के बीच ये कदम

देसमुदुरु, कोई मिल गया और महा जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए हंसिका मोटवानी ने अपने सरनेम 'मोटवानी' की स्पेलिंग में बदलाव किया है. उन्होंने 'Motwani' से Motwanni कर लिया है. संभव है कि उन्होंने ये कदम न्यूमरोलॉजी के तहत किया हो.

कई सितारों ने बदली नाम की स्पेलिंग

अक्सर सेलिब्रिटीज न्यूमरोलॉजी में विश्वास रखते हैं. राजकुमार राव से लेकर आयुष्मान खुराना जैसे सितारे भी ऐसा कर चुके हैं. कुछ इसे लकी मानते हैं तो कुछ पॉजिटिव एनर्जी के लिए करते हैं. अब हंसिका ने भी नाम की स्पेलिंग में बदलाव किए हैं.

हंसिका मोटवानी का करियर

बता दें हंसिका ने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी. बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर शुरू करने वाली हंसिका ने शाका लाका बूम बूम जैसे हिट सीरियल से कदम रखा. फिर वह ऋतिक रोशन की फिल्म कोई मिल गया में नजर आईं. साल 2007 में उन्होंने अल्लू अर्जुन की देसामुदुरु से साउथ में सक्सेसफुल कदम रखा.

हंसिका मोटवानी की शादी पर सीरीज

हंसिका मोटवानी की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने दिसंबर 2022 में जयपुर में धूमधाम से शादी रचाई थी. उनके पति सोहेल खतूरिया बिजनेसमैन हैं. दोनों की शादी पर डॉक्यूसीरीज लव शादी और ड्रामा भी बनी थी जिसे जियो हॉटस्टार पर रिलीज किया गया था.

अंग्रेजों के दौर की कहानी लाएंगे प्रभास मेकर्स ने सोशल मीडिया पर दी हिंट

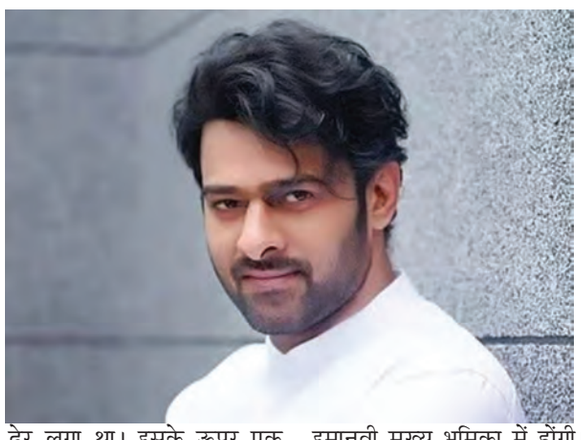

प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'द राजा साब' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। सोमवार को फिल्म निर्माताओं ने जानकारी दी थी कि वह प्रभास अभिनीत फिल्म के टाइटल का एलान करेंगे। बुधवार को, टीम ने टाइटल का एक टीजर पोस्टर जारी किया।

माना जा रहा है कि इसका टाइटल 'फौजी' होगा। हालांकि नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है '1932 से मोस्ट वांटेड।' ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवतः एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं।

24 अक्तूबर को होगा टाइटल का एलान

इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकानाएं भी दी गई थीं। इससे पहले साझा किए गए पोस्टर में शिलालेख थे, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म में पौराणिक विषयों का समावेश होगा। खबरों के मुताबिक टाइटल की आधिकारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर होगी।

अगले साल हो सकती है रिलीज

खबर है कि मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म में इमानवी मुख्य भूमिका में होंगी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा जैसे कलाकार भी होंगे। संगीत विशाल चंद्रशेखर का है। फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज करने की योजना है।

प्रभास का वर्कफ्रंट

इस बीच, प्रभास की जनवरी 2026 में एक बड़ी फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन मारुति ने किया है। यह हॉरर-कॉमेडी 'द राजा साब' है, जिसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी हैं।

छह अफेयर, दो बार टूटी सगाई, अमेरिकी पार्टनर संग घर बसाने से पहले इन लोगों के साथ जुड़ा पवित्रा पुनिया का नाम

पवित्रा पुनिया नए सफर की शुरुआत करने को तैयार हैं। 'ये है मोहब्बतें' और 'गीत- हुई सबसे पराई' जैसे टीवी शो के लिए मशहूर अभिनेत्री ने अमेरिकी बिजनेसमैन से सगाई कर ली है। फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं, जिनमें वे पार्टनर के साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आ रही हैं। बता दें कि सगाई की खबरों के साथ ही पवित्रा के एक्स बॉयफ्रेंड का नाम चर्चा में आ रहा है। इंगेजमेंट से पहले पवित्रा अपनी लव लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं। कथित तौर पर उनकी दो बार तो सगाई भी टूट चुकी है। कई सेलेब्स के साथ उनके प्यार के चर्चे रहे हैं। पढ़िए इस रिपोर्ट में...

प्रतीक सहजपाल

एक वक्त था जब एक्टर प्रतीक सहजपाल के साथ पवित्रा पुनिया के लिंकअफ की खबरें खूब सुर्खियों में रहीं। दोनों एक-दूसरे के प्यार में डूबे थे। मगर, फिर इनके रिश्ते में कड़वाहट आ गई। एक खराब मोड़ पर जाकर इनका ब्रेकअप हो गया।

पारस छाबड़ा

मशहूर टीवी एक्टर पारस छाबड़ा के साथ भी पवित्रा का नाम जुड़ चुका है। दोनों ने एक-दूसरे को डेट किया। पवित्रा और पारस 'सप्लीटसविला' के अलग-अलग सीजन में नजर आए थे। धीरे-धीरे इनकी दोस्ती प्यार में बदली। हालांकि, कुछ साल की डेटिंग के बाद इनकी राहें जुदा हो गईं।

एजाज खान

पवित्रा, एक्टर एजाज खान को भी डेट कर चुकी हैं। दोनों की पहली मुलाकात शो 'बिग बॉस 14' में हुई थी। यहीं दोनों के बीच करीबी बढ़ीं और डेटिंग शुरू हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक एजाज ने पवित्रा को शादी के लिए भी प्रपोज कर दिया था। हालांकि, कुछ वर्ष बाद इनका ब्रेकअप हो गया।

सुमित माहेश्वरी

अभिनेत्री पवित्रा इसके अलावा सुमित माहेश्वरी को भी डेट कर चुकी हैं। पेशे से सुमित एक बिजनेसमैन हैं। कथित तौर पर पवित्रा और सुमित की सगाई भी हो गई थी, जो बाद में टूट गई। सुमित ने तो यहां तक दावे किए कि पवित्रा के साथ उनकी शादी हो चुकी है। हालांकि, एक समय पर आकर दोनों की राहें जुदा हो गईं।

सिद्धार्थ शुक्ला

इसके अलावा पवित्रा के अफेयर की अफवाह दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भी उड़ीं। हालांकि, सिद्धार्थ के निधन के बाद पवित्रा ने उन्हें अपना अच्छा दोस्त ही बताया।

कोल्ड ड्रिंक के विज्ञापन में ऐश्वर्या को देख 5000 लोगों ने किया कॉल

कास्टिंग के लिए लग गए थे इतने महीने

1990 के दशक ने हमें कई यादगार विज्ञापन दिए जो आज भी दर्शकों के जेहन में गूंजते हैं। इनमें से एक विज्ञापन जो सबसे अलग था, वह था आमिर खान और ऐश्वर्या राय बच्चन का कोल्ड ड्रिंक वाला विज्ञापन। उस समय, दोनों ही कोई बड़े स्टार नहीं थे। आमिर ने कुछ ही फिल्में की थीं, जबकि ऐश्वर्या अभी कॉलेज में थीं। हाल ही में एएनआई के साथ बातचीत में प्रह्लाद कक्कड़ ने बताया कि कैसे 1993 के कोल्ड ड्रिंक विज्ञापन में ऐश्वर्या राय की मौजूदगी ने लोगों को आकर्षित किया था।

कास्टिंग में लगे 3 माह

बातचीत में कक्कड़ ने बताया 'मुकाबला कास्टिंग को लेकर था... हमें उस विज्ञापन के लिए कास्टिंग करने में तीन महीने लगे। हम एक ऐसी लड़की चाहते थे जो दर्शकों को रोक सके क्योंकि वह चार सेकंड के लिए आती है। हम चाहते थे कि लोग उसे देखें और कहें 'वाह, यह लड़की कौन है? यह लड़की कौन है?' और ठीक वैसा ही हुआ।'

प्रह्लाद कक्कड़ को आए 5000 फोन

प्रह्लाद कक्कड़ ने विज्ञापन

रिलीज होने के दिन को याद करते हुए कहा, 'जिस दिन यह रिलीज हुआ, अगली सुबह मुझे 5,000 फोन कॉल आए, जिनमें पूछा गया, 'संजू कौन है? (विज्ञापन में ऐश्वर्या के किरदार का नाम) वह कहां से आई है?' प्रह्लाद ने खुलासा किया कि ऐश्वर्या की आकर्षक आंखों ने उन्हें मोहित कर लिया था, जिसके कारण उन्होंने उन्हें 'संजू' के रूप में कास्ट किया।

उन्होंने कहा 'मैं किसी से भी संतुष्ट नहीं था... उनमें वो गुण ही नहीं थे। खास होना काफी नहीं था। मैं किसी बेहद खास इंसान की तलाश में था। ऐसा चेहरा जो चार सेकंड में पूरी दुनिया को थाम दे।'

ऐश्वर्या की आंखों ने किया प्रभावित

प्रह्लाद ने कहा 'जिस चीज ने मुझे रोका, जिसने मुझे वाकई रुकने पर मजबूर किया, वो थीं उसकी आंखें। जब मैंने उसकी आंखों में देखा, तो मुझे पूरा ब्रह्मांड दिखाई दिया। हर मूड के साथ, उसकी आंखों का रंग बदलता रहा... उसके मूड के हिसाब से रंग ग्रे से हरा और फिर नीला हो गया। इसने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया।' कोल्ड ड्रिंक का यह विज्ञापन 1994 में ऐश्वर्या राय के मिस इंडिया का खिताब जीतने से पहले रिलीज हुआ था।

आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 8.80 लाख किलो के पार

इसकी वैल्यू 8.4 लाख करोड़; 2025-26 के पहले 6 महीने में 600 किलो खरीदा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के पास सोने का भंडार 2025-26 के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) में 880.18 मीट्रिक टन (8,80,180 kg) के पार हो गया है। 2024-25 के आखिर में यह 879.58 मीट्रिक टन था। 26 सितंबर तक सोने की कुल कीमत 95 बिलियन डॉलर (8.4 लाख करोड़ रुपए) थी। यह जानकारी RBI की लेटेस्ट रिपोर्ट में सामने आई है। सितंबर तक के छह महीनों में RBI ने अपने स्टॉक में 0.6 मीट्रिक टन (600 किलो) सोना जोड़ा। सितंबर में 0.2 मीट्रिक टन (200 किलो) और जून में 0.4 मीट्रिक टन (400 किलो) सोना खरीदा गया। 2024-25 में RBI ने 54.13 मीट्रिक टन सोना अपने खजाने में जोड़ा था।

RBI ने अपने लेटेस्ट बुलेटिन में कहा कि ग्लोबल और जियो-पॉलिटिकल अनिश्चितताओं के कारण सोने की मांग काफी तेजी से बढ़ी। क्योंकि, दुनियाभर के देशों के सेंट्रल बैंक और निवेशक इसे सुरक्षित संपत्ति के तौर पर खरीद रहे हैं। मांग और खरीद बढ़ने से कीमतें ग्लोबल और घरेलू मार्केट में भी बढ़ीं।

इस दौरान दुनियाभर में सेंट्रल बैंकों ने 166 टन सोना अपने ऑफिशियल भंडार में जोड़ा, जिससे इसकी मांग और बढ़ी। जिसके चलते सोने की कीमतें तीसरी तिमाही में ऊंची रहीं और सितंबर में अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं।

सोना आर्थिक स्थिरता रखता है, इसलिए भंडार किया जाता है

यदि किसी देश की करेंसी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर होती है, तो सोने का भंडार उस देश की क्रय शक्ति और उसकी आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने में मदद करता है।

आज फिर लुढ़के सोना-चांदी के रेट

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुछ दिनों को छोड़ दें तो भारत में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। लेकिन हाल के दिनों में दोनों की कीमतों में जबरदस्त गिरावट हुई है। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार दोपहर तक 24 कैरेट सोने के दाम घटकर 1,23,827 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं चांदी की कीमत घटकर 151200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने का वायदा भाव 1800 रुपये या 1.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,23,657 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस बीच चांदी में भी तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की वायदा कीमत 2,727 रुपये या 1.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,48,285 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वैश्विक स्तर पर भी सोना और चांदी की कीमतों में तेजी रही। कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 1.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,138.84 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

दूसरी ओर चांदी की कीमत 0.89 प्रतिशत बढ़कर 48.10 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

रूसी तेल पर सरकार की बात मानेंगे मुकेश अंबानी!

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज रूस से कच्चे तेल की खरीदारी कम कर सकती है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी का कहना है कि वह रूस से कच्चे तेल का आयात सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार करेगी। यह फैसला अमेरिका और यूरोप द्वारा रूस पर लगाए गए नए प्रतिबंधों के बाद आया है। रिलायंस रूस से सबसे ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाली भारतीय कंपनी है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। रिलायंस से जब पूछा गया कि क्या कंपनी रूस से तेल का आयात कम करने की योजना बना रही है, तो उसने कहा कि हम रूस से तेल आयात को धीरे-धीरे बदल रहे हैं और भारत सरकार के नियमों के अनुसार ही इसमें बदलाव करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को यूक्रेन युद्ध के संबंध में रूस पर पहली बार प्रतिबंध लगाए। उन्होंने रूसी तेल कंपनियों Lukoil और Rosneft को निशाना बनाया। इससे पहले यूरोपीय संघ ने भी रूस पर 19वें चरण के प्रतिबंध लगाए हैं। इसमें रूसी LNG के आयात पर प्रतिबंध भी शामिल था। ब्रिटेन ने भी पिछले हफ्ते Lukoil और Rosneft पर प्रतिबंध लगाए थे।

एक सूत्र ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां रूस के साथ तेल खरीद समझौतों की समीक्षा कर रही हैं। वे यह सुनिश्चित कर रही हैं कि Lukoil और Rosneft से सीधे तौर पर कोई भी सप्लाई न आए। रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 34% कच्चा तेल रूस से आयात करता है। हाल के दिनों में रूस से तेल की खरीद में गिरावट आई है जबकि अमेरिका से तेल और गैस की सप्लाई बढ़ी है। भारत की कुल तेल और गैस की जरूरत का लगभग 10% अमेरिका से आता है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार रूसी तेल पर मिल रही छूट और कच्चे तेल के बेंचमार्क मूल्य के बीच का अंतर काफी कम हो गया है। 2023 में यह 23 डॉलर प्रति बैरल से अधिक था जो अक्टूबर में सिर्फ 2-2.5 डॉलर प्रति बैरल रह गया है। इससे मिडिल ईस्ट और अमेरिकी कच्चे तेल अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। रूसी तेल पर डिस्काउंट के कारण भारत को वित्तीय वर्ष 2025 में 3.8 अरब डॉलर की बचत हुई।

ट्रंप द्वारा रूस पर प्रतिबंधों की घोषणा के बाद तेल की कीमतों में 2 डॉलर प्रति बैरल से अधिक की बढ़ोतरी हुई। ब्रेंट क्रूड लगभग 64 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।

डे-हाई से 750 अंक गिरकर बंद हुआ बाजार

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेंसेक्स आज 23 अक्टूबर को सेंसेक्स 130 अंक चढ़कर 84,556 पर बंद हुआ। निफ्टी में 23 अंक की तेजी रही, ये 25,891 के स्तर पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही इंडेक्स अपने ऑलटाइम हाई के करीब पहुंच गए। हालांकि डे-हाई से सेंसेक्स करीब 750 अंक नीचे आ गया।

सेंसेक्स ने 27 सितंबर 2024 को 85,478 और निफ्टी ने 26,277 का ऑलटाइम हाई बनाया था। आज के कारोबार में IT और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली।

अमेरिका-भारत में जल्द ट्रेड डील की उम्मीद से चढ़ा बाजार शेयर बाजार में ये तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद आई है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों देश ट्रेड डील पर काम कर रहे हैं। मिंट की एक रिपोर्ट में भी सोर्सेज का हवाला देकर कहा गया था कि ट्रेड डील पर बातचीत एडवांस्ड स्टेज में हैं। टैरिफ 50% से घटकर 15% तक हो सकता है।

एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.98% गिरकर 3,846 पर और जापान का निक्केई 1.35% गिरकर 48,642 पर बंद हुआ।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.72% ऊपर 25,968 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.22% चढ़कर 3,922 पर बंद हुआ।

अगले साल से बदल जाएगा कमाई और खर्च का हिसाब-किताब

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की आर्थिक तस्वीर जल्दी ही बदलने वाली है। अगले साल की शुरुआत में जीडीपी, महंगाई और औद्योगिक उत्पादन जैसे बड़े आर्थिक आंकड़े अपडेट किए जाएंगे ताकि इन्हें आज के समय के हिसाब से लोगों की कमाई और खर्च को सही ढंग से दिखाया जा सके। साथ ही एक नया इंडेक्स भी आएगा जो तेजी से बढ़ते सर्विस सेक्टर को ट्रैक करेगा। इससे पता चलेगा कि देश के विकास में किस सेक्टर की सबसे ज्यादा भूमिका है।

इसके तहत सबसे पहले 27 फरवरी को जीडीपी के नए आंकड़े आएंगे जो 2022-23 की कीमतों पर आधारित होंगे। बजट बनाने के लिए 7 जनवरी को जो शुरुआती अनुमान जारी होंगे वे अभी पुराने आंकड़ों पर ही आधारित होंगे। फरवरी में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय खुदरा महंगाई के नए आंकड़े भी जारी करेगा। ये 2023-24 की कीमतों पर आधारित होंगे और जनवरी की महंगाई को मापेंगे।

इसके बाद अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का नया संस्करण आएगा, जिसका आधार वर्ष 2022-23 होगा। फिर सर्विस सेक्टर इंडेक्स भी आएगा। यह पहली बार होगा जब भारत की अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े हिस्से यानी सर्विस सेक्टर को ट्रैक करने के लिए एक अलग इंडेक्स बनाया जाएगा। इस इंडेक्स पर लगभग दो दशक से काम चल रहा था। यह बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि डिजिटल अर्थव्यवस्था और लॉजिस्टिक्स जैसे नए सेक्टर हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं।

यह नया डेटा सिस्टम पिछले कई साल में सबसे बड़ा बदलाव है। बेस ईयर को एक दशक से भी ज्यादा समय बाद बदला जा रहा है। अभी जो सरकारी अनुमान हैं, वे 2011-12 की कीमतों पर आधारित हैं। इस दौरान लोगों की खर्च करने की आदतें भी बहुत बदल गई हैं। पहले लोग खाने पर ज्यादा खर्च करते थे लेकिन अब स्मार्टफोन जैसी चीजें आम हो गई हैं।

इसके अलावा, यह बदलाव मौजूदा डेटा में कुछ खास कमियों को भी दूर करेगा। मसलन अभी पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के तहत मिलने वाले अनाज पर कोई खर्च नहीं दिखाया जाता क्योंकि लोगों को इसके लिए सीधे पैसे नहीं देने पड़ते। मंत्रालय अभी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में भी सुधार कर रहा है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सुर्य - तुला	मे	तुला----	05-47 बजे
चंद्र - वृश्चिक	मे	वृश्चिक...	08-00 बजे
मंगल-तुला	मे	धनु......	10-10 बजे
बुध - तुला	मे	मकर...	12-17 बजे
गुरु - मिथुन	मे	कुंभ....	14-07 बजे
शुक्र - कन्या	मे	मीन....	15-45 बजे
शनि मीन	मे	मेष.....	17-21 बजे
राहु कुंभ	मे	वृष....	19-04 बजे
केतु सिंह	मे	मिथुन..	21-06 बजे
		कर्क...	23-19 बजे
		सिंह---	01-30 बजे
		कन्या--	03-37 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-13**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-48**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष शुक्रवार **24 October**
तिथि - तृतीया **01-19** तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - अनुराधा **07-51** तक पूर्ण
योग - सौभाग्य **05-54** तक उप शोभन
करण - तैतिल **12-03** तक उप गर
व्रत त्योहार वृश्चिक मे बुध **12-37** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-33 से 12-00 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06-13 - 07-40 शुभ	रोग	17-48 - 19-21 शुभ
लाभ	07-40 - 09-06 शुभ	काल	19-21 - 20-54 शुभ
अमृत	09-06 - 10-38 शुभ	लाभ	20-54 - 22-27 अशुभ
काल	10-38 - 12-00 अशुभ	उत्पात	22-27 - 00-00 अशुभ
शुभ	12-00 - 13-27 शुभ	शुभ	00-00 - 01-33 शुभ
रोग	13-27 - 14-54 अशुभ	अमृत	01-33 - 03-07 अशुभ
उत्पात	14-54 - 16-21 अशुभ	चंचल	03-07 - 04-40 शुभ
चंचल	16-21 - 17-48 शुभ	रोग	04-40 - 06-13 शुभ

भारत बनेगा सुपरपावर : कहां छुपा है वो सबसे बड़ा 'गेम चेंजर'?

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने की राह का राज खुल गया है। ब्रोकरेज फर्म एलेरा सिक्योरिटीज के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की भारत की चाहत एक खास बात पर निर्भर है। वह यह है कि भारत घरेलू बचत को कितने प्रभावी तरीके से प्रोडक्टिव एसेट्स में लगाता है। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत में घरेलू बचत का ढांचा बड़े बदलावों से गुजर रहा है। यह बदलाव अनुकूल जनसांख्यिकी, सरकारी सुधारों, आर्थिक नीतियों और एक मजबूत डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के कारण संभव हो रहा है। इन सब वजहों से आने वाले सालों में भारतीय परिवारों के बचत और निवेश करने के तरीके में एक निश्चित बदलाव आने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का लक्ष्य घरेलू बचत को उत्पादक संपत्तियों में लगाने पर निर्भर करता है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में बचत के रिटर्न, जोखिम और लिक्विडिटी प्रोफाइल में काफी बदलाव आ रहा है। इसके बावजूद अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में वित्तीय बचत का स्तर अभी भी कम है। ब्रोकरेज फर्म का अनुमान है कि भारत की कुल वित्तीय बचत तीन गुना से ज्यादा बढ़कर देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 11-12% हो जाएगी।

एलेरा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में घरेलू बचत दर ग्रॉस डिस्पोजेबल इनकम के प्रतिशत के रूप में कई अन्य देशों की तुलना में ज्यादा है। यह ऊंची बचत दर निवेश के लिए पूंजी का महत्वपूर्ण घरेलू स्रोत है। आर्थिक विकास को बनाए रखने में यह अहम भूमिका निभाती है। सालों से बचत की संरचना पारंपरिक रूपों जैसे बैंक डिपॉजिट और करेंसी से हटकर कैपिटल मार्केट्स, बचत योजनाओं और पेंशन योजनाओं की ओर बढ़ रही है। इस बदलाव का श्रेय बदलते उपभोक्ता व्यवहार और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार को दिया गया है। इसने फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बना दिया है।

रिपोर्ट में भारत के बचत पैटर्न को आकार देने वाले कई प्रमुख रुझानों पर प्रकाश डाला गया है। वित्तीय वर्ष 71-80 के दौरान कुल बचत में जमाओं का हिस्सा 50% से ज्यादा था, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 तक घटकर 40% से नीचे आ गया है। यह बैंकों के लिए एक चुनौती पेश कर रहा है। वहीं, पिछले चार दशकों से करेंसी की हिस्सेदारी लगभग 10% के आसपास बनी हुई है। रिपोर्ट का कहना है कि यह डिजिटल लेनदेन में बढ़ोतरी के बावजूद नकदी को मूल्य के भंडार के रूप में रखने की व्यवहारिक प्राथमिकता को दर्शाता है।

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक स्टील उत्पादकों के सस्ते आयात एवं डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आरबीआई ने अक्तूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा, अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के कारण इस्पात आयात में बढ़ोतरी देखी गई है। 2023-24 में भारत के इस्पात आयात में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। आयात वृद्धि से इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन की जरूरत है।

स्टील अंडर सीजः अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीर्षक वाले लेख में कहा गया है, वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल इस्पात आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है।

रक्षोपाय शुल्क से लगा अंकुश

भारत ने खपत मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7 फीसदी की वृद्धि रही। वहीं, 2024-25 की दूसरी छमाही में कमी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण रक्षोपाय शुल्क था। 45% इस्पात दक्षिण कोरिया और चीन समेत कई देशों से भारत आयात करता है।

ऑनलाइन बिक्री अब त्योहारों पर ही निर्भर नहीं

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में ऑनलाइन खरीद-बिक्री की निर्भरता अब सिर्फ त्योहारी मौसम पर नहीं रह गई है। लोग अब पूरे साल ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं। हालांकि, त्योहारी मौसम के दौरान बिक्री की रफ्तार बढ़ाने में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की भूमिका अब भी काफी महत्वपूर्ण है।

परामर्शदाता कंपनी रेडसीर ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत का ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में अधिक संतुलित मांग की राह पर बढ़ रहा है। इसके बावजूद मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियां अब भी वार्षिक त्योहारी उछाल पर निर्भर हैं। यानी त्योहारों के दौरान मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स ही अब भी बिक्री की रफ्तार तय करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मोबाइल श्रेणी में त्योहारी मौसम से जुड़ा उतार-चढ़ाव सबसे अधिक है, जिसका मौसमी सूचकांक अंतराल 1.7 रहा। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद 1.3 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इन दोनों श्रेणियों की मांग सितंबर-अक्टूबर के महीनों में सबसे अधिक रहती है। मोबाइल फोन का मासिक सूचकांक 2.3 के करीब है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स का 2.0 के आसपास पहुंचता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न ब्रांड को त्योहारी सीजन पर अपनी निर्भरता घटाने के लिए कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही जैसे सुस्त बिक्री समय में विशेष उत्पादों की पेशकश या प्रचार अभियान शुरू करने पर ध्यान देना चाहिए। भविष्य में ये कंपनियां होंगी सबसे आगे...रेडसीर ने रिपोर्ट में कहा, दौर बदलने के साथ भारत में ऑनलाइन खुदरा कारोबार धीरे-धीरे त्योहारों के समय की चरम स्थिति से बाहर निकल रहा है। भविष्य में वही कंपनियां बाजार की अग्रणी होंगी, जो न सिर्फ त्योहारी उच्च मांग को कुशलता से संभालने में सक्षम होंगी, बल्कि सुस्त महीनों में भी मांग पैदा कर सकेंगी।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे ।सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं।आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,): आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी । इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें । आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी ।आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची): आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आईपीएस पर एसआई की पत्नी ने लगाया यौन-उत्पीड़न का आरोप

डांगी ने कहा- मैंने ब्लैकमेलिंग की शिकायत डीजीपी से की थी, इसलिए झूठे आरोप मढ़े

रायपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस के सीनियर आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। यह आरोप पुलिस विभाग में पदस्थ एसआई की पत्नी ने लगाया है। महिला ने पुलिस मुख्यालय जाकर डीजीपी से शिकायत की है। मामले की जांच की जिम्मेदारी आईजी आनंद छाबड़ा को सौंपी गई है।

महिला का कहना है कि पिछले 7 सालों से आईपीएस डांगी उसका शारीरिक और मानसिक शोषण कर रहे हैं। वहीं आईपीएस डांगी ने भी डीजीपी को लिखित शिकायत में बताया है कि महिला उन्हें बदनाम करने और ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रही है, साथ ही जहर लेकर धमकी देने और वीडियो कॉल पर लगातार निगरानी रखने जैसी शर्तें भी रखी हैं।

पीड़िता ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर 15 अक्टूबर को औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि साल 2017 में रतनलाल डांगी से उसकी मुलाकात कोरबा में हुई थी, जब आईपीएस डांगी वहां

एसपी पद पर तैनात थे।

शुरूआती बातचीत सोशल मीडिया पर हुई, जो आगे बढ़ती गई। दंतेवाड़ा में पदस्थापना के दौरान वह वीडियो कॉल के माध्यम से उन्हें योग सिखाती थी। बाद में राजनांदगांव और सरगुजा में आईजी बनने के बाद डांगी ने कथित रूप से उसे परेशान करना शुरू किया। बिलासपुर आईजी रहते हुए उत्पीड़न का सिलसिला और बढ़ गया।

शिकायत में महिला ने बताया है कि आईपीएस डांगी उसे अपनी पत्नी की गैरमौजूदगी में बंगले पर बुलाते थे और न आने पर तबादले की धमकी देते थे। चंद्रखुरी पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में तबादले के बाद भी वह वीडियो कॉल के जरिए सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक संपर्क करने का दबाव बनाते थे। महिला ने यह भी दावा किया है कि उसके पास कई आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं।

डांगी बोले- मुझे बदनाम करने की साजिश

महिला के आरोपों पर आईपीएस रतनलाल डांगी से बात की। रतनलाल डांगी ने बताया कि शिकायतकर्ता महिला उन्हें ब्लैकमेल कर रही है। इस मामले की शिकायत उन्होंने पूर्व में ही सीनियर अफसरों से की है।

महिला को इस बात की जानकारी मिली तो उसने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर शिकायत की है। महिला मुझे बदनाम करने और ब्लैकमेल करने के लिए ये सब कर रही है।

आईजी आनंद छाबड़ा करेंगे मामले की जांच

आईपीएस रतनलाल डांगी की शिकायत की जांच पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर आईजी आनंद छाबड़ा को जांच की जिम्मेदारी दी गई है। बताया जा रहा है जांच अधिकारी पहले महिला से पूछताछ करके बयान और डिजिटल साक्ष्य लेंगे।

महिला से बयान लेने के बाद आईपीएस रतनलाल डांगी का बयान रिकॉर्ड किया जाएगा। जांच टीम में महिला अफसरों को भी शामिल किया गया है। जांच रिपोर्ट कब तक आएगी? इस संबंध में जांच टीम और पुलिस मुख्यालय के अफसरों ने फिलहाल कुछ नहीं कहा है।

महिला का आरोप है कि शिकायत के बाद विभाग के कुछ अधिकारी महिला पर समझौते का दबाव बना रहे हैं।

वहीं, पुलिस मुख्यालय से इस संबंध में अब तक अधिकृत बयान जारी नहीं किया गया है। पूरे मामले में पुलिस मुख्यालय के अधिकारी जांच का निर्देश देकर चुप्पी साधे हुए है।

दुरंतो एक्सप्रेस पर पथराव, एक यात्री घायल

मनोहरपुर स्टेशन के पास हुई घटना, खिड़की पर पत्थर लगने से शीशा हुआ चकनाचूर

चाईबासा, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर रेलवे स्टेशन के पास दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। मुंबई छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से हावड़ा जा रही इस ट्रेन पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पत्थर फेंके, जिससे एक यात्री घायल हो गया। यह घटना बुधवार की शाम दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल से गुजरते समय हुई।

पथराव के कारण ट्रेन के ए-4 कोच की एक खिड़की का शीशा टूट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 33 नंबर सीट पर बैठे यात्री की खिड़की पर पत्थर लगने से शीशा चकनाचूर हो गया। अचानक हुए इस हमले से बोगी में अफरातफरी मच गई। घायल यात्री को ट्रेन स्टाफ द्वारा तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। चोटें गंभीर न होने के कारण यात्री ने आगे की यात्रा जारी रखी। घटना की सूचना तुरंत ट्रेन के टीटी ने रेल आरपीएफ को दी। इसके बाद ट्रेन को रोका गया और आरपीएफ तथा रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

जमशेदपुर सूर्य मंदिर समिति ने छठ की तैयारी की शुरू

1100 व्रतधारियों को मिलेगी नि :शुल्क पूजन सामग्री, सांस्कृतिक संध्या का भी होगा आयोजन

जमशेदपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर में आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां पूरी हो गई हैं। सूर्य मंदिर समिति ने इस वर्ष भी भव्य आयोजन की व्यवस्था की है। समिति 1100 जरूरतमंद व्रतधारियों को निःशुल्क पूजन सामग्री प्रदान करेगी। लौहनगरी में छठ को लेकर उल्लास का माहौल है।

वितरण पूर्व आवंटित कूपन के आधार पर होगा

समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि पूजन सामग्री और फल-सामग्री का वितरण 26 अक्टूबर (रविवार) को सुबह 10 बजे से किया जाएगा।

यह वितरण पूर्व आवंटित कूपन के आधार पर होगा। व्रतधारियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर अर्घ्यदान कर सकेंगे

27 अक्टूबर (सोमवार) को दोपहर 2 बजे से सूर्य मंदिर के सभी प्रवेश द्वार श्रद्धालुओं के लिए

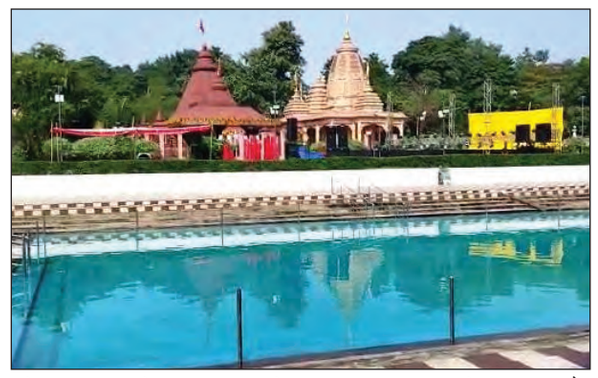

खोल दिए जाएंगे। श्रद्धालु पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर अर्घ्यदान कर सकेंगे। शाम को मंदिर परिसर स्थित शंख मैदान में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा, जिसमें प्रसिद्ध लोकगायिका डिंपल भूमि और मानवी सिंह अपनी प्रस्तुतियां देंगी।

इस अवसर पर ओडिशा के पूर्व राज्यपाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास अपने परिवार सहित सूर्य मंदिर के छठ घाट पर उपस्थित रहेंगे। वे भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेंगे। समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और वरीय सदस्यों ने बुधवार को तैयारियों की समीक्षा की। समिति ने बताया कि इस वर्ष दोनों छठ घाटों पर स्वच्छ और निर्मल जल की व्यवस्था की गई है।

मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को छठ महापर्व का दिव्य अनुभव मिल सके। सूर्य मंदिर समिति ने शहरवासियों से श्रद्धा, स्वच्छता और सामूहिक सौहार्द के साथ महापर्व में शामिल होने की अपील की है।

झारखंड में आज से फिर बदलेगा मौसम

24 से 27 अक्टूबर तक होगी मध्यम बारिश, तापमान में गिरावट से बढ़ेगी ठंड

रांची, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 24 अक्टूबर से राज्य के कई जिलों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश के आसार हैं। वहीं आज सुबह से ही कोहरा जैसी स्थिति देखने को मिली।

मौसम विभाग ने कहा है कि दोपहर बाद आसमान साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

हालांकि, 24 अक्टूबर से दक्षिणी और मध्य झारखंड के हिस्सों में बादल छाने और गरज के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, 25 अक्टूबर को रांची, बोकारो, गुमला, खूंटी, हजारीबाग, रामगढ़, सिमडेगा, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इसके साथ ही अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

जिससे लोगों को हल्की ठंड का एहसास होगा। रांची का अधिकतम तापमान जो अभी 31 डिग्री के आसपास है, वह 24 अक्टूबर के बाद गिरकर 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं, राज्य के उत्तर-पूर्वी हिस्सों देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है।

हजारीबाग के दीपूगढ़ा में भीषण आगजनी

कपड़ा दुकान और रेस्टोरेंट जलकर खाक, समय रहते गैस सिलिंडर निकालने से बड़ा हादसा टला

हजारीबाग, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के दीपूगढ़ा क्षेत्र में देर रात भीषण आग लगने से एक ही इमारत में स्थित दो दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग की लपटों में कपड़े की दुकान और पार्क व्यू रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट हॉल पूरी तरह समा गए। घटना में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई।

जानकारी के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में दोनों दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। आग की लपटें पास की मेडिकल शॉप तक भी पहुंचीं, लेकिन स्थानीय लोगों की सतर्कता और दमकल विभाग की तत्परता से वहां बड़ा नुकसान टल गया। आधिकारिक तौर पर आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण बताया जा रहा है। रेस्टोरेंट संचालक विकास यादव और कपड़ा दुकान मालिक अजीत कुमार मेहता के अनुसार, इस अग्निकांड में उन्हें करीब 80 से 90 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना के समय रेस्टोरेंट मालिक विकास यादव इमारत के निचले हिस्से में सो रहे थे।

उन्होंने धुआं देखकर बाहर निकलने पर देखा कि पूरी दुकान आग की चपेट में है। उन्होंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को आग के प्रति सतर्क किया। इसके बाद हजारीबाग फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी गई।

दामाद ने सास की गला रेतकर की हत्या

पत्नी के छोड़कर चले जाने से था नाराज, हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद

गोड्डा, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र में बीते दिन रात्रि में 65 वर्षीय महिला सोना भानु खातून की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में मृतका के दामाद सुकरूधीन अंसारी को गिरफ्तार किया है। घटना सामने आने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की। गोड्डा पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने मामले की जांच और खुलासे के लिए महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया था।

टीम ने अनुसंधान और छापेमारी के दौरान अभियुक्त सुकरूधीन अंसारी से कड़ाई से पूछताछ की।

नवविवाहिता का शव कुएं से बरामद

परिजनों ने लगाया दहेज की मांग पर हत्या का आरोप, ससुराल पक्ष फरार

हजारीबाग, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के ईचाक थाना क्षेत्र के फुरका गांव में गुरुवार को एक नवविवाहिता का शव कुएं से बरामद हुआ। मृतका की पहचान सरिता कुमारी के रूप में हुई है, जिसकी शादी 15 महीने पहले हुई थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर ईचाक पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा।

मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दहेज में मोटरसाइकिल की मांग पूरी न होने पर सरिता को लगातार परेशान किया जा रहा था। परिजनों के अनुसार, छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा होता था और कई बार पंचायत के माध्यम से दोनों परिवारों के बीच समझौता भी कराया गया था, लेकिन उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। मायके पक्ष का आरोप है कि बुधवार रात सरिता की हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया गया। सुबह ग्रामीणों ने कुएं में शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद मृतका के पति पवन यादव सहित पूरा ससुराल परिवार घर से फरार है।

सरिता के मायके वालों ने ईचाक थाने में पति पवन यादव, सास और ससुर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर आवेदन दिया है।

रायपुर पुलिस ने कारोबारी की कार से 2 लाख उड़ाए

दुर्ग में पीछा कर घर पहुंचे, तलाशी के बहाने निकाले रुपए, एक आरक्षक सस्पेंड

दुर्ग-भिलाई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर क्राइम ब्रांच के 6 पुलिसकर्मियों ने दुर्ग के कारोबारी की कार से 2 लाख रुपए चुरा लिए। कारोबारी ने मामले की लिखित शिकायत दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल से की। सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा। वहीं, इस मामले में रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने एक आरक्षक प्रशांत शुक्ला को निलंबित कर दिया है।

वहीं धनंजय गोस्वामी, प्रमोद वट्टी, अमित और वीरेंद्र भार्गव के खिलाफ जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मयंक गोस्वामी का धमतरी में बाइक शो-रूम है। कारोबारी के अनुसार वह धनतेरस के दिन धमतरी से अपने घर दुर्ग आ रहा था। आरोप है कि प्रशांत शुक्ला, धंनजयगिरी गोस्वामी सहित 6 पुलिसकर्मी पीछा करते हुए घर तक आ पहुंचे और चेकिंग के बहाने कार की तलाशी ली। कारोबारी के अनुसार टीम ने बिना किसी जानकारी या नोटिस के उनकी कार की तलाशी शुरू कर दी। कारोबारी ने बताया कि तलाशी के दौरान टीम में शामिल पुलिसकर्मियों ने उनकी कार में रखे 2 लाख रुपए निकाल लिए।

जांच के बाद जब रकम गायब पाई गई तो उन्होंने दुकान और घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की। फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि चेकिंग के दौरान टीम के कुछ सदस्य कार में कुछ निकालते नजर आ रहे हैं।

पुलिस टीम के अनुसार 18 अक्टूबर की रात रायपुर क्राइम ब्रांच को एक संदिग्ध कार की सूचना मिली थी। इस सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम कुम्हारी के रास्ते दुर्ग तक पहुंची। टीम जब संदिग्ध वाहन की तलाश कर रही थी, उसी दौरान वह वाहन पुलिस को चकमा देकर गायब हो गया। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम दुर्ग जिले के पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र के विद्युत नगर इलाके में पहुंची थी। फिलहाल, इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने मामला रायपुर एसएसपी को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि कारोबारी से शिकायत मिली थी। रिपोर्ट बनाकर रायपुर एसएसपी को भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई जांच के बाद रायपुर से ही की जाएगी। हालांकि, इस मामले में रायपुर एसएसपी ने कार्रवाई करते आरक्षक प्रशांत शुक्ला को सस्पेंड कर दिया है। आगे की जांच पड़ताल की जा रही है।

रायपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह ने सभी पुलिस कर्मियों से पूछताछ की। पूछताछ में बाकी जवानों ने कहा कि पैसे निकालने वाला अकेला था, उन्हें जानकारी नहीं थी। घटना 18 अक्टूबर रात की है। मामले में साइबर रेंज के एडिशनल एसपी संदीप मित्तल ने गोपनीय कार्रवाई के लिए प्रशांत शुक्ला, धनंजय गोस्वामी, प्रमोद वट्टी, अमित, दिलीप जांगड़े, वीरेंद्र भार्गव को दुर्ग भेजा था।

रायपुर के ज्वेलरी-शॉप में महिला ने 2.5-लाख के हार चुराए

धनतेरस के दिन स्टाफ को बातों में उलझाया, सफाई से ज्वेलरी उठाकर पास रख ली

रायपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर से लगे आरंग के एक ज्वेलरी शॉप में चोरी का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें धनतेरस के दिन सोना-चांदी खरीदी करने आई महिला ने सोने के 2 हार चुरा लिए। पूरी घटना शॉप में लगे कैमरे में कैद हो गई। मामला आरंग थाना क्षेत्र का है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि दुकान में काफी भीड़ थी। इस दौरान कई महिलाएं खरीदारी कर रही थी। कुछ बच्चे भी मौजूद थे। काउंटर में काली साड़ी पहनी हुई महिला ने कर्मचारियों को बातों में उलझाया और ज्वेलरी को ध्यान से देखती रही फिर जल्दी से उठाकर अपने पास रख ली।

बताया जा रहा है एक युवक भी महिला के साथ था। फिलहाल थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपियों की तलाश जारी है। चोरी किए सोने के हार का वजन 23 ग्राम है। जिसकी कीमत करीब ढाई लाख बताई जा रही है।

दरअसल ये पूरी घटना आरंग के नवकार ज्वेलर्स शॉप में हुई। धनतेरस के दिन दुकान में काफी भीड़ थी। तभी महिला और युवक ने उठाईगिरी करके लाखों रुपए के दो हार पार कर दिए। सर्राफा कारोबारी ने मामले की शिकायत थाने में की है।

धनतेरस वाले दिन शॉप में काफी भीड़ थी। कर्मचारियों को बातों में उलझाया, फिर चोरी की।

आरंग थाना प्रभारी चेतन दुबे ने बताया कि सर्राफा कारोबारी ऋषि पारख ने आरोपियों की शिकायत की है।

दो शातिर चोर गिरफ्तार, छह चोरी कांडों का खुलासा

धनबाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद के बलियापुर पुलिस ने चोरी के छह मामलों का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से लाखों रुपए के जेवरात, मोबाइल, लैपटॉप और इलेक्ट्रिक ड्रिल मशीन सहित कई चोरी की वस्तुएं बरामद की गई हैं। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि यह मामला बलियापुर थाना क्षेत्र के आमटाल से जुड़ा है। बीते 1 सितंबर 2025 की रात चंडी चरण चटर्जी के घर से चोरों ने 50 हजार रुपए नगद, सात से आठ भर सोने के गहने, सैमसंग मोबाइल, गाड़ी की चाबी, आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य कीमती सामान चुरा लिए थे।

पति-पत्नी का मर्डर, घर में मिली लाश

सरगुजा, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरगुजा जिले में पति पत्नी का मर्डर हुआ है। ग्राम कुम्हरता में दोनों की लाश खून से लथपथ मिली।

दंपती के सिर पर गहरे चोट के निशान भी मिले है। बताया जा रहा है सोते समय किसी ने धारदार हथियार मारकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। मामला दरिमा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम कुम्हरता के रहने वाले रीमा राम (52 साल) और उसकी पत्नी उर्मिला (50 साल) 22 अक्टूबर की रात घर की परछी में जमीन पर सोये थे। दंपती के बच्चे नहीं हैं और भाइयों का परिवार घर से कुछ दूर पर रहता है।

रीमा राम पेशे से किसान थे। गुरुवार यानी आज सुबह गांव का ही एक व्यक्ति उन्हें काम के सिलसिले में बुलाने पहुंचा तो घर का दरवाजे का बाहर से बंद मिला। आसपास के लोगों से उसने रीमा और उर्मिला के बारे में पूछताछ की तो वे कुछ नहीं बता सके।

ग्रामीण ने जब घर के दरवाजे का सांकल खोलकर अंदर झांका तो जमीन पर लगे बिस्तर पर रीमा राम और उर्मिला का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। दोनों के सिर से काफी खून बहकर जम गया था।

घटना की सूचना ग्रामीणों को दी गई। सूचना पर दरिमा थाना प्रभारी राजेश कुमार खलखो की टीम मौके पर पहुंची। अंबिकापुर से फारेंसिक एक्सपर्ट प्रभात भगत की टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है।

घटनास्थल की जांच में पति-पत्नी के सिर में गंभीर चोट के निशान मिले हैं। माना जा रहा है कि दोनों की सोते हुए हत्या कर दी गई है। उन्हें बचने का मौका भी नहीं मिला। मृतक रीमा राम व उसकी पत्नी उर्मिला घर में अकेले ही रहते थे। उनकी कोई संतान नहीं थी। उनके भाइयों का परिवार अलग घर में रहता है। दंपती का घर पहाड़ी के ऊपर अलग-थलग बना हुआ है। दोनों पति-पत्नी खेती के अलावे मजदूरी कर जीवन यापन करते थे।

पंचायत के सरपंच धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों पति-पत्नी शांत स्वभाव के थे। उनका किसी से विवाद नहीं था। दोनों व्यवहार के अच्छे थे। इस कारण किसी से कोई दुश्मनी की जानकारी नहीं है। उन्हें क्यों मारा गया, इसे लेकर ग्रामीण भी परेशान हैं।

दरिमा पुलिस मामले में जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल कोई सुराग या संदेही मामले में नहीं मिला है।

डबरी में डूबने से पिता-पुत्र की मौत

जगदलपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में तालाब में डूबने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। बताया जा रहा है 23 अक्टूबर की सुबह छिंदगांव में ग्रामीण खेत में काम कर रहे थे। तभी मधुमक्खियों के झुंड ने हमला किया जिससे सब इधर-उधर भागे। पिता-पुत्र डबरी में कूदे और डूब गए।

मामला करपावंड थाना क्षेत्र का है। घटना के बाद दोनों को बाहर निकालने में 3 से 4 घंटे का वक्त लग गया तब तक दोनों की सांस थम चुकी थी। वहीं, मधुमक्खी के डंक मारने से 4-5 ग्रामीण घायल हुए है। पुलिस के मुताबिक, छिंदगांव के रहने वाले भुवनेश्वर पटेल (60) अपने बेटे विनोद पटेल (32) समेत गांव के अन्य ग्रामीणों के साथ गांव में ही खेत में काम कर रहे थे। इसी बीच अचानक मधु मक्खियों के झुंड ने इनपर हमला कर दिया। सभी ग्रामीण जान बचाने के लिए यहां-वहां भागे। वहीं जान बचाने के लिए भुवनेश्वर अपने बेटे विनोद के साथ डबरी में कूद गए। जिसके बाद दोनों बाहर ही नहीं निकले। इस मामले की जानकारी जब गांव के अन्य ग्रामीण और परिजनों को मिली तो वे भी मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी खबर की। जिसके बाद ढूंढने के लिए कुछ लोग पानी में उतरे। करीब 3 से 4 घंटे के बाद उनके शव को पानी से बाहर निकाला गया। तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल लाया गया।

पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। करपावंड पुलिस के मुताबिक, मधु मक्खियों के हमले से करीब 4 से 5 ग्रामीण घायल भी हुए हैं।

आज से सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप

दक्षिण एशिया के 6 देशों के 300 एथलीट लेंगे भाग, सीएम हेमंत सोरेन करेंगे उद्घाटन

रांची, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची के मोरहाबादी फुटबॉल स्टेडियम में कल से चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की शुरुआत हो रही है। इस प्रतियोगिता में दक्षिण एशिया के छह देशों भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, मालदीव और श्रीलंका के शीर्ष एथलीट हिस्सा लेंगे।

भारत के 70 से अधिक एथलीटों की टीम 37 स्पर्धाओं में पदक की चुनौती पेश करेगी। इस प्रतियोगिता में 6 देशों के 300 एथलीट भाग ले रहे हैं। इस इवेंट को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन स्थल में दर्शकों का प्रवेश पूरी तरह से फ्री है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। 24 अक्टूबर को शाम छह बजे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन और समापन समारोह के लिए 500 कलाकारों की टीम तैयार है। कार्यक्रम में झारखंड की संस्कृति और लोक परंपरा की झलक देखने को मिलेगी।

अधिकारियों के मुताबिक सभी व्यवस्थाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप की गई हैं। डॉ. मधुकांत पाठक ने बताया कि इस बार प्रतियोगिता में भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, मालदीव और श्रीलंका के 300 एथलीट और 150 तकनीकी अधिकारी हिस्सा लेंगे। भारत की 81 सदस्यीय टीम 37 स्वर्ण पदक स्पर्धाओं में भाग लेगी। भारत स्प्रिंट, मिडिल-डिस्टेंस, जंप, थ्रो और रिले इवेंट्स में टीम उतारेगा। दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स में भारत परंपरागत रूप से अग्रणी रहा है। पिछली चैंपियनशिप 2008 में कोच्चि में आयोजित हुई थी, जिसमें भारत ने 57 पदक जीते थे। जिसमें 24 स्वर्ण, 19 रजत और 14 कांस्य पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया था। इस बार भी भारत इतिहास रचने को तैयार है।

इधर, महिला वर्ग में साक्षी चव्हाण (200 मीटर) और अमनदीप कौर (800 मीटर) ट्रैक इवेंट्स की अगुवाई करेंगी।

लंबी दूरी में सीमा (5000 मीटर) भारत की प्रमुख दावेदार हैं। युवा प्रतिभाएं रीत राठौर (हाई जंप) और भावनी यादव (लॉन्ग जंप) भारत की नई शक्ति का प्रतिनिधित्व करेंगी।

चीन-समर्थित तीस्ता मास्टर प्लान

भारत के लिए 'चिकन नेक' पर चीनी दखल का खतरा, यूनुस की चाल

ढाका, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी के पानी का मुद्दा एक बार फिर सिर उठा रहा है। इसमें चीन की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जा रही है, जो तीस्ता मास्टर प्लान के तहत इस पर नजर बनाए हुए है। इस बीच बांग्लादेश में चीन समर्थित तीस्ता मास्टर प्लान को लागू करने की मांग उठने लगी है। बीते सप्ताह ही इसके तत्काल कार्यान्यवन के लिए चटगांव विश्वविद्यालय में सैकड़ों छात्रों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। चीन से सहायता प्राप्त इस मास्टर प्लान को ढाका में भारत के साथ लंबे समय से रुकी हुई जल बंटवारा संधि के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इस प्लान को लेकर भारत की अपनी चिंताएं हैं।

विशेषज्ञों ने भारत के लिए अहम चिंता सिलीगुड़ी कॉरिडोर से इसकी नजदीकी बताया है, जिसे चिकेन नेक कॉरिडोर भी कहा जाता है। यह एक संकरी पट्टी है जो पूर्वोत्तर भारत को देश से बाकी हिस्सों से जोड़ती है। तीस्ता नदी सिक्किम से निकलती है और पश्चिम बंगाल से होकर बहते हुए बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र (जमुना) में मिल जाती है।

भारत और बांग्लादेश के बीच वर्तमान में 1996 का गंगा जल बंटवारा समझौता सक्रिय है। यह समझौता साल 2026 में समाप्त हो रहा है। ऐसे में ढाका का एकतरफा कदम भारत की जल सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग को प्रभावित कर सकते हैं। ढाका का आरोप है कि भारत सूखे के मौसम में पानी रोकता है जबकि मानसून के दौरान इसे छोड़ता है, जिससे बाढ़ का खतरा होता है।

चीन के साथ मिलकर यूनुस की चाल

इसी साल मार्च में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने चीन से तीस्ता नदी के प्रबंधन के लिए 50 वर्षीय योजना का अनुरोध किया था। चीनी कंपनियों इस परियोजना में भाग लेने के लिए तैयार हैं, ढाका ने पहले चरण के लिए 6700 करोड़ टका की मांग की है। बांग्लादेश नेशलिस्ट पार्टी समेत कई राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया है। बांग्लादेश की योजना एक विशाल बांध बनाने की है, जहां पानी रोका जा सके जिससे सूखे के मौसम के दौरान भारत पर निर्भरता कम की जा सके।

तीस्ता जल विवाद क्या है?

बांग्लादेश खेती और दैनिक उपयोग के लिए तीस्ता नदी से पर्याप्त पानी चाहता है, जबकि भारत विशेष रूप से पश्चिम बंगाल सूखे के महीनों में जल की कमी को लेकर चिंता व्यक्त करता है। भारत और बांग्लादेश दशकों से इसके लिए बातचीत करते रहे हैं, लेकिन अब तक कोई समझौता नहीं हो पाया है। पश्चिम बंगाल की आपत्तियों के कारण बार-बार इसकी प्रगति बाधित होती रही है।

मास्टर प्लान को लेकर भारत की चिंता

तीस्ता मास्टर प्लान चिकेन नेक क्षेत्र के करीब स्थित है। इसके अलावा भारत लालमोनिरहाट एयरबेस के पास संभावित चीनी उपस्थिति को लेकर भी चिंतित है। हालांकि, बांग्लादेश की सेना का दावा है कि यह सुविधा केवल राष्ट्रीय उद्देश्यों और विमानन ट्रेनिंग के लिए है।

रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि चीन की भागीदारी भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों, सैन्य गतिविधियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की निगरानी का मौका दे सकती है। भारत को चिकेन नेक कॉरिडोर के पास परियोजना स्थल पर चीनी कर्मियों की मौजूदगी का डर है। इसके अलावा चीनी भागीदारी के साथ लालमोनिरहाट एयरबेस को सक्रिय करने से भारतीय सेना और प्रतिष्ठानों पर हवाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

वेनेजुएला की अमेरिका को चेतावनी 5000 रूसी मिसाइलें तैनात कीं

राष्ट्रपति बोले- साम्राज्यवादी खतरे का जवाब देंगे, मातृभूमि की हर इंच जमीन के लिए लड़ेंगे

कारावास, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बुधवार को एक टीवी प्रोग्राम में कहा कि उनके देश ने अमेरिकी खतरे से निपटने के लिए रूस से मिली 5,000 इग्ला-एस मिसाइलें तैनात की हैं।

मादुरो ने कहा- हमारे पास 5,000 मिसाइलें हैं, जो देश की शांति और आजादी की रक्षा करेंगी। ये मिसाइलें हवा में कम दूरी के हमलों को रोकने के लिए तैनात की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये हथियार किसी भी साम्राज्यवादी खतरे का जवाब देने के लिए हैं और वेनेजुएला की सेना अपनी मातृभूमि की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए तैयार है।

अमेरिका लंबे समय से मादुरो के खिलाफ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला के समुद्री तट के पास कुछ नौसैनिक जहाज भेजे हैं, जिन्हें अमेरिका ने ड्रग्स के खिलाफ ऑपरेशन बताया है।

अमेरिका ने पिछले कुछ वक्त में वेनेजुएला की कुछ नावों को तबाह भी कर दिया है। उसका आरोप है कि ये नावें ड्रग्स ले जा रही थीं। हालांकि वेनेजुएला ने इन आरोपों को गलत बताया है।

वेनेजुएला का कहना है कि अमेरिका का यह ऑपरेशन उसकी आजादी पर हमला है।

अमेरिका ने मादुरो पर 7 अगस्त को 50 मिलियन डॉलर, यानी करीब 420 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। इसके अलावा उनसे जुड़े 700 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति भी जब्त की गई है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं।

ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि मादुरो ड्रग तस्कर हैं और ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानाइल मिला कोकीन भेज रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि मादुरो के पास 7 टन कोकीन है, जिसे वे अमेरिका भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे।

उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। इतना इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था।

सऊदी अरब को मिला नया ग्रैंड मुफ्ती

कहा था- जब तक इस्लाम है जिहाद रहेगा

रियाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने शेख सालेह बिन फौजान अल-फौजान को देश का नया ग्रैंड मुफ्ती यानी सर्वोच्च धार्मिक विद्वान नियुक्त किया है। सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया कि किंग सलमान ने अपने बेटे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की सिफारिश पर बुधवार देर रात 90 वर्षीय शेख सालेह को इस पद पर नियुक्त किया।

शेख सालेह को अपने कुछ बयानों के चलते पश्चिमी मीडिया में आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। 2017 में जब उनसे पूछा गया कि क्या सुन्नी मुस्लिम, शिया मुस्लिमों को अपना भाई मानें तो उन्होंने जवाब दिया था कि वे शैतान के भाई हैं।

साल 2003 में सालेह ने गुलामी का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि गुलामी इस्लाम का रूप है। यह जिहाद का हिस्सा है। जब तक इस्लाम रहेगा तब तक जिहाद रहेगा।

सालेह ने 2016 में पोकेमॉन गो गेम पर भी फतवा जारी किया था। उन्होंने इसे जुआ करार दिया था। हालांकि क्राउन प्रिंस खुद पोकेमॉन गो बनाने वाली कंपनी नियांटिक में एक बड़ी हिस्सेदारी रखती है।

शेख सालेह ने यह पद शेख अब्दुलअजीज बिन अब्दुल्ला अल-शेख के निधन के बाद संभाला है। उन्होंने पच्चीस साल तक ग्रैंड मुफ्ती का पद संभाला था। दोनों अल-शेख परिवार के वंशज हैं। यह वंश 18वीं सदी ग्रैंड मुफ्ती का पद संभाल रहा है।

ग्रैंड मुफ्ती का पद सुन्नी मुस्लिमों की दुनिया में शीर्ष इस्लामी नेताओं में से एक है। सऊदी अरब के मक्का और मदीना जैसे पवित्र शहरों का घर होने के कारण, ग्रैंड मुफ्ती के बयानों पर दुनिया भर में बारीकी से नजर रखी जाती है।

कोडरमा में फिर दिखा 40 हाथियों का झुंड

कोडरमा, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में एक बार फिर हाथियों का आतंक लौट आया है। बुधवार देर रात जयनगर प्रखंड के कई गांवों में करीब 40 हाथियों का झुंड देखा गया, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। वन विभाग की टीम रातभर उन्हें खदेड़ने में जुटी रही। हालांकि अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि चार माह पहले भी हाथियों के झुंड ने जयनगर और मरकच्चो प्रखंड के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। उस दौरान हाथियों ने किसानों की फसलों को रौंद दिया था और कई गरीब परिवारों के घरों को नुकसान पहुंचाया था।

79,000 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी

आर्मी, नेवी, एयर फोर्स में किसे क्या मिलेगा?

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए 79,000 करोड़ रुपये की खरीदारी को मंजूरी दे दी है। यह फैसला रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया। नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में आयोजित इस बैठक में लिए गए फैसले से भारतीय सशस्त्र सेनाओं की कई जरूरतें पूरी होंगी और उनकी ताकत में भी काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

भारतीय सेना को क्या मिलेगा?

रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय सेना के लिए जिस खरीदारी योजना को हरी झंडी दिखाई है, उनमें नाग मिसाइल सिस्टम (ट्रैक्ड) एमके-II , ग्राउंड बेस्ड मोबाइल ईएलआईएनटी सिस्टम और हाई मोबिलिटी व्हीकल्स विद मटेरियल हैंडलिंग क्रेन खरीदी जाएगी। एनएएमआईएस से सेना दुश्मन के लड़ाकू वाहनों, बंकरों और अन्य मोर्चेबंदी को पूरी तरह से बेअसर करने में और भी अधिक सक्षम हो जाएगी। जबकि,जीबीएमईएस दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल पर 24 घंटे नजर रखने के काम आईएगी। इसी तरह से हाई मोबिलिटी व्हीकल्स से सेना अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी लॉजिस्टिक सपोर्ट को और बेहतर कर सकेगी।

रक्षा मंत्री की अगुवाई में सशस्त्र सेनाओं के लिए जरूरी हथियारों और उपकरणों की खरीद के लिए जो मंजूरी मिली है, उसमें भारतीय नौसेना के लिए लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स, 30एमएम नेवल सरफेस गन, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो और 76एमएम सुपर रैपिड गन माउंट में इस्तेमाल होने वाले स्मार्ट एम्युनिशन शामिल हैं। लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स नौसेना को भारतीय सेना और वायु सेना के साथ मिलकर समुद्री और सतह वाले ऑपरेशन में सहायता करेंगे। यह प्लेटफॉर्म नौसेना को शांति अभियानों, मानवीय सहायता के साथ-साथ आपदा राहत मिशनों को अंजाम देने में भी मदद करेगी।

एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो को डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला ने विकसित किया है। यह पारंपरिक, परमाणु और छोटे पनडुब्बियों को भी निशाना बनाने में सक्षम हैं।

इसी तरह से 30एमएम नेवल सरफेस गन की खरीदने से भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल हल्के समुद्री अभियानों और समुद्री डाकुओं के खिलाफ अभियानों को बेहतर ढंग से निभा पाएंगे।

जहां तक भारतीय वायु सेना की बात है तो इसके लिए कोलैबोरेटिव लॉन्ग रेंज टारगेट सैचुरेशन/डिस्ट्रक्शन सिस्टम के साथ ही कुछ अन्य प्रस्तावों को हरी झंडी मिली है।

आईपीएस सुसाइड केस में नया खुलासा

आत्महत्या करने से पहले पूरन कुमार ने डीजीपी और एसपी को किया था फोन!

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में तैनात आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, आत्महत्या करने से पहले पूरन कुमार ने हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को फोन किया था। हालांकि दोनों की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। बता दें कि अब इस मामले की एसआईटी जांच कर रही है। एसआईटी ने आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार के लैपटॉप, मोबाइल और हार्ड डिस्क को सीएफएसएल के पास भेजा है।

ये पता लगाने में जुटी टीम

फारेंसिक टीम यह पता लगाने में जुटी है कि क्या अधिकारी ने आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट किसी को ईमेल किया था या फिर केवल अपने पास सेव और प्रिंट किया गया दस्तावेज ही छोड़ा था। जानकारी के मुताबिक, पूरन कुमार ने अपना सुसाइड नोट लैपटॉप पर टाइप किया था, जिसका प्रिंट बाद में उनके कमरे से बरामद हुआ। हालांकि, चर्चा यह भी है कि आत्महत्या से पहले उन्होंने यह नोट दो लोगों को ईमेल किया था।

अगर यह बात फारेंसिक जांच में साबित होती है, तो मामला और गंभीर हो सकता है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट होगा कि अधिकारी किन लोगों से संपर्क में थे और किन पर उन्होंने भरोसा जताया था।

सूत्रों के अनुसार, जांच टीम ने अदालत से अनुमति लेकर पूरन कुमार का लैपटॉप, मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त कर लिए हैं। सीएफएसएल (CFSL) रिपोर्ट से यह भी सामने आएगा कि सुसाइड नोट कब टाइप किया गया, उसमें कोई एडिट या डिलीट किया गया या नहीं।

मामले की तह तक पहुंचने के लिए एसआईटी की एक टीम को हरियाणा के रोहतक भेजने की तैयारी की जा रही है। वहीं, सूत्रों ने बताया कि रोहतक में दर्ज एफआईआर और उससे जुड़े कुछ लोगों के बयान चंडीगढ़ सेक्टर-11 थाने में दर्ज किए जा चुके हैं।

सुसाइड नोट में कई अधिकारियों के नाम

चंडीगढ़ पुलिस को वाई पूरन कुमार के पास से एक फाइनल नोट मिला था, जिसमें तत्कालीन डीजीपी शत्रुजीत कपूर, रोहतक के तत्कालीन एसपी नरेंद्र बिजारणिया समेत अनेक आईएएस व आईपीएस अफसरों के नामों का जिक्र था।

जापान दौरे से लौटने के बाद पी अमनीत कुमार की शिकायत पर चंडीगढ़ में केस दर्ज हुआ था। परिजनों ने वाई पूरन कुमार का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया था। मामला बढने पर प्रदेश सरकार ने रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को हटा दिया और डीजीपी शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया।

विधायक से परेशान होकर युवक ने खुद पर डाला पेट्रोल

बोला- बिना तलाक के पत्नी की दूसरी शादी करा दी, भाजपा सरकार में कोई सुनवाई नहीं

उन्नाव, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। उन्नाव में एक युवक ने अपने घर की छत पर खुद पर पेट्रोल डालकर सुसाइड की कोशिश की। युवक ने भगवंतनगर के बीजेपी विधायक आशुतोष शुक्ला पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। सुसाइड की कोशिश से पहले युवक ने एक 6.43 मिनट का वीडियो भी बनाया है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घर वालों ने उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। युवक का आरोप है कि उसके ऊपर दबाव बनाकर बिना तलाक के पत्नी की दूसरी जगह शादी करवा दी गई है। जब वह विधायक से मिलने पहुंचा तो वहां से धक्के मारकर भगा दिया गया था। इससे परेशान होकर अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया।

वीडियो बनाने वाला युवक उन्नाव का रहने वाला रोहित तिवारी पुत्र सुनील तिवारी है। रोहित ने वीडियो में बताया कि मैं गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के श्रीनगर मोहल्ला का रहने वाला हूं। मेरी शादी 3 साल पहले विधायक आशुतोष शुक्ला के करीबी धीरेन्द्र की रिश्तेदारी में हुई थी।

शादी बिना दहेज के हुई थी, लेकिन पत्नी पूजा मिश्रा ने अपने पिता संजय मिश्रा के कहने पर झूठे केस लगाए और रुपए ठगे।

मनीष शर्मा बने युवा कांग्रेस के प्रभारी

अल्लावरू की जगह ली, मल्लिकार्जुन खरगे ने नियुक्ति को दी हरी झंडी

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को कृष्णा अल्लावरू की जगह मनीष शर्मा को भारतीय युवा कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त किया है। अल्लावरू वर्तमान में पार्टी के बिहार प्रभारी हैं और पिछले कई महीनों से दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे थे। कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शर्मा की नियुक्ति के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। कांग्रेस पार्टी ने यह बदलाव उस समय की है जब बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां चुनावी मैदान में ताल ठोक रही हैं।

मनीष शर्मा कांग्रेस के 'व्हाइट टी-शर्ट मूवमेंट' का प्रभार देख रहे हैं। यह आंदोलन राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा विकसित एक ऐसा मंच है, जिसका उद्देश्य सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध युवाओं और कार्यकर्ताओं को संगठित करना तथा उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार करना है।

अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में बहुत देर है!

वायुसेना के पास अभी 5 एडवांस फाइटर जेट कौन हैं

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना एक दशक से भी ज्यादा समय से अगली पीढ़ी के फाइटर जेट की मांग कर रही है। भारत में अपने जो 4.5 या 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बन रहे हैं, उनमें अभी बहुत समय लगने वाला है। अन्य देशों से आयात पर भी तस्वीर साफ नहीं है। जबकि, हकीकत ये है कि भारतीय वायुसेना की जो स्वीकृत स्क्वार्डनों की संख्या है, उसमें करीब 30% की कमी आ चुकी है। अब 42 की जगह मात्र 29 स्क्वार्डन रह गए हैं। यह कमी हाल ही में मिग-21 के रिटायरमेंट की वजह से बढ़ी है, जिसके चलते दो स्क्वार्डनों की और कमी आ गई है। ऐसे में सवाल है कि भारतीय वायुसेना के पास अभी सबसे एडवांस 5 फाइटर जेट कौन हैं?

भारतीय वायुसेना के पास अभी जो सबसे एडवांस फाइटर जेट हैं, उनमें फ्रांस में बने एडवांस मल्टीरोल राफेल फाइटर जेट भी शामिल है। भारतीय वायुसेना के पास अभी 36 राफेल लड़ाकू विमान हैं। राफेल अत्याधुनिक रडार सिस्टम से लैस एक मल्टीरोल एयरक्राफ्ट है, जिसकी अत्याधुनिक डिजाइन और लंबी दूरी की मारक क्षमता इसे बहुत ही बेहतर लड़ाकू विमानों में शामिल करता है। यह फाइटर जेट डीप स्ट्राइक मिशन में शानदार प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है।

रूसी मूल के सुखोई एसयू-30एमकेआई अभी भी भारतीय वायुसेना के प्राथमिक लड़ाकू विमानों में शामिल है। अब हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)के द्वारा भारत में ही बनने वाला यह विमान लंबी दूरी के रडार से लैस है और इनपर ब्रह्मोस मिसाइल भी तैनात की गई हैं। ध्वनि की गति से दो गुनी स्पीड (Mach 2.0) से उड़ने में सक्षम यह लड़ाकू विमान एकसाथ कई टारगेट को निशाना बनाने में सक्षम हैं। इस समय 270 से ज्यादा सुखोई एसयू-30एमकेआई विमान सेवा में हैं। मतलब, भारतीय वायुसेना के पास अभी सबसे ज्यादा संख्या में यही फाइटर जेट हैं। तेजस एक हल्का लड़ाकू विमान है, जिसे डीआरडीओ ने डिजाइन किया है और एचएएल ने बनाया है। इसका उत्पादन शुरू हो चुका है और धीरे-धीरे इनकी संख्या बढ़ती रहने वाली है। ध्वनि की गति से 1.6 (Mach 1.6) गुना स्पीड वाला इस स्वदेशी लड़ाकू विमान की रेंज 1,850 किलोमीटर है।

गुलाबी ठंड की दस्तक! दिल्ली-एनसीआर में कोहरा

यूपी में बारिश के आसार

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर में बारिश लगभग खत्म हो चुकी है। कई राज्यों में गुलाबी ठंड ने भी दस्तक दे दी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में सुबह-शाम हल्की ठंड देखने को मिल रही है। हालांकि, अगले दो दिनों तक दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में भारी से भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग ने इसकी चेतावनी जारी की है। IMD के मुताबिक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बना एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम की तरफ बढ़ रहा है, जिससे मौसम में बड़े स्तर पर बदलाव देखने को मिल रहे हैं। दिवाली के बाद से ही दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के कारण हालत बिगड़ने शुरू हो गए हैं। आईएमडी के मुताबिक हवा की दिशा पूर्व से पश्चिमी हो गई है, लेकिन गति कम बनी हुई है। रात के समय हवा लगभग धीमी बनी हुई है और दिन के समय इसकी गति केवल 5-7 किमी प्रति घंटे तक ही रहती है।

दिल्ली में अगले चार दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। दिन का तापमान 32-34C और रात का तापमान 19-21C के बीच रह सकता है। सुबह के समय हल्का कोहरा छा सकता है, लेकिन आसमान साफ बना रहेगा। वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में प्रदूषण बढ़ने का अनुमान जताया है।

उत्तर प्रदेश में 25 अक्टूबर तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकांश स्थानों पर मौसम शुष्क बना रहेगा। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास और न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट संभव है। सुबह के समय हल्का कोहरा छाने की संभावना है। पूर्वी भारत के अंतर्गत आने वाले बिहार में भी मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। कुछ इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाने की संभावना जताई गई है, खासकर 22 और 23 अक्टूबर को। दिन में तापमान सामान्य रहेगा लेकिन रातें थोड़ी ठंडी होंगी। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने के आसार हैं, जबकि मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रहेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में आंशिक बादल मंडरा रहे हैं और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हुई है, लेकिन मैदानी जनपद सूखे पड़े हुए हैं। शुष्क मौसम और तेज धूप खिलने के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। देहरादून सहित कई शहरों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है।

कानून व्यवस्था पर घमासान, पूर्व सीएम गहलोत ने घेरा
तो मंत्री बेढम ने आरोपों को किया खारिज

जयपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की कानून व्यवस्था को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रदेश में लगातार बढ़ते अपराधों को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। गहलोत ने लिखा, "ऐसा लगता है कि राजस्थान कानून व्यवस्था से मुक्त हो गया है। हत्या, लूट, बलात्कार, चोरी सहित हर तरह के अपराध लगातार बढ़ रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे त्योहार पर पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहना चाहिए, फिर भी प्रदेश के कई जिलों से गंभीर अपराधों की खबरें आईं। उदाहरण के तौर पर, जैसलमेर में डबल मर्डर, बीकानेर में महिला जज से लूट और जोधपुर में दलित बालिका के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हुईं। गहलोत ने कहा, "राजस्थान अब अपराधियों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान बन गया है। दीपावली जैसे शुभ अवसर पर ऐसी घटनाएं शर्मनाक हैं।"

नेता प्रतिपक्ष टीका राम जुली ने भी राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, "न्यायपालिका, कार्यपालिका, सत्ताधारी पार्टी के पदाधिकारी और आम जनता कोई सुरक्षित नहीं है।" उन्होंने कहा कि "भाजपा सरकार पुलिस की सफलता दिखाती है, लेकिन असल में अपराध रोज बढ़ रहे हैं।" इस पर जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने गहलोत के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा, "पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय राजस्थान में कानून का शासन नहीं था। वर्तमान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है।" बेढम ने दावा किया, "लगभग दो वर्षों में प्रदेश में अपराधों में कमी आई है। महिलाओं और दलितों के खिलाफ अत्याचार घटे हैं। अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है और कई बड़े अपराधियों को जेल भेजा गया है।"

मंत्री ने कहा, "गहलोत जी को जनता को गुमराह करने की बजाय सच स्वीकार करना चाहिए। आज प्रदेश में सुराज स्थापित है, अराजकता नहीं।"

34 आईपीएस अधिकारियों का तबादला
जयपुर को नया पुलिस आयुक्त मिला

जयपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बड़े स्तर पर आईपीएस अधिकारियों का तबादला हुआ है। राज्य में 34 आईपीएस के तबादले और 5 आईपीएस को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी क्रम में सचिन मित्तल को जयपुर का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। जबकि, कई अन्य शीर्ष-स्तरीय आईपीएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। कार्मिक विभाग (डीओपी) के आदेश के अनुसार, गोविंद गुप्ता को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। आनंद कुमार श्रीवास्तव अब विशेष अभियान समूह (एसओजी) के महानिदेशक होंगे।

अशोक कुमार राठौर को जेल महानिदेशक और प्रफुल्ल कुमार को खुफिया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। इतने बड़े स्तर पर हुए फेरबदल का उद्देश्य पुलिस प्रशासन को मजबूत करना, दक्षता बढ़ाना और प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाना है। अपनी सक्रिय पुलिसिंग और प्रशासनिक कौशल के लिए जाने जाने वाले सचिन मित्तल ने जयपुर पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण किया है, जहां वे राज्य की राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जन सुरक्षा में सुधार और संगठित अपराध पर अंकुश लगाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। एक ईमानदार और अनुभवी अधिकारी माने जाने वाले गोविंद गुप्ता ने भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य में चल रहे अभियान में एक महत्वपूर्ण पद, एसीबी का कार्यभार संभाल लिया है।

खुफिया और क्षेत्रीय अभियानों में व्यापक अनुभव रखने वाले अधिकारी आनंद कुमार श्रीवास्तव संगठित अपराध और आतंकवाद से संबंधित मामलों को देखने वाली एसओजी का नेतृत्व करेंगे। वर्तमान महानिदेशक (जेल) अशोक कुमार राठौर से जेल प्रबंधन और आधुनिकीकरण में सुधार की पहल करने की उम्मीद है।

इस बीच, प्रफुल्ल कुमार की महानिदेशक (खुफिया) के रूप में नियुक्ति राजस्थान भर में खुफिया जानकारी जुटाने और निवारक पुलिसिंग तंत्र को मजबूत करने पर सरकार के जोर को दिखाती है। अधिकारियों ने कहा कि ये तबादले मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के राज्य भर में बेहतर कानून-व्यवस्था और पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाते हैं। डीओपी अधिसूचना के अनुसार, सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपनी नई तैनाती का कार्यभार संभालने का निर्देश दिया गया है।

जोधपुर-दौसा समेत 4 जिलों में सरकारी योजनाओं के पैसों की बड़ी घपलेबाजी का पर्दाफाश
मास्टरमाइंड समेत 30 आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। झालावाड़ पुलिस ने ऑपरेशन शटरडाउन के तहत सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में घोटाले का पर्दाफाश किया। इसमें आरोपियों ने जोधपुर, कोटा, बूंदी और दौसा जिलों की सरकारी योजनाओं का पैसा अपने कब्जे में ले रखा था। यह साइबर गिरोह डिजिटल प्लेटफार्मों का इस्तेमाल कर लाखों रुपए की धोखाधड़ी कर रहे थे।

इस मामले में पुलिस ने कुल 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें मास्टरमाइंड रामावतार सैनी भी शामिल है। रामावतार ने अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर सरकारी योजनाओं का फर्जी लाभ उठाया और करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की। वह अपने एजेंटों के माध्यम से किसानों और अन्य लाभार्थियों के खाते से सरकारी धन निकालता था।

जांच के दौरान यह सामने आया कि रामावतार सैनी ने जोधपुर, कोटा, बूंदी और दौसा में एक बड़ा नेटवर्क बना रखा था। इन 4 जिलों से उसने अपात्र लोगों के बैंक खातों का उपयोग कर सरकारी योजनाओं से पैसा निकालने का काम किया। पुलिस ने इस ऑपरेशन में 52.69 लाख रुपए नकद, लग्जरी वाहन, लैपटॉप, सिम कार्ड, बायोमेट्रिक स्कैनर और अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए। ऑपरेशन की सफलता का मुख्य कारण पुलिस टीम की समन्वित और त्वरित कार्रवाई थी। 70 पुलिस टीमों ने लगातार 70 घंटे काम किया और पूरे अभियान को गोपनीय रखते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों के पास से बड़े पैमाने पर साक्ष्य भी बरामद किए।

दो बाइकों की भिड़ंत, तीन युवकों की मौत और दो घायल
कलेक्टर भी पहुंचे अस्पताल

बांसवाड़ा, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले से होकर गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग-56 पर दो मोटरसाइकिलों की जोरदार भिड़ंत में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही जिला कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचे। सदर थाना क्षेत्र के जयपुर मार्ग पर भगतपुरा गांव के पास एक पेट्रोल पंप के सामने दो मोटरसाइकिलों की टक्कर हो गई। पहली मोटरसाइकिल पर तीन युवक सवार थे और दूसरी पर दो। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों मोटरसाइकिल चकनाचूर हो गई।

स्थानीय समाजसेवी हरिश्चंद्र कलाल ने निजी वाहन से दोनों घायल युवकों को महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचाया। बाद में परिजन उन्हें उदयपुर ले गए। सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर इंद्रजीत यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश भारद्वाज, डिप्टी गोपीचंद मीणा, शहर कोतवाल रूपसिंह, सदर थानाधिकारी बुधराम बिश्नोई और उपखंड अधिकारी सोनू कुमारी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों की स्थिति की जानकारी ली और समुचित उपचार के निर्देश दिए। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद मृतकों के शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

तिजारा से कांग्रेस उम्मीदवार रहे इमरान पर धार्मिक भावनाएं भड़काने का आरोप, मामला दर्ज

अलवर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। तिजारा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे इमरान खान एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं।

उनके खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में तिजारा थाने में मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि इमरान खान के फेसबुक अकाउंट से देवी लक्ष्मी की फोटो के साथ विवादित तस्वीर पोस्ट की गई।

बजरंग दल की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत

इस संबंध में जयसिंह सैनी, सह-संयोजक बजरंग दल, जिला भिवाड़ी तथा यशपाल आचार्य ने तिजारा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

उनका कहना है कि यह पोस्ट हिंदू धर्म की आस्था और देवी लक्ष्मी का अपमान है और इससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। साथ ही, पोस्ट को हटाने की कोई कार्रवाई अब तक नहीं की गई है।

थाना अधिकारी वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह फेसबुक अकाउंट वास्तव में इमरान खान का है या नहीं।

दोनों पक्षों की जांच जारी

पुलिस का कहना है कि साइबर टीम को भी इस मामले में लगाया गया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि फेसबुक पेज असली है या फर्जी।

विधिक कार्रवाई संभव

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पोस्ट करने वाले की पहचान हो जाती है और दोष सिद्ध होता है तो आईटी एक्ट व आईपीसी की धाराओं में कार्रवाई संभव है। ऐसे संवेदनशील कंटेंट को लेकर लोगों को जागरूक रहने की जरूरत है।

जेल में बंद पूर्व विधायक के साथ हादसा
रातों रात झालावाड से कोटा रेफर

झालावाड़, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में20 साल पहले एसडीएम की कनपटी पर पिस्टल तान देने के जुर्म में 3 साल की सजा काट रहे भाजपा नेता कंवरलाल मीणा बुधवार रात झालावाड़ जेल के बाथरूम में गिर पड़े। कंवरलाल मीणा के शरीर में चोट आई है। वे चल नहीं पा रहे हैं। पैर में दिक्कत है। ऐसे में झालावाड़ जिला अस्पताल एसआरजी के डॉक्टर्स ने उनका इलाज किया। इसके बाद एमआईआर जांच के लिए कंवरलाल मीणा को एंबुलेंस से कोटा रैफर किया गया। कोटा न्यू मेडिकल कॉलेज में एमआईआर जांच करवाने के बाद उन्हें वापस झालावाड़ भेजा गया।

भाजपा नेता कंवरलाल मीणा की वजह से राजस्थान के बारां जिले की अंता विधानसभा में पहली बार उपचुनाव हो रहा है। 3 साल की सजा के कारण 1 मई को कंवरलाल मीणा की विधायकी निलंबित हुई और उसके बाद चुनाव आयोग ने यहां उपचुनाव करवा रहा है। कंवरलाल मीणा ने साल 2013 में झालावाड़ मनोहरथाना सीट से भाजपा के टिकट पर पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा था और विधायक बने। साल 2023 में अंता से चुनाव लड़ा और कांग्रेस नेता प्रमोद जैन भाया को हराया। विधायक बने, लेकिन विधायकी डेढ़ साल में समाप्त हो गई।

सरपंच उपचुनाव के दौरान एसडीएम की कनपटी पर तानी थी पिस्टल

साल 2005 का मामला है। कंवरलाल मीणा को तीन साल की जेल हुई है। राजस्थान के झालावाड़ जिले की खाताखेड़ी ग्राम पंचायत में सरपंच के उपचुनाव थे। मतदान को लेकर कंवरलाल मीणा नाराज हुए और तबके क्षेत्रीय एसडीएम को धमकाते हुए पुनः मतदान करने को मजबूर किया। अधिकारी ने बात नहीं मानी, तो कंवरलाल मीणा ने एसडीएम को डराते-धमकाते हुए कनपटी पर पिस्टल तान दी। मीणा ने सरकारी वीडियोग्राफी की कैसेट भी तोड़ी। मामला बिगड़ने पर उनके खिलाफ स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

तत्कालीन उपखंड अधिकारी रामनिवास मेहता पर पिस्टल तानने और धमकी देने का गंभीर आरोप कंवरलाल पर लगा। साल 2020 में कोर्ट ने उन्हें तीन साल की सजा सुनाई। साल 2025 में राजस्थान हाईकोर्ट ने सजा बरकरार रखी। सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी याचिका खारिज कर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मीणा ने आत्मसमर्पण किया और अकलेरा से झालावाड़ जिला जेल भेजा गया।

राजस्थान सरकार ने 5000 करोड़ का कर्ज लिया
आरबीआई बॉन्ड पर कई राज्यों से ज्यादा ब्याज देगी; कहां खर्च होगा ये पैसा

जयपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने विकास योजनाओं के लिए 5000 करोड़ के बॉन्ड के जरिए कर्ज लिया है। यह पैसा सीधा कर्ज नहीं लेकर 3 आरबीआई बॉन्ड के जरिए जुटाया गया है। सरकार ने रिजर्व बैंक के जरिए स्टेट ग्रांटेड सिक्योरिटीज (SGS) बॉन्ड से 5000 करोड़ की रकम जुटाई है।

बॉन्ड का पैसा 10 से 26 साल में वापस चुकाना है। सरकार लगभग हर साल बॉन्ड के जरिए पैसा जुटाती है। इस बार दूसरे राज्यों की तुलना में सरकार बॉन्ड पर ज्यादा ब्याज दे रही है।

आरबीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार बॉन्ड राजस्थान एसजीएस 2043 को रि-इश्यू करके 1500 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इस पर 7.57 प्रतिशत ब्याज लगेगा, यह बॉन्ड 18 साल के लिए जारी किया है।

बॉन्ड राजस्थान एसजीएस 2035 के जरिए 2000 करोड़ रुपए 10 साल के लिए 7.23 फीसदी ब्याज पर जुटाए हैं। राजस्थान एसजीएस 2051 बॉन्ड के जरिए 26 साल के लिए 1500 करोड़ 7.30 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा।

यूपी, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु ने भी बॉन्ड से जुटाया फंड

आरबीआई के एसजीएस बॉन्ड के जरिए राजस्थान के साथ उत्तर प्रदेश (यूपी), महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु ने भी फंड जुटाया है। महाराष्ट्र ने 5000 करोड़, छत्तीसगढ़ ने 2000 करोड़, उत्तर प्रदेश ने 2000 करोड़ और तमिलनाडु ने 3000 करोड़ रुपए का फंड जुटाया है।

तमिलनाडु के बॉन्ड पर राजस्थान से कम ब्याज

तमिलनाडु के बॉन्ड राजस्थान से सस्ती ब्याज दर पर है, सरकार को कम ब्याज देना पड़ेगा। तमिलनाडु ने 2032 तक के लिए 1000 करोड़ रुपए 6.99 प्रतिशत ब्याज पर जुटाए हैं। 2035 तक 1000 करोड़ के लिए 7.14 फीसदी और 2055 तक के लिए 1000 करोड़ 7.34 प्रतिशत ब्याज पर जुटाए हैं।

छत्तीसगढ़ ने 2040 तक के लिए 1000 करोड़ 15 साल के लिए 7.34% पर और 1000 करोड़ रुपए 2032 तक के लिए 7.14% ब्याज दर पर बॉन्ड के जरिए जुटाए हैं।

महाराष्ट्र ने 1000 करोड़ 2034 तक के लिए 7.24%,1500 करोड़ 2041 तक के लिए 7.26% पर और 2036 तक के लिए 1500 करोड़ 7.20% और 2050 तक के लिए 1000 करोड़ 7.29% पर जुटाए हैं।

भाई की निर्मम हत्या
कुल्हाड़ी से काट डाला, पिता की अंतिम क्रिया-कर्म के खर्च को लेकर हुआ था झगड़ा

बाड़मेर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के चौहटन क्षेत्र के नवातला जेतमाल गांव में एक दर्दनाक घटना घटी, जिसमें छोटे भाई ने आपसी विवाद में अपने बड़े भाई की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय किशनाराम और उसके 35 वर्षीय बड़े भाई गुणेशाराम के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर बहस हुई। बहस इतनी बढ़ गई कि किशनाराम ने कुल्हाड़ी से अपने बड़े भाई के सिर पर वार कर दिया। वार तुरंत ही घातक साबित हुआ और गुणेशाराम घटना स्थल पर ही लहूलुहान होकर गिर गए।

घटना की सूचना मिलते ही बीजराड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर चौहटन जिला अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट कर दिया। साथ ही पुलिस ने एफएसएल और एमओबी की टीम को बुलाकर घटना स्थल से सबूत जुटाए।

आरोपी भाई किशनाराम घटना के बाद फरार हो गया है। पुलिस की अलग-अलग टीमें उसे पकड़ने के लिए तलाश में लगी हुई हैं। मृतक गुणेशाराम की पत्नी छह साल पहले 2019 में निधन हो चुकी थी और उसके कोई संतान नहीं थी। दोनों भाई एक ही घर में मां, छोटे भाई की पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। पिता की भी तीन साल पहले मौत हो चुकी थी।

पिता के अंतिम संस्कार और क्रिया-कर्म में हुए खर्चों को लेकर दोनों भाइयों के बीच मनमुटाव पैदा हुआ था। यही मामूली विवाद बढ़ते-बढ़ते जानलेवा संघर्ष में बदल गया।

नोटबंदी के बाद सील रहे लॉकर से मिले 15.50 लाख के पुराने नोट
राजस्थान हाईकोर्ट ने आरबीआई और केंद्र सरकार से मांगा जवाब

जोधपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक अनोखे विमुद्रीकरण (नोटबंदी) विवाद में 15.50 लाख रुपये की पुरानी मुद्रा को लेकर केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स को नोटिस जारी किया है। अदालत ने माना कि यह मामला "न्यायसंगतता" और "संपत्ति के संवैधानिक संरक्षण" से जुड़ा गंभीर प्रश्न उठाता है। यह मामला बीकानेर निवासी रणवीर सिंह की याचिका से संबंधित है, जिनके दिवंगत पिता चंद्रसिंह के बैंक लॉकर से वर्ष 2018 में 500 और 1000 के विमुद्रीकृत नोट बरामद हुए थे।

याचिका के अनुसार, चंद्रसिंह के निधन के बाद उत्तराधिकार विवाद के चलते उनके बैंक लॉकर पर अदालत ने सील लगा

दी थी। लॉकर बैंक और न्यायालय की अभिरक्षा में वर्षों तक बंद रहा। वर्ष 2018 में जब अदालत के आदेश से इसे खोला गया, तब तक नोटबंदी की वैध विनिमय अवधि समाप्त हो चुकी थी। लॉकर से 15 लाख 50 हजार रुपये की पुरानी मुद्रा मिली, जो अब चलन से बाहर थी।

रणवीर सिंह की ओर से अधिवक्ता विपुल सिंघवी ने अदालत में दलील दी कि नोटबंदी के दौरान याचिकाकर्ता के पास लॉकर तक पहुंचने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं था, क्योंकि मामला न्यायालय में लंबित था। इस कारण मुद्रा का विनिमय व्यावहारिक रूप से असंभव था। अधिवक्ता ने कहा कि राहत न देना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 300-ए (संपत्ति से वंचन का अधिकार) और अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन होगा। उन्होंने यह भी कहा कि "किसी व्यक्ति को अदालत की प्रक्रिया के कारण नुकसान नहीं उठाना चाहिए," क्योंकि यह न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

अतिरिक्त लाभ नहीं

याचिकाकर्ता ने अदालत से यह अनुरोध किया है कि वह किसी अतिरिक्त लाभ की मांग नहीं कर रहा, बल्कि केवल न्यायसंगत राहत चाहता है - या तो पुरानी मुद्रा की वैधता को मान्यता दी जाए या उसे उसके नुकसान की क्षतिपूर्ति प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि यह मामला न केवल व्यक्तिगत न्याय का, बल्कि नागरिक अधिकारों और न्यायिक जिम्मेदारी का भी प्रश्न है।

हाईकोर्ट ने माना - संवैधानिक दृष्टि से विचारणीय मामला

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव कुमार शर्मा और न्यायमूर्ति अनुरूप सिंघी की खंडपीठ ने इस मामले को "संवैधानिक और न्यायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण" मानते हुए विचारणीय करार दिया। अदालत ने केंद्र सरकार, RBI और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स को चार सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि मामला केवल मुद्रा का नहीं, बल्कि नागरिक के संपत्ति अधिकार और न्याय प्रक्रिया की निष्पक्षता से भी जुड़ा है।

5 साल का रिश्ता एक झटके में खत्म, प्रेमी ने की प्रेमिका की हत्या
सबूत मिटाने के लिए जलाया

जालोर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। रानीवाड़ा क्षेत्र के दूधवट गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां प्रेम प्रसंग में अनबन के चलते युवक ने अपनी प्रेमिका की गला दबाकर हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए शव को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना के महज दो दिन के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस के अनुसार दीपावली की रात रानीवाड़ा थाना क्षेत्र के चरपटिया गांव के पुलिए के पास एक महिला का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर रानीवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो संदिग्धों की सूची में मेड़ा निवासी लसाराम मेघवाल पुत्र समेलाराम का नाम सामने आया। पुलिस टीम ने 20 अक्टूबर को आरोपी को दस्तयाब कर पूछताछ की, जहां उसने महिला की हत्या करने की बात कबूल कर ली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चरपटिया क्षेत्र की सीमा में स्थित डामर सडक़ के नीचे बरसाती सूखे नाले में बने सीमेंट पाइप से महिला का अधजला शव बरामद किया। घटनास्थल पर एएसपी आवड़दान रत्नू, डीएसपी भवानीसिंह इंदा सहित एफएसएल और एमओबी टीम मौके पर पहुंची और वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या एवं सबूत नष्ट करने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

तीन नवंबर को निजी कॉलेजों के राज्यव्यापी बंद को भाजपा का समर्थन

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा ने 3 नवंबर को निजी कॉलेज प्रबंधनों द्वारा आहूत राज्यव्यापी बंद का समर्थन करने की घोषणा की है। इस बंद में कांग्रेस सरकार से लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया राशि तुरंत जारी करने की मांग की गई है।

निजी कॉलेज प्रबंधनों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव से उनके आवास पर मुलाकात की और सरकार द्वारा प्रतिपूर्ति बकाया राशि जारी करने में देरी के कारण संस्थानों को हो रही वित्तीय कठिनाइयों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने अपने आंदोलन के लिए भाजपा का समर्थन माँगा। बंद को अपनी पार्टी का पूर्ण समर्थन देते हुए, राव ने बार-बार आश्वासन के बावजूद बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि सरकार बिना किसी और देरी के लंबित 900 करोड़ रुपये की शुल्क प्रतिपूर्ति राशि जारी करे। पिछले चार वर्षों से धनराशि जारी न होने के कारण कई शैक्षणिक संस्थान गंभीर वित्तीय संकट में हैं और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'शिक्षकों की नौकरियाँ जा रही हैं और छात्रों का एक शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने का खतरा है।' भाजपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, जिनके पास शिक्षा विभाग भी है, की आलोचना करते हुए उन पर 'छात्रों के भविष्य से खिलवाड़' करने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि निजी कॉलेज प्रबंधन ने पहले सरकार द्वारा दशहरा और दिवाली से पहले बकाया राशि का भुगतान करने का वादा करने के बाद अपनी योजनाबद्ध हड़ताल वापस ले ली थी। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सरकार अपना वादा निभाने में विफल रही, जिससे प्रबंधन को अपना विरोध फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

लड़की का यौन उत्पीड़न करने वाले नारायण राव ने आत्महत्या की

काकीनाड़ा, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कथित तौर पर 13 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने वाले टी. नारायण राव (62) काकीनाडा जिले के तुनी कस्बे के बाहरी इलाके में एक तालाब में कूदकर आत्महत्या कर ली। पीड़िता और आरोपी दोनों तुनी कस्बे के ही रहने वाले हैं। बीते 21 अक्टूबर को, राव कथित तौर पर सरकारी स्कूल से अनुमति लेकर लड़की को उसकी चिकित्सा आवश्यकता के बहाने बाहर ले गया था। बाद में, उसने कथित तौर पर एक बगीचे में पीड़िता का यौन उत्पीड़न किया, जहाँ उसे बगीचे के मालिक ने पकड़ लिया। 22 अक्टूबर को बगीचे के मालिक द्वारा वीडियो ऑनलाइन पोस्ट करने के बाद यह घटना सामने आई। पेड्डापुरम संभागीय पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पेड्डापुरम के पुलिस के मुताबिक 22 अक्टूबर को रात 10 बजे तक तुनी सरकारी अस्पताल में मेडिकल जाँच पूरी हो गई थी। रात लगभग 10 बजे, आरोपी ने अदालत में पेशी के लिए ले जाते समय एस्कॉर्ट टीम से शौचालय जाने की अनुमति मांगी थी। राव अचानक भाग गया और तालाब में कूद गया।' पुलिस ने तलाशी अभियान तुरंत शुरू किया गया। हालाँकि, राव का शव गुरुवार सुबह लगभग 8 बजे तालाब में मिला।'

आईडीए बोलारम में बस सेवाओं की कमी के विरोध में प्रदर्शन

संगारेड्डी, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को आईडीए बोलारम में छात्रों और स्थानीय निवासियों ने बसों की कमी के विरोध में मुख्य सड़क को अवरुद्ध कर दिया और आरटीसी से अतिरिक्त सेवाएँ संचालित करने की मांग की। प्रदर्शन में छात्रों के साथ-साथ औद्योगिक कर्मचारी भी शामिल थे। छात्रों ने कहा कि बसों की सीमित संख्या के कारण वे अक्सर समय पर कॉलेज और स्कूल नहीं पहुँच पाते हैं।

जनता चाहे तो राजनीतिक पार्टी बनाने को तैयार : कविता

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जागृति अध्यक्ष कल्वाकुंतला कविता ने घोषणा की है कि अगर जनता की मांग होगी तो वह तेलंगाना में एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने पर विचार ज़रूर करेंगी।

गुरुवार को, जागृति नेताओं के साथ कविता ने यदाद्री भुवनगिरी जिले के यदागिरिगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में जाकर भगवान का आशीर्वाद लिया। इसके बाद, मीडिया से बातचीत में कविता ने बताया कि वह 25 अक्टूबर को अपने गृहनगर निज़ामाबाद से 'जन्म बटा' कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी। यह पहल चार महीने तक चलेगी और तेलंगाना के 33 जिलों में फैलेगी। कविता ने कहा, 'हम निवासियों के सामने आने वाली समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए प्रत्येक ज़िले में दो दिन बिताएँगे। यात्रा के दौरान, मैं समाज के विभिन्न वर्गों, जिनमें बुद्धिजीवी, शिक्षित व्यक्ति, किसान, युवा और महिलाएं शामिल हैं, से मिलकर उनकी चिंताओं को समझूँगी। हमारा लक्ष्य इन समस्याओं का प्रभावी समाधान ढूँढ़ना होगा।' तेलंगाना जागृति 19 वर्षों से एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में स्थापित है। इस दौरान, हमने सार्वजनिक और राजनीतिक, दोनों तरह के मुद्दों पर काम किया है। तेलंगाना आंदोलन के दौरान भी, हमने राजनीति और राजनीतिक गतिशीलता पर चर्चा की। हालाँकि हम एक नागरिक समाज संगठन हैं, फिर भी ज़रूरत पड़ने पर हम राजनीति पर चर्चा के लिए तैयार हैं।

राजनीतिक चर्चा में शामिल होने के लिए किसी राजनीतिक दल से जुड़े होने की ज़रूरत नहीं है। अगर लोग किसी पार्टी के उदय की इच्छा रखते हैं, तो हम निश्चित रूप से उस पहल का समर्थन करेंगे; इसमें कोई समस्या नहीं है। आंध्र प्रदेश में तीन और तमिलनाडु में दो क्षेत्रीय पार्टियाँ हैं, जबकि केरल में लगभग हर गली-मोहल्ले में कोई न कोई पार्टी मौजूद है। सिर्फ़ राजनीतिक पार्टियों का होना ही मुख्य बात नहीं है; मायने यह रखता है कि ये पार्टियाँ जनता का भला करें। अगर मैं कोई पार्टी बनाऊँगी, तो वह मेरे अपने फ़ायदे के लिए नहीं होगी। बल्कि, मेरा ध्यान लोगों की सेवा पर होगा। हम 'जनम बाटा' के ज़रिए लोगों से जुड़ने और उनकी ज़रूरतों को समझने की योजना बना रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने शहीद कांस्टेबल के परिवार को सांत्वना दी

निज़ामाबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ और सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने गुरुवार को निज़ामाबाद में एक उपद्रवी द्वारा हाल ही में किए गए हमले में शहीद हुए कांस्टेबल प्रमोद के परिवार से मुलाकात की। कांग्रेस नेताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। समर्थन स्वरूप, पार्टी ने प्रमोद के परिवार को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने कांस्टेबल के माता-पिता और रिश्तेदारों से बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि इस कठिन समय में कांग्रेस उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। मीडिया से बात करते हुए, शब्बीर अली ने कहा, 'हम आर्थिक सहायता तो दे सकते हैं, लेकिन कोई भी सरकार या नेता उस परिवार के भावनात्मक घावों पर मरहम नहीं लगा सकता जिसने अपने प्रियजन को खो दिया हो। कांस्टेबल प्रमोद ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका बलिदान न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि पूरे पुलिस बल के लिए गर्व की बात है।'

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा पहले की गई एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि, परिवार के एक पात्र सदस्य को सरकारी नौकरी और निज़ामाबाद में 300 वर्ग गज का आवासीय भूखंड देने की घोषणा का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'इस कदम से पुलिस समुदाय को थोड़ी राहत मिली है और यह सरकार के अपने कर्मियों की बहादुरी के प्रति सम्मान को दर्शाता है।'

महेश कुमार गौड़ ने शहीद कांस्टेबल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा, 'प्रमोद एक ईमानदार और प्रतिबद्ध अधिकारी थे। खतरे का सामना करते हुए उनका समर्पण और साहस सभी के लिए प्रेरणा है। हम उनके परिवार को आश्वस्त करते हैं कि कांग्रेस उनके साथ खड़ी रहेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उनकी चिंताओं का समाधान किया जाए।'

प्रक्रियागत त्रुटियों को सुधारे और उचित संवैधानिक मार्ग से आगे बढ़े : वकुलाभरणम

स्थानीय निकायों में 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण पर अनेक शंकाएँ

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष व भाजपा नेता डा. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने कहा कि वर्तमान में तेलंगाना में 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण स्थानीय निकायों में लागू है या नहीं। इस प्रश्न पर अनेक शंकाएँ और चर्चाएँ उठ रही हैं।

इस संवेदनशील विषय पर जनमानस को शैक्षिक, संवैधानिक और कानूनी दृष्टिकोण से स्पष्टता प्रदान करना आवश्यक प्रतीत होता है। अपने लंबे अनुभव और संवैधानिक समझ के आधार पर मैंने इस मुद्दे को अकादमिक और कानूनी परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि जब मैं वैधानिक पद पर था, तब सरकार को सलाहें देता था। अब पद पर नहीं हूँ, फिर भी प्रश्न उठाने की मेरी शैली वही है। मैंने कभी, कहीं समझौता नहीं किया। आरंभ से ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि सरकार द्वारा बीसी आरक्षण को 42% तक बढ़ाने का निर्णय गंभीर कानूनी प्रश्न खड़ा करता है।

सरकारी निर्णय और कानूनी संदर्भ 26 सितंबर 2025 को तेलंगाना सरकार ने शासनादेश संख्या 9 जारी कर स्थानीय निकायों में बीसी आरक्षण को 42% कर दिया। उसी समय विधेयक संख्या 3 और 4 राष्ट्रपति भवन में लंबित थे और पंचायत राज (संशोधन) विधेयक, धारा 285-ए जोड़ने के लिए, राज्यपाल की स्वीकृति की प्रतीक्षा में था। इन विधायी प्रक्रियाओं को पूर्ण किए बिना कार्यकारी आदेश से आरक्षण लागू करना संवैधानिक वैधता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। 9 अक्तूबर को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने इस आदेश पर रोक लगा दी। 16 अक्तूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने भी राज्य की अपील खारिज कर उच्च न्यायालय के निर्णय को बरकरार रखा। इसके बाद 18 अक्तूबर को बीसी संगठनों ने राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया, जो सफल रहा और इस मुद्दे पर जनचिंता स्पष्ट रूप से सामने आई। संवैधानिक ढाँचा सर्वोच्च न्यायालय ने इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ (1992) में कहा कि आरक्षण समकालीन आँकड़ों पर आधारित होना चाहिए और सामान्यतः 50% की सीमा नहीं लांघ सकते, सिवाय असाधारण परिस्थितियों में।

के. कृष्णमूर्ति बनाम भारत संघ (2010) में न्यायालय ने ट्रिपल टेस्ट निर्धारित किया। पहला स्वतंत्र आयोग द्वारा अनुभवजन्य सर्वेक्षण दूसरा अपर्याप्त प्रतिनिधित्व सिद्ध करने हेतु मात्रात्मक आँकड़े तीसरा कुल आरक्षण सीमा 50% से अधिक न हो। विकास किशनराव गवली बनाम महाराष्ट्र राज्य (2021) में न्यायालय ने दोहराया कि इन मानकों की अवहेलना आरक्षण को असंवैधानिक बना देती है। तेलंगाना की चूक श्री राव के अनुसार, तेलंगाना इन संवैधानिक मानकों पर खरा नहीं उतरा। एसईईईपीसी योजना विभाग ने कराया, जबकि इसे वैधानिक आयोग के तहत होना चाहिए था। इससे इसकी विश्वसनीयता प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदों की आलोचना करने के बजाय राज्य को चाहिए कि लंबित विधेयकों के कारणों की जाँच करे, प्रक्रियागत त्रुटियों को सुधारे और उचित संवैधानिक मार्ग से आगे बढ़े। असली परीक्षा यही है। तभी सरकार की निष्ठा और ईमानदारी जनता के सामने प्रमाणित होगी।

रेलवे ने विद्युत कर्षण प्रणाली के उन्नयन को मंज़ूरी दी

दिलसुखनगर में आयोजित दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में उपस्थित तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एण्ड ज्वैलर्स असोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष शंकर सिंह राजपुरोहित, जाट समाज ट्रस्ट अध्यक्ष दूदाराम बावल, छोटु सिंह, हीर सिंह राजपुरोहित।

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय ने मेडचल-मुदखेड और महबूबनगर-दोन खंडों के बीच विद्युत कर्षण प्रणाली को 2 x 25 केवी प्रणाली में उन्नत करने की मंज़ूरी दे दी है। रेलगाड़ियों की गति और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से इस परियोजना पर मेडचल-मुदखेड खंड के लिए लगभग 193.26 करोड़ रुपये और महबूबनगर-दोन खंड के लिए 122.81 करोड़ रुपये खर्च होंगे। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, इस उन्नयन में सर्किट ब्रेकर, स्विचिंग स्टेशनों में संशोधन और अतिरिक्त कंडक्टरों की स्थापना शामिल है। इस कदम से वोल्टेज स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा, बिजली की हानि कम होगी और एक सर्किट में रुकावट आने पर भी निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित होगा। मेडचल-मुदखेड के बीच 225 किलोमीटर और महबूबनगर-दोन के बीच 184 किलोमीटर लंबे ये खंड मुख्य रूप से तेलंगाना से होकर गुजरते हैं।

एआईजी ने शुरू किए आनुवंशिक आधारित नुस्खे

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अब डॉक्टर व्यक्ति की आनुवंशिक संरचना के आधार पर दवाइयाँ लिख सकते हैं। एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (एआईजी) ने सामान्य दवाओं की जगह आनुवंशिक रूप से उपयुक्त नुस्खे शुरू किए हैं। यह पहल लगभग 2,000 मरीज़ों पर किए गए अध्ययन के बाद की गई, जिसमें पाया गया कि लगभग 30 प्रतिशत मरीज़ ऐसी दवाइयाँ ले रहे थे जो उनके लिए आनुवंशिक रूप से अनुपयुक्त थीं। एआईजी के अध्यक्ष डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी के अनुसार, इस परीक्षण से मरीज़ों की रिकवरी बेहतर होगी और अनावश्यक दुष्प्रभावों से बचा जा सकेगा। यह परीक्षण व्यक्ति के डीएनए का विश्लेषण कर हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, जठरांत्र संबंधी, तंत्रिका और मानसिक रोग तथा दर्द प्रबंधन जैसी बीमारियों में दवाओं पर शरीर की प्रतिक्रिया का अनुमान लगाता है।

एनएमडीसी में राजभाषा माह पुरस्कार वितरण समारोह मनाया गया

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी में राजभाषा माह, 2025 का आज पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, निदेशक (कार्मिक) एवं निदेशक (वित्त) अतिरिक्त प्रभार ने की। इस अवसर पर के. प्रवीण कुमार, अधिशासी निदेशक (वाणिज्य) की भी उपस्थिति रही।

समारोह में रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी उपस्थित कार्मिकों का स्वागत किया तथा पिछले एक वर्ष के दौरान सम्पन्न राजभाषा गतिविधियों एवं उपलब्धियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर के. प्रवीण कुमार ने अपने संबोधन में एनएमडीसी द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए बधाई दी तथा सभी उपस्थित कार्मिकों को अपने दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करने का आह्वान किया। श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी ने अध्यक्षीय संबोधन में राजभाषा माह समारोह की बधाई दी तथा एनएमडीसी को राष्ट्रीय स्तर, मंत्रालय स्तर एवं नगर स्तर पर मिल रहे पुरस्कारों एवं सम्मान की सराहना करते हुए कहा कि आज एनएमडीसी राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रही है और नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। उन्होंने राजभाषा माह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में उत्साह के साथ सम्मिलित होने तथा पुरस्कार जीतने पर प्रतिभागियों को बधाई दी। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, के. प्रवीण कुमार, अधिशासी निदेशक (वाणिज्य) ने पुरस्कार वितरित किए। डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यक्रम का समन्वयन किया और सुश्री सुरेखा, अप्रेंटिस ट्रैनी ने उनका सहयोग किया। राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

चेरलापल्ली और बरौनी के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) चेरलापल्ली और बरौनी के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। एससीआर के अनुसार, विशेष ट्रेन संख्या 07093/07094 (चेरलापल्ली-बरौनी-चेरलापल्ली) 25 और 27 अक्टूबर को चलेगी।

यह ट्रेन जनगांव, काजीपेट, पेड्डापल्ली, मंचेरियल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंदा पोस्ट, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, रांची, मुरी, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

मछलीपट्टनम - चेरलापल्ली-मछलीपट्टनम के बीच एक और विशेष ट्रेन (नंबर 07642/07641) 24 अक्टूबर को चलेगी। यह दोनों दिशाओं में गुडीवाड़ा, विजयवाड़ा, गुंटूर, सत्तेनपल्ली, नादिकुडे, मिर्यालागुडा और नलगोंडा पर रुकेगी। ट्रेन की संरचना में 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल हैं।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करें : शंकराचार्य

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बुधवार को गो तस्करों ने एक गौरक्षक सोनू को गौवंश की तस्करी रोकने के कारण गोली मार दी। यह नौजवान 5-6 वर्षों से गौ रक्षा का काम कर रहा है। ऐसी विकट स्थिति सारे देश में आए दिन देखी जा रही है जिसमें गौरक्षकों पर गौमाता की रक्षा करने के कारण हमले हो रहे हैं।

ऐसे में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि केंद्र और तेलंगाना सरकारे इस मामले में कठोरतम कार्रवाई करें। जरूरत पडे तो

गौतस्करों को मृत्युदण्ड देने तक की मांग भी उन्होंने की है। उनके अनुसार केंद्र सरकार यदि गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कर अब तक कठोर केंद्रीय कानून बना देती तो ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। उन्होंने सोनू की मां को आशीर्वाद देते हुए कहा है कि धन्य है वह मां जो अपने बेटे को गौमाता पर बलिदान करने की बात सार्वजनिक रूप से गर्व के साथ बोल रही है। स्वामी जी ने कहा कि हम सोनू के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना करते हैं, और तेलंगाना के गौभक्तों को इस पुनीत कार्य के लिए आशीर्वाद देते हैं,जो गौमाता की रक्षा व सेवा में अपने प्राण तक न्यौछावर करने को तैयार रहते हैं। और अंत में हम एक बार पुनः केंद्र सरकार से यह मांग करते हैं कि वह गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करें, और गो हत्यारों/तस्करों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करें, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

छठ घाटों की सफाई का काम पूरा

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। छठ महापर्व के मद्देनजर गुरुवार से युद्धस्तर पर बकतुम्मा घाटों की साफ-सफाई का काम पूरा हो गया है। सभी घाटों की सफाई की सफाई की गई है ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। घाटों पर रोशनी की व्यवस्था भी की गई है

आयोजकों का मानना है कि समय पर की जा रही इस सफाई से छठ पर्व के दौरान स्वच्छता और व्यवस्था का बेहतर माहौल बनेगा। इससे चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व बिना किसी बाधा के भक्ति और पवित्रता के साथ संपन्न हो सकेगा।

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद का प्रतिनिधिमंडल उप्पल बतुकम्मा नागोल एवं हसमतपेट बतुकम्मा छठ घाट का निरीक्षण किया। महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि संगठन उपाध्यक्ष रविशंकर सिंह, मृत्युंजय गुप्ता एवं अरविंद सिंह ने उप्पल बतुकम्मा घाट, दीपक यादव, बिजेंद्र गुप्ता, हरे राम यादव, सुनील यादव, जितेंद्र गुप्ता एवं निरंजन यादव हसमतपेट घाट तथा अमरेश कुमार मौर्य एवं राजेश द्वारा नागोल बतुकम्मा घाट का निरीक्षण किया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने छठ पूजा घाट की सौंदर्यीकरण हेतु संवेदनशीलता के प्रति संतोष व्यक्त किया है। इसी प्रकार सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर द्वारा गंगा भवानी मंदिर के समीप तलाब प्रांगण में छठ महापर्व आयोजित किया गया है। चार दिन चलने वाला यह महापर्व 25 अक्टूबर को नहाय-खाय से शुरु होकर 26 अक्टूबर को खरना,27 अक्टूबर को डूबते हुए सूर्य को प्रथम अर्घ्य और 28 अक्टूबर उगते हुए सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित कर छठ महापर्व का समापन होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

'आत्मनिर्भर और युद्ध ...

उन्होंने कहा कि नौसेना 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। तकनीक के क्षेत्र में नवाचार, नए उपकरणों का समावेश और आईडेक्स पहल इसके मजबूत उदाहरण हैं। अंत में, उन्होंने सात प्रमुख क्षेत्रों युद्ध क्षमता, बल विकास, बेड़े का रखरखाव, नई तकनीक का उपयोग, मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण, संगठनात्मक दक्षता और राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ तालमेल पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। इसके साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि इन प्राथमिकताओं पर निरंतर काम करते हुए भारतीय नौसेना भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा में और अधिक सक्षम बनेगी।

भारत-ओमान के ...

में 22-23 अक्तूबर को आयोजित हुई।'

भारत-ओमान के बीच चर्चा का मुख्य बिंदु

इस बैठक के दौरान दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। इसमें शामिल थे। इसमें संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विस्तार, विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाना और क्षमता विकास और सैन्य शिक्षा में नई साझेदारी के अवसर तलाशना शामिल हैं। यह सभी पहले डिफेंस कोऑपरेशन प्लान 2026 के तहत आगे बढ़ाई जाएंगी। एडीजी पीआई ने कहा कि यह बैठक 'सैन्य कूटनीतिट और 'भारत-ओमान रक्षा सहयोग' को नई दिशा देने वाला कदम है। यह सहयोग पिछले वर्ष सितंबर 2024 में आयोजित भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अल नजाह' की सफलता पर आधारित है, जो ओमान के रबकूट ट्रेनिंग एरिया में हुआ था। उस अभ्यास में दोनों सेनाओं ने बेहतरीन तालमेल और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमता दिखाई थी। अब इस वर्ष की स्टाफ टॉक्स के जरिए उस सहयोग को संस्थागत रूप देने और आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

वार्ता में कौन से अधिकारी हुए शामिल?

इस वार्ता में दोनों देशों के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। भारत की ओर से अमित नारंग, भारत के ओमान में राजदूत, कैप्टन हरीश श्रीनिवासन, भारतीय रक्षा अताशे शामिल हुए। वहीं ओमान की ओर से ब्रिगेडियर जनरल अब्दुलकाधिम बिन इब्राहिम अल-अजमी, कमांडर, 11वीं इन्फेंट्री ब्रिगेड और लेफ्टिनेंट कर्नल मसूद मुबारक अल-गाफरी, कमांडिंग ऑफिसर, फ्रंटियर फोर्स; ने शिरकत की।

दोनों सेनाओं ने किया संयुक्त लाइव-फायर डेमो

इस वार्ता के बाद दोनों देशों की सेनाओं ने एक संयुक्त लाइव-फायर डेमो किया, जिसमें लगभग 60 सैनिकों ने हिस्सा लिया। इस अभ्यास में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन जैसी परिस्थितियों में मिलकर कार्रवाई का प्रदर्शन किया गया। इसमें रेगिस्तानी इलाके में एक गांव की घेराबंदी और सफाई की सिम्युलेटेड कार्रवाई, घर-घर जाकर बंधक मुक्त कराने की ड्रिल और दोनों सेनाओं के स्नाइपर्सद्वारा सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन शामिल है।

आधुनिक भारतीय उपकरणों का उपयोग

इस अभ्यास की एक खासियत थी कि इसमें भारतीय निर्मित उन्नत उपकरणों का इस्तेमाल किया गया, जैसे-ड्रोन, रियल-टाइम निगरानी के लिए, बैलिस्टिक शील्ड, कमरे में घुसकर कार्रवाई और बंधक सुरक्षा के लिए। इन तकनीकों ने दोनों देशों की सेनाओं की आधुनिक क्षमता और तैयारी को और मजबूत किया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्याःजी/सी/ई-नीलामी लीजिंग/2025-26/01 , दि.23-10-2025

PUB/1335

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, https://www.ireps.gov.in के माध्यम से अठारह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के भारतीय नागरिकों तथा बंद ई-नीलामी पर, भारत में पंजीकृत कंपनियों/फर्मों से ई-नीलामी आयोजित करता है।

क्रम संख्या	कैटलॉग संख्या	श्रेणी	कैटलॉग के स्थान	नीलामी की तिथि	नीलामी शुरू समय
1.	जीटीएलबीपीएच-2526-सी1	वीपीएच की लीजिंग	1 रेल 01 वीपीएच	10-11-25	11.00 बजे
2.	जीटीएलएसएलआर-2526-सी1	एसएलआर की लीजिंग	18 रेल 20 एसएलआरज	11-11-25	10.30 बजे

इच्छुक पार्टीज एवं ठेकेदार इस बात पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी प्रक्रिया को समझने तथा इसमें भाग लेने हेतु दि लर्निंग सेंटर (यूजर मैन्युएल्स) से डाउनलोड की गई यूजर मैन्युएल पर जाएं, जिसका लिन्क, आईआरईपीएस साइट के होम पेज के बांयीं तरफ नेवीगेशन बार में दिया गया है तथा अधिक स्पष्टीकरणों हेतु बोलीदाता, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल के कार्यालय पर संपर्क करें।

ए1682 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल**

एम. राम मोहन राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिसदस्य बने

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान में कार्यरत मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एम. राम मोहन को आद्यमहाकल्पी भूगतिकी और भूपर्पटीय क्रमविकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए भारत की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई) के अधिसदस्य के रूप में चुना गया है। उनके कार्य ने पृथ्वी के प्रारंभिक भूपर्पटीय विकास को नियंत्रित करने वाली प्रक्रियाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है, तथा हमारे ग्रह के भूगर्भीय क्रमविकास की व्यापक समझ में योगदान दिया है। डॉ. मोहन को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार, बेल्लूरू रामा राव शतजयंती पुरस्कार, कृष्णन स्वर्ण पदक, और तेलंगाणा विज्ञान अकादमी की अधिसदस्यता शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज हारा भारत

दूसरा वनडे 2 विकेट से गंवाया, मैथ्यू शॉर्ट ने 74 रन बनाए

एडिलेड, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे वनडे मैच में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। भारत ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों से 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिए मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर मैच जीता।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 54 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मैथ्यू शॉर्ट ने पारी को संभाला और अर्धशतक लगाने में सफल रहे। इस दौरान मैट रेनशॉ ने उनका साथ बखूबी निभाया। भारत रेनशॉ और एलेक्स कैरी के विकेट निकाले जिससे ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बढ़ा। फिर हर्षित राणा ने शॉर्ट को भी पवेलियन भेज दिया।

हालांकि, कोनोली टिके रहे और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। भारत को अंत में कुछ विकेट मिले, लेकिन ऑस्ट्रेलिया लक्ष्य के इतने करीब पहुंच गया था कि यहां से भारत का जीतना मुश्किल था।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से शॉर्ट ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए, जबकि कोनोली 61 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल ओवन ने 36, मैट रेनशॉ ने 30, ट्रेविस हेड ने 28, मिचेल मार्श ने 11, कैरी ने 9, मिचेल स्टार्क ने 4 और जेवियर बार्टलेट ने 3 रनों का योगदान दिया। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और वाशिंगटन सुंदर को दो-दो विकेट मिले, जबकि मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट मिले।

इस हार के साथ भारत का एडिलेड में चला आ रहा विजयी अभियान थम गया।

इससे पहले भारत ने 2008 के बाद से इस मैदान पर कोई मैच नहीं हारा था। भारत ने आखिरी बार फरवरी, 2008 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 रन से हार झेली थी। 2019 के बाद पहली बार इस मैदान पर भारत एडिलेड में वनडे मैच खेलने उतरा था।

भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे को वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज

55 किलो ग्रेको-रोमन में कजाकिस्तान पहलवान को 5-4 से हराया

अंडर-23 में भारत को पहला मेडल

नोवी सैड, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे ने सर्बिया के नोवी सैड शहर में चल रही अंडर-23 सीनियर वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में देश का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने 55 किलोग्राम ग्रेको-रोमन वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को इस प्रतियोगिता का पहला मेडल दिलाया।

कजाकिस्तान के खिलाड़ी पर रोमांचक जीत

ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में विश्वजीत मोरे ने कजाकिस्तान के पहलवान येरासिल एममायबेकोव को 5-4 से मात दी। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने अंतिम मिनट तक जीत के लिए पूरा दमखम लगाया। अंत में विश्वजीत ने अपने आक्रामक खेल और मजबूत डिफेंस की बदौलत जीत दर्ज की।

रिपेचेज राउंड में मिला वापसी का मौका

क्वार्टर फाइनल में विश्वजीत को हार का सामना करना पड़ा था, जब वे यूडब्ल्यूडब्ल्यू पहलवान

अलीबेक से भिड़े थे। लेकिन अलीबेक के फाइनल में पहुंचने के बाद मोरे को रिपेचेज राउंड के जरिए वापसी का मौका मिला। उन्होंने इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्जे को हराकर कांस्य पदक के लिए क्वालीफाई किया।

पूरे टूर्नामेंट के दौरान विश्वजीत मोरे ने अपने खेल में तकनीकी निपुणता और शारीरिक मजबूती का बेहतरीन प्रदर्शन किया। शुरुआत में उन्होंने रोमानिया के पहलवान को हराया, इसके बाद अमेरिका के खिलाड़ी को टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से मात देकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। उनके खेल में आक्रामकता के साथ संयम और रणनीतिक सोच की झलक स्पष्ट रूप से दिखी।

लगातार दूसरा U-23 वर्ल्ड मेडल

यह उपलब्धि विश्वजीत मोरे के करियर में एक और मील का पत्थर है। यह उनका लगातार दूसरा यू-23 वर्ल्ड पदक है, जिसने उन्हें भारत के उभरते ग्रेको-रोमन पहलवानों में शीर्ष स्थान पर ला खड़ा किया है। यह जीत दर्शाती है कि, भारतीय कुश्ती अब विश्व स्तर पर मजबूती से अपनी जगह बना रही है।

अल्बानिया में गूंजा भारत का नाम

इस बार की यू-23 ग्रेको-रोमन वर्ल्ड चैंपियनशिप अल्बानिया के तिराना शहर में आयोजित हुई। यहां विश्वजीत ने विदेशी धरती पर दबाव भरे माहौल में बेहतरीन आत्मविश्वास दिखाया। उन्होंने बता दिया कि, भारतीय पहलवान किसी भी परिस्थिति में जीत हासिल करने की क्षमता रखते हैं।

गांव और परिवार में जश्न का माहौल

विश्वजीत मोरे की इस सफलता से उनके गांव और परिवार में खुशी का माहौल है। महाराष्ट्र के इस युवा पहलवान ने साबित किया है कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। उनके इस पदक से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है।

अभिनव बिंद्रा को मिला सम्मान, चुने गए 2026 शीतकालीन ओलंपिक के मशालवाहक

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को अगले साल होने वाले शीतकालीन ओलंपिक 2026 के लिए मशालवाहक चुना गया है। यह खेल आयोजन छह से 22 फरवरी 2026 के बीच इटली के मिलान और कॉर्टिना डी'अम्पेजो में होगा।

बिंद्रा ने इस सम्मान की घोषणा करते हुए अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मिलानो कॉर्टिना 2026 ओलंपिक मशाल रिले के लिए मशालवाहक चुने जाने पर मैं सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक मशाल का मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान रहा है। यह सपनों, दृढ़ता और खेल द्वारा हमारी दुनिया में लाई गई एकता का प्रतीक है।'

बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने आगे कहा, 'एक बार फिर से ऐसा मौका मिलना सम्मान की बात है और यह इस बात की खूबसूरत याद दिलाता है कि खेल क्या संभव बनाते हैं। इस अविश्वसनीय सम्मान के लिए 'मिलानकोर्टिना 2026' का धन्यवाद।' यह इटली द्वारा आयोजित चौथा शीतकालीन ओलंपिक होगा। इस सत्र में कुल 16 खेलों में 116 पदक स्पर्धाएं होंगी, जो बीजिंग 2022 की तुलना में सात अधिक हैं।

सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगा पाकिस्तान

भारत उतारेगा युवा दल; समरदीप पर नजरें

रांची , 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीते एक वर्ष में दो बार स्थगित होने के बाद 24 अक्तूबर से रांची में आयोजित होने जा रही सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने इस चैंपियनशिप के लिए प्रवेश ही नहीं भेजा है। इससे पहले यह चैंपियनशिप दो बार पाकिस्तानी एथलीटों को वीजा नहीं दिए जाने के चलते स्थगित की गई थी। 26 अक्तूबर तक रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने

प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है।

90 भारतीय एथलीट भाग लेंगे

चैंपियनशिप का आकर्षण शॉटपुटर समरदीप सिंह गिल होंगे। गिल पिछले तीन टूर्नामेंट से एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तेजिंदर पाल सिंह तूर को हराते आ रहे हैं। उन्होंने अंतरराज्यीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में अगस्त माह में 19.82 मीटर गोला फेंका था। चैंपियनशिप में भारत के 90 के करीब एथलीटों के शिरकत करने की उम्मीद है। इनमें 400 मीटर में नीरू पाठक, डिस्कस थ्रो में किरपाल सिंह, 800 मीटर में लिली दास, 4 गुणा 400 मीटर रिले में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एमआर पूवम्मा, प्रिया मोहन, 4 गुणा 100 मीटर रिले में एमवी जिल्ना, पुरुष जेवलिन थ्रो में ऋषभ नेहरा, हिमांशु जैसे एथलीट शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका को 18 साल के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मिली टेस्ट जीत

लाहौर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच में मेजबान पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर सीरीज को 1-1 की बराबरी पर खत्म किया. साउथ अफ्रीका को पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में 18 साल के बाद जीत मिल पाई है. इस मैच में केशव महाराज ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए 9 विकेट चटकाए थे.

पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच रावलपिंडी में खेला गया. इस मैच में साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी. इसके साथ ही सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म हुई. इस जीत के लिए साउथ अफ्रीका को 18 साल का इंतजार करना पड़ा.

साउथ अफ्रीका को 18 साल बाद मिली जीत

साउथ अफ्रीका ने रावलपिंडी टेस्ट में मेजबान पाकिस्तान को 8

विकेट से हराकर सीरीज को 1-1 पर खत्म किया. साउथ अफ्रीका को टेस्ट क्रिकेट में 18 साल के बाद पाकिस्तान के खिलाफ जीत मिल पाई है. इससे पहले आखिरी बार साउथ अफ्रीका ने साल 2007 में पाकिस्तान को टेस्ट मैच में हराया था.

केशव महाराज बने प्लेयर ऑफ द मैच

इस मैच में साउथ अफ्रीका के स्पिन गेंदबाज केशव महाराज ने कमाल की गेंदबाजी का नजारा पेश किया. पहली पारी में गेंदबाजी करते हुए केशव महाराज ने 7 विकेट चटकाए थे, तो वहीं दूसरी पारी में गेंदबाजी करते हुए उनको 2 विकेट मिली थी. इस मैच में महाराज ने कुल 9 विकेट चटकाए, जिसके चलते उनको प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

ऐसा रहा मैच का हाल

इस मैच की पहली पारी में पाकिस्तान ने बल्लेबाजी करते हुए 333 रन बनाए थे. पाकिस्तान की तरफ से पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शान मसूद ने सबसे ज्यादा 87 रनों की पारी खेली थी. जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 404 रन बनाकर बढ़त हासिल कर ली थी.

वहीं साउथ अफ्रीका की तरफ से पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए सेनुरन मुथुसामी ने सबसे ज्यादा 89 रनों की पारी खेली थी. इसके अलावा कागिसो रबाड़ा ने 71 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी. इसके बाद दूसरी पारी में पाकिस्तान की टीम 138 रनों पर ही ढेर हो गई थी. वहीं साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 73 रन बनाकर मैच को जीत लिया.

फ्रेंच ओपनः प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची उन्नति हुड्डा

चिराग-सात्विक की जोड़ी हुई बाहर

सेसन-सेविग्ने, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की शीर्ष भारतीय जोड़ी बुधवार को यहां इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ राउंड ऑफ 32 पुरुष युगल मैच में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। चिराग और सात्विक की जोड़ी ने यह मुकाबला 18-21, 20-22 से गंवाया। उभरती हुई भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन आयुष शेट्टी पुरुष एकल में जापान के कोकी वातानबे से हारकर पहले ही दौर में बाहर हो गए। उन्नति ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए महिला एकल के पहले दौर के मैच में मलेशिया की लेत्शाना करुपथेवन को 11-21, 21-13, 21-16 से हराया लेकिन इससे पहले आयुष को जापान के अनुभवी खिलाड़ी वातानबे के खिलाफ कड़े मुकाबले में 19-21, 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

अनुपमा उपाध्याय महिला एकल के पहले दौर में चीन की हान यू के खिलाफ 15-21, 11-21 से हार गईं जबकि अनमोल खरब को भी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ 15-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।गईं जबकि अनमोल खरब को भी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ 15-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पेरिस मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेंगे नोवाक जोकोविच

चोट बनी वजह? अगले सप्ताह होना है टूर्नामेंट

पेरिस, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये इसकी जानकारी दी है। जोकोविज इससे पहले पैर में चोट के कारण मैत्री टूर्नामेंट से भी हट गए थे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच इस सीजन लगातार नहीं खेल सके हैं। उन्होंने चार ग्रैंडस्लैम के अलावा सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट में ही हिस्सा लिया है।

इस सीजन चारों ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

38 साल के जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था।

हाल ही में शांघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल के दौरान उन्हें कुछ दिक्कत लगी थी। पिछले सप्ताह सऊदी अरब में सिक्स किंग्स स्लैम में उन्हें आमंत्रित किया गया था।

ओपनिंग दौर में बाई मिलने के बाद जोकोविच यानिक सिनर से हार गए थे। तीसरे स्थान पर रहने के लिए उनका टेलर फ्रिट्ज से हुआ, लेकिन एक सेट के बाद ही उन्होंने मैच रोक दिया। जोकोविच एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने के बाद 2024 में इस टूर्नामेंट में नहीं खेले थे। इस बार ये टूर्नामेंट नौ से 16 नवंबर तक इटली के तुरिन में होगा।

बाबर आजम की 10 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी

नसीम शाह 11 महीने बाद लौटे; साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित

इस्लामाबाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम की राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी हो गई है। दिसंबर 2024 में पाकिस्तान के दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से बाबर को टी20 टीम में नहीं चुना गया था। एशिया कप में पाकिस्तान के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जहां उनकी बल्लेबाजी की कमजोरियां उजागर हो गई थीं चयनकर्ताओं ने बाबर की ओर रुख किया है जो स्वयं सभी प्रारूपों में खराब दौर से गुजर रहे हैं।

रिजवान की टी20 में नहीं हो सकी वापसी

विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान जिन्हें हाल ही में वनडे कप्तानी से मुक्त किया गया था वह एक बार फिर टी20 टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे

हैं। बाबर की टी20 टीम में वापसी अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से चार महीने पहले हुई है। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज और श्रीलंका तथा जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली जाने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। उन्होंने श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए नए कप्तान शाहीन अफरीदी की अगुआई में अपनी वनडे टीम की भी घोषणा की। दोनों वनडे सीरीज के लिए रिजवान को विकेटकीपर के रूप में बरकरार रखा गया है।

पाकिस्तान पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज खेलेगा। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगा। टी20 त्रिकोणीय सीरीज जिससे अफगानिस्तान ने अपना नाम वापस ले लिया है वो 17 नवंबर से खेली जाएगी। ऐसी अटकलें थीं कि लेग स्पिनर शादाब खान टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में सलमान अली आगा की जगह ले सकते हैं, लेकिन चयनकर्ताओं ने एशिया कप में उनके खराब प्रदर्शन के बावजूद आगा को ही बरकरार रखने का फैसला किया है। शादाब को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है।

पाकिस्तान की टी20 टीमः सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान (विकेटकीपर), उस्मान तारिक।

रिजर्वः फखर जमां, हारिस रऊफ, सुफियान मोकिम।

पाकिस्तान की वनडे टीमः शाहीन शाह अफरीदी (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फैसल अकरम, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह, हसन नवाज, हुसैन तलत, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, सैम अयूब, सलमान अली आगा।

2030 तक जीवन विज्ञान क्षेत्र में 1 लाख करोड़ रुपए निवेश लाने का लक्ष्य : श्रीधर बाबू

> मंत्री ने मेलबर्न में ऑसबायोटेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना ने 2030 तक जीवन विज्ञान क्षेत्र में 1 लाख करोड़ रुपए का नया निवेश आकर्षित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसका उद्देश्य पाँच लाख लोगों के लिए रोज़गार सृजित करना है।

ऑसबायोटेक और विक्टोरिया सरकार द्वारा संयुक्त रूप से मेलबर्न में आयोजित ऑसबायोटेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 में मुख्य भाषण देते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना को वैश्विक जीवन विज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक व्यापक 'रोडमैप 2030' तैयार किया है। श्रीधर बाबू ने बायो-डिजिटल विकास के अगले चरण के लिए राज्य की रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा, 'तेलंगाना नवाचार, बुनियादी ढाँचे और वैश्विक साझेदारी को गति देने के लिए एक व्यापक जीवन विज्ञान नीति तैयार कर रहा है।' मंत्री ने कहा कि तेलंगाना आर्थिक विकास में राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। यद्यपि राज्य भौगोलिक क्षेत्रफल में 11वें और जनसंख्या में 12वें स्थान पर है, फिर भी यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 57 से अधिक का योगदान देता है।

उन्होंने बताया कि 2024-25 में तेलंगाना की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वृद्धि दर 8.27 रही, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.67 है। पिछले 20 महीनों में, राज्य ने 3.2 लाख करोड़ रुपए के नए निवेश आकर्षित किए हैं, जिनमें से 63,000 करोड़ रुपए अकेले जीवन विज्ञान क्षेत्र से आए हैं। अप्रैल और दिसंबर 2024 के बीच इस क्षेत्र से निर्यात 26,000 करोड़ रुपए को पार कर गया। मंत्री ने कहा कि राज्य का लक्ष्य 2030 तक जीवन विज्ञान अर्थव्यवस्था का मूल्य 80 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 250 अरब अमेरिकी डॉलर करना है। वैश्विक परामर्शदात्री सीबीआरई की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद को ग्लोबल लाइफ साइंसेज एटलस 2025 में बोस्टन, सैन फ्रांसिस्को, कैम्ब्रिज, बीजिंग और टोक्यो के साथ दुनिया के अग्रणी जीवन विज्ञान समूहों में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद इस सूची में शामिल होने वाला एकमात्र भारतीय शहर है। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वास्थ्य सेवा में उभरती प्रौद्योगिकियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए 'तैयार-से-तैनाती जैव-डिजिटल कार्यबल' के निर्माण में भारी निवेश कर रहा है। उन्होंने बताया कि जीवन विज्ञान विश्वविद्यालय और युवा भारत कौशल विश्वविद्यालय, दोनों ही तेलंगाना सरकार की पहल हैं, जिन्हें उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं को तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

श्रीधर बाबू ने कहा कि इसके साथ ही, राज्य विश्व आर्थिक मंच के चौथी औद्योगिक क्रांति केंद्र और अन्य वैश्विक संस्थानों के साथ मिलकर कौशल विकास और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को जैव-डिजिटल युग की माँगों के अनुरूप बनाने के लिए भी काम कर रहा है। मंत्री ने कहा, 'तेलंगाना की ताकत उसके नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में निहित है। हमारा नारा केवल भारत में निर्माण नहीं, बल्कि तेलंगाना में आविष्कार है।' इस अवसर पर, श्रीधर बाबू ने ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों को उभरते और उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया।

तेलंगाना ने किया जनजातीय कल्याण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

राष्ट्रपति से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा पुरस्कार प्राप्त करने पर सीएम ने की सराहना

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 'आदि कर्मयोगी अभियान' राष्ट्रीय सम्मेलन में, तेलंगाना राज्य को जनजातीय कल्याण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में मान्यता दी गई।

राज्य के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए। अद्दुरी लक्ष्मण, जनजातीय एवं समाज कल्याण मंत्री, सब्यसाची घोष, विशेष मुख्य सचिव, कल्याण विभाग, विट्ठा सर्वेश्वर रेड्डी, अतिरिक्त निदेशक, जनजातीय कल्याण विभाग, डॉ. वी. समुजवाला, निदेशक, जनजातीय सांस्कृतिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पद्मा पी.वी. आज मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी से मिले और उन्हें प्राप्त पुरस्कार दिखाए और बताया कि तेलंगाना जनजातीय कल्याण विभाग ने भारत के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है और जनजातीय कल्याण के लिए कड़ी मेहनत की है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को बधाई दी। गौरतलब है कि तेलंगाना राज्य की उपलब्धियों में प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम में तेलंगाना देश के शीर्ष तीन राज्यों में से एक बन गया है। धरती आबा जनजाति ग्रामीण उत्कर्ष अभियान (डीए जेजीयूए) सामुदायिक भागीदारी में देश में छठे स्थान पर रहा है। आदिलाबाद, कोमरम भीम आसिफाबाद जिलों और आईटीडीए भद्राचलम और उत्नूर को आदि कर्मयोगी अभियान में राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार मिले हैं। पद्म पीवी, डॉ. ए. कीर्ति, डॉ. जी. नरेंद्र रेड्डी को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। ये सम्मान तेलंगाना में जनजातीय कल्याण विभाग, आईटीडीए और क्षेत्रीय कर्मचारियों के प्रयासों का प्रमाण हैं। राज्य व्यापक जनजातीय विकास, जनभागीदारी और अंतर-विभागीय समन्वय के लिए एक आदर्श है।

हैदराबाद में रहस्यमय किडनी रोग

शहरवासियों में बढ़ रहा अज्ञात कारण वाली किडनी की बीमारी

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आसपास के जिलों में एक रहस्यमय किडनी बीमारी, जिसे अज्ञात कारण वाली क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडीयू) कहा जाता है, तेजी से फैल रही है। यह बीमारी खासतौर पर युवा और आर्थिक रूप से सक्रिय लोगों में देखी जा रही है, जिनमें मधुमेह या उच्च रक्तचाप का कोई इतिहास नहीं है। उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल (ओजीएच) और अपोलो हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्टों ने 75 मरीजों पर अध्ययन किया, जिसका परिणाम इंडियन जर्नल ऑफ़ नेफ्रोलॉजी (अगस्त, 2024) में प्रकाशित हुआ। अध्ययन में पता चला कि यह रोग आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों में पाए जाने वाले रहस्यमय किडनी फेल्योर जैसी ही है, लेकिन तेलंगाना में इसका प्रभाव शहर-आधारित है। ओजीएच की नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा सहाय के अनुसार, इस बीमारी के लिए कृषि पृष्ठभूमि जरूरी नहीं है और यह गैर-कृषि पेशे वाले लोगों में भी आम है।

अध्ययन से पता चला कि सीकेडीयू धीरे-धीरे बढ़ती है और इसके लक्षण तब तक दिखाई नहीं देते जब तक गुर्दे गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त न हो जाएँ। शोध में यह भी उजागर हुआ कि 40 प्रतिशत रोगियों ने अनियमित वैकल्पिक या हर्बल दवाओं का सेवन किया था, जिसे संभावित जोखिम कारक माना जा रहा है। किडनी बायोप्सी में गुर्दे की फिल्टरिंग इकाइयों में व्यापक निशान और सूजन पाई गई, जो यह दर्शाती है कि बीमारी चुपचाप वहीं शुरू होती है। डॉ. सहाय ने कहा कि यह रोग शहर के लोगों में तेजी से बढ़ रहा है और रोगियों को अक्सर तभी अस्पताल में लाया जाता है जब उन्हें तत्काल डायलिसिस या किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी की आवश्यकता होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरणों को इस बीमारी और हर्बल दवाओं के संभावित प्रभाव पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कलाम की विरासत को जीवंत बनाने मूर्तियों की स्थापना की योजना

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम स्थित संगठन, वाइब्रेंट्स ऑफ कलाम ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और एयरोस्पेस वैज्ञानिक स्वर्गीय एपीजे अब्दुल कलाम की विरासत को अमर बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की है। इस परियोजना के तहत तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी जिलों में अब्दुल कलाम की मूर्तियाँ स्थापित की जाएँगी। आंध्र प्रदेश में तेरह मूर्तियों का अनावरण इस साल मई में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती में किया था। तेलंगाना में अब्दुल कलाम की पहली प्रतिमा पीठापुरम के एक म्यूनिसिपल पार्क में स्थापित की जाएगी, जहाँ उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण इसका अनावरण करेंगे। वाइब्रेंट्स ऑफ़ कलाम के संस्थापक विजय कलाम ने बताया कि मूर्तियाँ 10-10 फीट ऊँची होंगी और इन्हें मुख्य चौराहों या नगर निगम के पार्कों में स्थापित किया जाएगा। पूरी परियोजना की लागत लगभग एक करोड़ रुपये है, जिसमें प्रत्येक मूर्ति के लिए एक लाख रुपये और मंच निर्माण शामिल है।

विजय कलाम ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति की मृत्यु के दस साल बाद भी उनकी प्रतिमा उपलब्ध नहीं थी, इसलिए उन्होंने इसे स्थापित करना अपनी ज़िम्मेदारी समझा। उनका लक्ष्य अगले साल 27 जुलाई तक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी 23 जिलों में प्रतिमाओं की स्थापना पूरी करना है। इसके बाद हर साल उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर स्कूली छात्रों और युवाओं के लिए भाषण, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघनों पर त्वरित कार्रवाई आवश्यक : रंजीत कुमार सिंह

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए चुनाव पर्यवेक्षकों ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए चुनाव संबंधी सभी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के सख्त पालन की आवश्यकता पर बल दिया।

सामान्य पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सिंह, पुलिस पर्यवेक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी और व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल ने जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन के साथ गुरुवार को जीएचएमसी मुख्यालय में एमसीएमसी (मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति), इलेक्ट्रॉनिक मीडिया निगरानी कक्ष, एमसीसी नियंत्रण कक्ष और 1950 शिकायत केंद्र का औचक निरीक्षण किया। पर्यवेक्षकों ने शिकायत रजिस्टरों, दस्तावेजों और रीयल-टाइम निगरानी प्रणालियों की समीक्षा की और उनकी कार्यप्रणाली और त्वरित शिकायत निवारण पर संतोष व्यक्त किया।

इस दौरान, जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन ने पर्यवेक्षकों को बताया कि एमसीसी, एमसीएमसी, सी-विजिल और 24÷7 नियंत्रण कक्ष के माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है और एफएसटी, एसएसटी, वीएसटी और वीवीटी जैसी क्षेत्रीय टीमों को जमीनी सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए सतर्क किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि उपचुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से, प्रवर्तन टीमों ने 2.75 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाबी नकदी जब्त की है और एमसीसी उल्लंघन से संबंधित दस से अधिक मामले दर्ज किए हैं। सामान्य पर्यवेक्षक, रंजीत कुमार सिंह ने निर्देश दिया कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा किए जाने वाले सभी चुनावी खर्चों का सटीक और शीघ्रता से रिकॉर्ड किया जाना चाहिए, ताकि अभियान वित्त निगरानी में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों से जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए समन्वय से काम करने का आग्रह किया। निरीक्षण में अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव) हेमंत केशव पाटिल, एमसीसी नोडल अधिकारी नरसिम्हारेड्डी, मुख्य लेखा परीक्षक पी. वेंकटेश्वर रेड्डी, मीडिया नोडल अधिकारी ममिंडला दशरथम, एमसीएमसी सदस्य बचनजीत सिंह, मानसा कृष्णकांत, ओएसडी (नियंत्रण कक्ष) अनुराधा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रिज़वी वीआरएस विवाद ने राजनीति को नया मोड़ दिया

आबकारी निविदाओं में कथित अनियमितताओं और प्रशासनिक हस्तक्षेप का मामला

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमुख सचिव (वाणिज्यिक कर एवं आबकारी) सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेने के फैसले को लेकर विवाद ने राजनीतिक दिशा ले ली है। आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने मुख्य सचिव से रिज़वी के वीआरएस आवेदन को अस्वीकार करने का आग्रह किया। इस घटनाक्रम ने आबकारी निविदाओं में कथित अनियमितताओं और प्रशासनिक निर्णयों में राजनीतिक हस्तक्षेप को फिर से उजागर किया है।

रिज़वी ने वीआरएस के लिए व्यक्तिगत कारण बताए, जबकि मंत्री ने उन पर कदाचार, अवज्ञा और कर्तव्यहीनता का आरोप लगाया। राज्य सरकार ने मंगलवार को रिज़वी का वीआरएस स्वीकार कर वाणिज्यिक कर आयुक्त एम. रघुनंदन राव को पूर्ण अतिरिक्त प्रभारी नियुक्त किया। हालांकि, मंत्री ने बुधवार को मुख्य सचिव को लिखे पत्र में रिज़वी पर गंभीर कदाचार का आरोप लगाते हुए उनके वीआरएस को अस्वीकार करने की मांग की। इस विवाद की जड़ शराब की बोतलों पर उच्च-सुरक्षा होलोग्राम और 2डी बारकोड की निविदा प्रक्रिया है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 100 करोड़ रुपये है।

दिवाली पर विदेशों में भारतीयों का असावधानीपूर्ण व्यवहार

उत्सव में अशांति और नियमों की अवहेलना से वैश्विक आलोचना

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस बार दिवाली के दौरान दुनिया भर में भारतीयों द्वारा मनाए गए उत्सव में कुछ स्थानों पर विघटनकारी और असावधानीपूर्ण व्यवहार की कई रिपोर्ट और वीडियो सामने आए। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के शहरों में लोग अनियंत्रित आतिशबाजी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाओं में शामिल दिखे।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लंदन, न्यूयॉर्क और डलास में पुलिस और अग्निशमन विभाग को देर रात तक भीड़ को नियंत्रित करते देखा गया। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना के मॉरिसविले पुलिस विभाग ने अवैध पटाखों और फैलाए गए कूड़े-कचरे से सामुदायिक सुरक्षा पर असर पड़ने की चिंता जताई। कनाडा के एडमोंटन में भी आग लगने की घटना की रिपोर्ट आई, जो स्थानीय सुरक्षा नियमों के पालन की जरूरत को रेखांकित करती है। इस तरह के अशिष्ट व्यवहार सिर्फ़ त्योहारों तक सीमित नहीं हैं।

बीआरएस अध्यक्ष चंद्रशेखर राव की उपचुनाव को लेकर बैठक

पार्टी रणनीति और अंतिम अभियान तैयारियों पर फोकस

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव गुरुवार को अपने एरावेली स्थित आवास पर एक तैयारी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक पार्टी उम्मीदवार मगंती सुनीता गोपीनाथ की जीत सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगी। बैठक में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव, तलसानी श्रीनिवास यादव, टी पद्मराव गौड़ और मोहम्मद महमूद अली शामिल होंगे। जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के सभी डिवीजनों और क्लस्टरों के प्रभारी, वर्तमान और पूर्व विधायक, एमएलसी, पार्षद, अध्यक्ष और अन्य प्रमुख नेता भी बैठक में भाग लेंगे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में चंद्रशेखर राव को जमीनी स्तर पर अभियान की प्रगति, जनता की प्रतिक्रिया और मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित करने वाले स्थानीय मुद्दों से अवगत कराया जाएगा।

बैठक में अभियान रणनीतियों की समीक्षा, जिम्मेदारियाँ सौंपने और अंतिम चरण में संपर्क प्रयासों को तेज़ करने के निर्देश जारी किए जाने की उम्मीद है। बीआरएस उम्मीदवार के प्रति मतदाताओं की मजबूत प्रतिक्रिया के कारण यह बैठक जुबली हिल्स में निर्णायक जीत सुनिश्चित करने के लिए बूथ-स्तरीय और क्लस्टर-वार रणनीति अंतिम रूप देने में अहम मानी जा रही है।

रचकोंडा में गौरक्षक पर हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

गोली लगने से घायल सोनू सिंह का अस्पताल में इलाज जारी

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रचकोंडा पुलिस ने बुधवार को पोचारम में एक गौरक्षक पर जानलेवा हमले के सिलसिले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है। रामपल्ली निवासी सोनू सिंह उर्फ प्रशांत उस समय घायल हो गया जब मवेशी व्यापारी इब्राहिम ने कथित तौर पर उस पर देशी कट्टे से गोली चला दी। बताया जा रहा है कि इब्राहिम के साथ दो और लोग मौजूद थे और वारदात के बाद तीनों एक कार में बैठकर फरार हो गए। सोनू को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, बाद में उसे इलाज के लिए सिकंदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद पुलिस ने हमलावरों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित कीं और अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस बीच, भाजपा ने हमले की निंदा करते हुए गुरुवार को तेलंगाना डीजीपी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.